Vol.19, Issue 3 | Annual Subscription ₹ 420

January 2020

@NewsRotary /RotaryNewsIndia

रोटरी समाचार

INDIA
www.rotarynewsonline.org

इंदौर इंस्टिट्यूट

Rotary

संयोजक RID भरत पांड्या और
संसथान अध्यक्ष टी एन सुब्रमण्यन

चित्र: रशीदा भगत

विषयसूची

12 आइये चुनौतियों एवं बदलाव दोनों को अपनाये: मलोनी
इंदौर इंस्टीट्यूट में, रोई अध्यक्ष मार्क मलोनी रोटरी द्वारा पार की जाने वाली चुनौतियों के बारे में बात करते है।

16 टीआरएफ सेमीनार में वैश्विक अनुदानों पर हुई स्पष्ट चर्चा
वैश्विक अनुदान स्वीकृति प्रक्रिया पर रोटरी नेतृत्वकर्ता इंदौर में अपने विचार व्यक्त करते है।

30 दिल से सोचें, दिमाग से नहीं - RIPN मेहता
DGE गण के लिए रोटरी गवर्नर का पद मानवता की सेवा करने का एक अवसर है।

32 सपने देखने, उड़ने, हासिल करने की हिम्मत कीजिये: इंदौर में पांड्या ने रोटेरियनों से कहा
प्यार, संवेदना और सपनों के साथ, रोटेरियन एक परिवर्तन ला सकते है।

46 सफल होने के लिए महिलाओं को अवसर चाहिए, एहसान नहीं: स्मृति ईरानी
केंद्रीय मंत्री महिलाओं के अधिकारों एवं लैंगिक समानता का समर्थन करती है।

63 पॉल हैरिस के घर को बचाने की एक अपील
रोटरी संस्थापक के घर को बचे रहने के लिए रोटेरियनों की उदारता की दरकार है।

64 मैं दक्षिण भारत में रोटरी का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं: शेखर मेहता
उसकी सेवा परियोजनाओं के लिए RIPN रो ई मंडल 3211 की प्रशंसा करते है।

68 इंदौर के स्ट्रीट फूड का मज़ा लेना
पहली बार इंदौर आने वालों को शहर के स्वादिष्ट स्ट्रीट फूड के लिए सराफा बाज़ार जाना चाहिए।

कवर पर: इंदौर इंस्टीट्यूट में दुर्गा वंदना।

चित्र: वी मुत्तुकुमारण

सौन्दर्य मिथक

संपादक का संदेश *सुन्दरता के मायने बदल रहे है* इस बात की पुष्टि करता है कि काले/भूरे रंग की त्वचा भी आश्चर्यजनक रूप से सुंदर हो सकती है। यह सच है कि भारत में एक महिला की सुन्दरता की तुलना उसके गोर रंग-रूप से की जाती है। रशीदा कहती है कि एक महिला का व्यक्तित्व केवल उसका रंग-रूप ही नहीं होता बल्कि उसकी बुद्धिमत्ता, चातुर्य, उसकी आँखों की चमक, उसके दिल में छुपी करुणा और भी कई सैकड़ों गुण होते है जो उसे खास बनाते है। सुंदरता के बारे में यह निर्णय तब सही साबित हो गया जब मिस यूनिवर्स 2019 और कोई नहीं बल्कि दक्षिण अफ्रीका की श्यामल सुंदरी, ज़ोज़िबिनी तुंजी, बनी।

अशोक जिंदल
रोटरी क्लब नाभा ग्रेटर - रो ई मंडल 3090

सौन्दर्य मिथक पर सम्पादकीय दिसंबर में एक श्यामल लड़की की मिस यूनिवर्स के रूप में ताजपोशी होने के बाद लिखा गया। एक प्रतिभाशाली और मुखर लड़की, ज़ोज़िबिनी तुन्ज़ी ने कुछ क्षण बदलते सौन्दर्य मानकों पर बात की और अंततः ''श्यामल लड़की के जादू का जश्न मनाया। मैं एक ऐसी दुनिया में पली-बढ़ी हूँ जहाँ पर मेरे जैसी दिखने वाली औरतों - मेरी जैसी त्वचा और मेरे जैसे बाल - को कभी सुन्दर नहीं समझा गया,'' उस 26 वर्षीय लड़की ने अपने समापन वक्तव्य में कहा। 2011 में अंगोला की लीला लोपेस द्वारा यह ख़िताब हासिल करने के बाद, तुन्ज़ी आठ वर्षों में सौन्दर्य स्पर्धा की पहली अश्वेत विजेता है।

के एम के मूर्ति
रोटरी क्लब सिकंदराबाद
रो ई मंडल 3150

संपादक रशीदा भगत ने अपने सुरुचिपूर्ण तरीके से लिखे गए संपादक के सन्देश में सुन्दरता के एक नए आयाम को प्रस्तुत किया है। उन्होंने उस मिथक को तोड़ा है कि केवल गोरे रंग वाले ही सुन्दर हो सकते है। यह कि सुन्दरता आतंरिक गुणों पर भी निर्भर करती है।

डॉ जी ज़ेवियर राजप्पा
रोटरी क्लब रामेश्वरम
रो ई मंडल 3212

संपादक के सन्देश में सौन्दर्य का विवेचन ज्ञानवर्धक है। सच्चाई यह है कि हमारे समाज में कौशल और चरित्र से कई अधिक, सुन्दरता को अनुचित महत्व दिया जाता है। अब इस मानसिकता को बदलने का समय आ गया है। महिलाओं ने बड़ी सफलताएँ अपनी सुन्दरता की वजह से नहीं बल्कि अपने दिमाग की वजह से हासिल की है। लेकिन कुछ महिलाऐं अपने रंग-रूप को लेकर बहुत चिंता करती है। उन्हें इस सिंड्रोम से बाहर आना होगा और अपने कौशलों पर कार्य करना होगा जो इकलौती चीज़ है जो मायने रखती है।

अशोक कटारिया
रोटरी क्लब श्री गंगानगर मारवाड़
रो ई मंडल 3090

अपनी संपादकीय सुन्दरता के मायने बदल रहे है... के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे का चुनाव करने के लिए मैं संपादक की प्रशंसा करता हूँ...किसी महिला की सुन्दरता की तुलना उसके गोरे रंग से करना मूर्खता होती है। वास्तव में एक महिला के आभूषणों का मुख्य आधार उसकी विनम्रता और सुशीलता और स्वभाव होता है ना कि उसकी त्वचा का रंग। इन सबसे ऊपर, एक महिला का मधुर स्वभाव मायने रखता है।

रोई निदेशक भरत पंड्या और कमल संघवी ने प्रोजेक्ट पॉजिटिव हेल्थ के अंतर्गत अच्छे स्वास्थ्य पर ज़ोर दिया है। एक समयोचित अभियान जिसका शीर्षक है *एक चम्मच कम, चार कदम आगे* के माध्यम से रोटेरियन समाज में जागरूकता फैला रहे है।

जयश्री द्वारा लिखित लेख मासिक धर्म पर परिचर्चा की शुरुआत यह दर्शाता है कि रोटेरियन

एक प्रासंगिक कवर स्टोरी

जयश्री द्वारा लिखित लेख *आत्महत्या मदद के लिए एक पुकार है* की कवर स्टोरी से मैं बहुत प्रभावित हूँ। इतने आवश्यक विषय पर लिखने के लिए मैं उनकी प्रशंसा करना चाहता हूँ। यह सिर्फ एक चेतावनी का संकेत नहीं है कि कोई व्यक्ति आत्महत्या करने के बारे में सोच रहा है - यह मदद के लिए एक पुकार है। हमारे समाज में, महिलाओं को पीटा जाता है, बाल उत्पीड़न होता है, और हिंसा की बहुत सारी गतिविधियाँ होती है।

एस नटराजन
रोटरी क्लब कूथापक्कम - रो ई मंडल 2981

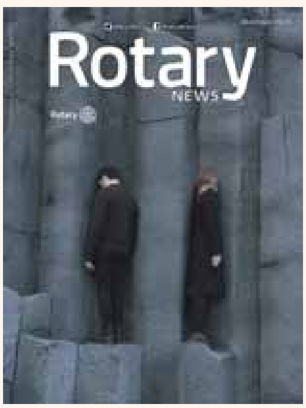

परामर्शदाता डॉ लक्ष्मी और डॉ थारा ने आत्महत्या की रोकथाम के लिए ठोस उपाय दिए है। यह अफ़सोस की बात है कि सर्वोच्च संस्थानों में उनका दाखिला करवाने हेतु उनके माता-पिता के अथक प्रयासों के बावजूद किशोर आत्महत्या का सहारा लेते है।

इस संदर्भ में, संयुक्त परिवार प्रणाली के धीरे-धीरे लुप्त हो जाने ने युवाओं द्वारा ऐसे भयावह कदम उठाए जाने में एक अहम् भूमिका निभाई। आज के युवा उनके सेल फ़ोन और टीवी की स्क्रीन से चिपके रहते है। जब तक कि इन सबके बारे में कुछ कर नहीं लिया जाता, और युवाओं को

चक्क्र् मुद्दों पर लड़कियों, शिक्षकों और समाज को सामान्य रूप से शिक्षित करके सराहनीय कार्य कर रहे है। गेट्स फाउंडेशन द्वारा किये गए एक अध्ययन में यह पाया गया कि भारत में 71 प्रतिशत लड़कियों को उनके पहले मासिक धर्म से पहले इस बारे में कोई जानकारी नहीं होती, शौचालयों और उचित ज्ञान के अभाव में 23 मिलियन लड़कियाँ हर साल स्कूल छोड़ देती है और गाँव में 63 प्रतिशत शिक्षक कभी भी इस विषय पर बात नहीं करते, स्वास्थ्य और स्वच्छता के दृष्टिकोण से भी नहीं।

राज कुमार कपूर

रोटरी क्लब रूपनगर - रो ई मंडल 3080

संपादक रशीदा ने मेरे कुछ पसंदीदा उपन्यासकारों के नाम लेकर मुझे मेरे कॉलेज के दिनों की याद दिला दी। अब 86 की उम्र में, मैं एक बार फिर से इन किताबों को पढ़ने के लिए प्रेरित हुआ हूँ। मैं उनके इस कथन से सहमत हूँ कि उत्कृष्ट साहित्यों को बार-बार पढ़ने से हमें हर बार एक नए आनंद की प्राप्ति होती है। हमें भारत में औसत जीवन प्रत्याशा बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य सेवा के मुद्दे पर रोई निदेशक भरत पंड्या और कमल संघवी के दिशा निर्देशों का पालन करना चाहिए। जयश्री ने आत्महत्या के बारे में लिखा है, जो युवाओं के मध्य एक आम समस्या है जिन्हें तुरंत संतुष्टि चाहिए और संतुलित दिमाग नहीं दिया जाता, अवसाद और आत्महत्या एक बड़ी समस्या बने रहेंगे।

एस पद्मनाभन, रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल आदित्य

रो ई मंडल 3232

जिनमें अपने बड़े-बुजुर्गों की सलाह सुनने का सब्र नहीं होता।

एस मुनियांदी

रोटरी क्लब डिंडीगुल फोर्ट- रो ई मंडल 3000

दिसंबर अंक के फ्रंट इनर कवर पर RIPN शेखर मेहता, राशी और त्रावणकोर शाही परिवार के भाई-बहन की त्रावणकोर महल में खींची गई दो खूबसूरत तस्वीरें देखकर मुझे प्रसन्नता हुई। यह उल्लेखनीय है कि अगले रोई सम्मेलन के दौरान संयुक्त राष्ट्र के साथ रोटरी के ऐतिहासिक संबंधों का जश्न मनाया जाएगा।

संपादक द्वारा एक महिला के व्यक्तित्व की परिभाषा (संपादक का सन्देश) अनुकरणीय है। रो ई निदेशकों का स्वास्थ्य जागरूकता के बारे में सन्देश उपयोगी है। लेख उफ्फ... वो देर रात की फ्लाइट्स! मेरे जैसे भारतीयों को निराश करता है कि हम तीसरी-श्रेणी के नागरिकों के रूप में अंधेरों में उड़ने के लिए बने है। आत्महत्या मदद के लिए एक पुकार है एक रोचक लेख है और डॉ लक्ष्मी द्वारा शुरू की गई हेल्पलाइन स्नेहा बहुत ही नेक कार्य कर रही है। मुंबई के एक समारोह में RIPN शेखर मेहता का भाषण यह दर्शाता है कि वह एक दूरदर्शी है और मुझे आशा है कि वह उनके कार्यकाल के दौरान उनके सपनों को पूरा कर सकते है। नए वर्ष की शुभकामनाएँ।

फिलिप मुलाप्पोन एम टी

रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन - रो ई मंडल 3211

RIPN को बधाइयों की अधिकता

मैं एक जानकारीप्रद एवं रोचक पत्रिका देने के लिए संपादक द्वारा किए गए अच्छे कार्य की सराहना करता हूँ जिसमें सामान्य अभिरुचि की विशेषताएँ भी शामिल होती है। लेकिन नवंबर अंक में नवनिर्वाचित RIPN शेखर मेहता का उचित एवं विस्तृत कवरेज करने के बाद, जिसमें कवर पृष्ठ शामिल था, मुझे दिसंबर अंक में भी विभिन्न स्थानों पर सम्पन्न हुये बधाई समारोहों पर अधिक पृष्ठ देखने को मिले। सत्ता में आने वाले व्यक्तियों का ढिंढोरा पीटने के बजाय, *रोटरी न्यूज़* का उपयोग सेवा परियोजनाओं एवं रोटरी के आदर्शों को दर्शाने के लिए अधिक किया जाना चाहिए। मुझे यकीन है कि आप इस अवलोकन पर आत्मनिरीक्षण करेंगे।

सम्पतकुमार

रोटरी क्लब कोयम्बटूर एलीट

रो ई मंडल 3201

अपने विचार संपादक को भेजें:
rotarynews@rosaonline.org;
rushbhagat@gmail.com
पर ई-मेल करें।
Click on Rotary News Plus in our website www.rotarynewsonline.org to read about more Rotary projects.

तमिल में रोटरी न्यूज़ को पढ़ना बहुत दिलचस्प है और यह मुझे विभिन्न मंडलों में रोटेरियनों द्वारा किये जा रहे महान कार्य की प्रशंसा करने के लिए बाध्य करता है। रोटरी क्लब कलकत्ता द्वारा की गई ऐतिहासिक और चलन स्थापित करने वाली गतिविधियों को पढ़कर मुझे ख़ुशी हुई। इस क्लब के लिए महात्मा गाँधी और दलाई लामा जैसे व्यक्तियों की मेजबानी करना, और 1927 में हावड़ा ब्रिज के निर्माण पर अपने विचार रखने में अहम् भूमिका निभाना बहुत ही गर्व की बात है।

पोन मुथैयन

रोटरी क्लब अदुथुरई, रो ई मंडल 2981

पोलियो उन्मूलन, एक पूर्ण साक्षर भारत और अफ्रीका को स्वच्छ जल और स्वास्थ्य देखभाल उपलब्ध कराने में रोटरी के दीर्घकालिक योगदान के लिए उसे नोबल शांति पुरस्कार मिले जाने के RIPN शेखर मेहता के सपने का मैं समर्थन करता हूँ। वह कहते है "एक नेता को हमेशा सकारात्मक होना चाहिए और बड़े सपने देखने चाहिए।" न्यासी प्रमुख गेरी हांग कहते है कि रोटरी में दुनिया को बदलने का सामर्थ्य है क्योंकि यह पोलियो उन्मूलन के साथ-साथ बहुत सारी अच्छी चीज़ें कर रही है। *रोटरी के मित्रता वृक्ष* उन रोटेरियनों की याद दिलाते है जिन्होंने रोटरी की मित्रता और यह समझाने के लिए उन फलदार वृक्षों को लगाया था कि ऐसे कृत्य समय के साथ बार-बार मूल्यवान परिवर्तन लाते है।

नवीन रमेश गर्ग

रोटरी क्लब सुनाम - रो ई मंडल 3090

व्यावसायिक सेवा, रिश्तों का निर्माण करने की एक कुंजी

प्रिय साथी रोटेरियनों और रोटरी परिवार के सदस्यों,

दुनिया भर के लोगों के पास रोटरी से जुड़ने के अनेक कारण है। हर साल बहुत से नए रोटेरियन उसी कारण से रोटरी से जुड़ते है जिस कारण से मैं इससे जुड़ा था - रोटरी आपके कैरियर को लाभान्वित करने का बहुत अच्छा तरीका है। जब एक नए एटॉर्नी के रूप में मैंने अलबामा में शुरुआत की थी, तो गे और मैं उसके पिता की फ़र्म में साझेदार बन गए। उन्होंने हमारे मन में यह बात बैठा दी कि रिश्ते बनाने और संभावित ग्राहकों को यह दर्शाने का रोटरी एक तरीका है कि हम ऐसे गंभीर पेशेवर है जो अपने पेशे के मूल्यों पर आवश्यकता से अधिक दृढ़ रहते है।

व्यावसायिक सेवा के प्रति रोटरी की प्रतिबद्धता व्यवसायों एवं सेवाओं में उच्चतम नैतिक मानकों पर, सभी उपयोगी कार्यों की योग्यता की स्वीकृति पर, और समाज की सेवा करने के अवसर के रूप में प्रत्येक रोटेरियन के पेशे का सम्मान करने से निर्मित होती है। अंतिम बिन्दु अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमारा पेशा चाहे जो भी हो, जब भी हम ईमानदारी से अपना काम करते है और हमेशा चार मार्ग परीक्षण का पालन करते है, तो हम सभी दुनिया को अपना बलपूर्वक योगदान देते है।

अध्यक्ष के रूप में रोटरी की मांगों को पेशेवर एवं पारिवारिक प्रतिबद्धताओं के साथ संतुलित करने को मैंने अपनी प्राथमिकताओं में से एक बना लिया है। किसी भी रोटेरियन को ऐसा दबाव महसूस नहीं होना चाहिए कि उससे किसी स्वयंसेवी पद में लगने वाले समय से अधिक की मांग की जा रही है। ऐसा अनेक कारणों से सही होता है, उनमें से एक कारण है कि हमारी दिन की नौकरियों में हम जो काम करते है वह रोटरी के लिए उतना ही जरूरी है जितना काम हम संगठन में करते है। हम हमारे रोटरी के मूल्यों को हर जगह ले जाते है, और हमारी व्यावसायिक सफलता हर दिन हमारे कार्यालय जाने के बाद रोटरी के लिए एक केस बनाने में मदद करती है।

यह विशेषरूप से नए युवा सदस्यों तक पहुँचने के हमारे प्रयासों में महत्वपूर्ण है। हम एक ऐसी रोटरी देखना चाहते है जहाँ किसी से भी एक अच्छा रोटेरियन और एक अच्छा अभिभावक, व्यापारी, प्रबन्धक, या कर्मचारी होने के मध्य चुनाव करने के लिए कभी ना कहा जाए। जब हम व्यस्त युवाओं से हमारे साथ जुड़ने के लिए कहते है, तो हमें उनसे उनका समय और आजादी छोड़ने के लिए नहीं कहना चाहिए। हमें उन्हें एक ऐसे अनुभव के साथ पुरस्कृत करना चाहिए जो उनके द्वारा पहले से की जा रही सभी चीजों को और भी प्रेरक बना दे।

रोटरी के अंदर अधिक संतुलन प्रदान करने का एक अन्य लाभ भी होगा: इससे अन्य रोटेरियनों, जिनमें रोटरेक्टर शामिल है, के लिए अवसर पैदा होंगे कि वे आगे आकर परियोजनाओं एवं समितियों में नेतृत्व की भूमिका अपना सकें। इससे सुनिश्चित होगा कि वे हमारे क्लबों में व्यस्त रहे और आजीवन रोटेरियन बने रहने के लिए प्रेरित होते रहे।

दुनियाभर में, रोटरी की उसकी व्यावसायिक सेवा एवं सभी व्यावसायिक सम्बन्धों में हमारे द्वारा दिये गए समय-सम्मानित मूल्यों के लिए प्रशंसा की जाती है। जब हम रोटरी को बढ़ाने के लिए अपना काम ज़ारी रखते है, तो हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि व्यावसायिक सेवा संभावित सदस्यों के लिए एक महत्वपूर्ण विक्रय बिन्दु बना हुआ है।

रोटरी दुनिया को जोड़ती है, और रोटरी के व्यावसायिक सेवा कार्यों को अधिक व्यवसायों में एवं कैरियर के विभिन्न चरणों में लोगों तक पहुँचाकर, हम हमारे संगठन को बढ़ाने एवं इसे अधिक मजबूत और अधिक विविध बनाने में इसकी मदद करेंगे।

मार्क डेनियल मलोनी
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

संपादक
का संदेश

याद रखने योग्य एक इंस्टीट्यूट

संयोजक के रूप में रो ई निदेशक भरत पंड्या और अध्यक्ष के रूप में राजू (टी एन) सुब्रमण्यम के साथ इंदौर इंस्टिट्यूट अनेक कारणों से लम्बे समय तक याद रखा जाएगा। पहला, इसका आयोजन इंदौर में हुआ, एक ऐसे शहर में जो बहुत से लोगों की घूमने जाने की सूची में शामिल नहीं होता। लेकिन एक बार जब आप एयरपोर्ट से अपने होटल जाते है और धीरे-धीरे उस शहर का जायजा लेते है - दुर्भाग्य से मेरे पास पहली शाम में लैंडिंग करके चेक इन करने के तुरंत बाद जल्दी में सराफा बाज़ार जाने तक का ही समय था, जहाँ के स्ट्रीट फूड का अनुभव कभी ना भुलाए जाने वाला है - अपनी हरी-भरी और साफ-सुथरी दिखावट के साथ यह शहर आपका स्वागत करता है जो आपको चौंका देता है। कार्यक्रम स्थल - 'ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर' - का चुनाव मेरे जैसे भौगोलिक रूप से चुनौती झेलने वालों के लिए निरंतर परीक्षण था, परंतु उसमें विभिन्न सत्र आराम से सम्पन्न हो गए। सबसे अच्छी बात यह थी कि भोजन के लिए पर्याप्त जगह थी, सौभाग्य से प्रतिनिधि अपनी थाली में खाना परोसने के लिए दूसरों के साथ जूझने से बच गए। यह स्पष्ट है कि जब सँभालने के लिए 1,000 से अधिक प्रतिभागी मौजूद हो तो यह कितना महत्वपूर्ण या चुनौतीपूर्ण हो सकता है। साथ ही, चाहे लोग इस बात को माने या ना माने, विविधता, स्वाद, प्रस्तुति, और सहूलियत जिसमें आप अपना भोजन कर सकें, किसी भी विशाल और महत्वपूर्ण कार्यक्रम के अनुभव का एक बड़ा हिस्सा होते है। और संस्थान की आयोजन समिति ने इसे सभी चार अपेक्षाओं पर खरा पाया। भला हो उस व्यक्ति का जिसने सभी रात्रिभोजों में पानी पुरी शामिल करने का सोचा! वह लजीज़ थी।

वक्ताओं का चुनाव भी बहुत अच्छा था। चाहे वह इंदौर की महिला महापौर मालिनी गौर हो जो इंदौर को सबसे स्वच्छ शहर के रूप में शीर्ष स्थान दिलाने के मोर्चे के पीछे की शक्ति है, या ज्ञानेश्वर बोडके हो, जिन्होंने लाभदायक खेती करने में किसानों को सुनियोजित किया, त्रिवेणी आचार्य हो जिन्होंने 5,000 लड़कियों/महिलाओं को देह व्यापार के चंगुल से छुड़ाया या मानसी जोशी हो जिन्होंने आठ वर्ष पहले एक सड़क दुर्घटना में अपना पैर खो देने के बाद अंतर्राष्ट्रीय पैरा-बैडमिंटन चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता... इन सभी ने आपके दिल के नाजुक हिस्से को छुआ और आपके दिमाग में हज़ारों विचारों को सक्रिय किया।

इंदौर में सबसे दिलचस्प सत्रों में से एक था अनुदानों और प्रबंधन पर पैनल चर्चा जहाँ अनेक प्रतिभागियों ने वैश्विक अनुदानों की अस्वीकृति पर चिंता जताई और कैसे यह भारतीय रोटेरियनों के कुछ बड़ा, बेहतर और साहसी परियोजनाओं को करने के उत्साह को निरुत्साहित कर सकता है पर सवाल उठाए वो भी तब जब जनवरी 1, 2020 को रोटरी क्लब कलकत्ता के सौ साल पूरे होने के साथ ही रोटरी भारत में उसके शताब्दी वर्ष का उत्सव मना रही है। नवनिर्वाचित टीआरएफ न्यासी प्रमुख के. आर. रविन्द्रन, और रोई महासचिव जॉन हेव्को, जो दोनों ही पैनल में थे, से त्वरित प्रतिक्रिया आई कि वे उठाए गए सवालों पर ध्यान देंगे और तीन महीने के भीतर ही विस्तृत जवाबों के साथ दर्शकों से रूबरू होंगे।

लेकिन इन सबसे ऊपर, यह पंड्या, जो इस बात को बहुत अच्छी तरह समझते थे कि कैसे हमारे वक्ता उनको आवंटित किये गए समय का पालन नहीं करते है, का तरीका ही था जिन्होनें कार्यवाही को प्रबंधित किया, और एक बाज़ की तरह घड़ी पर नज़रे गढ़ाए रखी, और अपनी समय सीमा पार कर चुके वक्ता से अपनी बात को समाप्त करने हेतु विनम्रतापूर्वक लेकिन दृढ़ता के साथ आग्रह करने से भी नहीं हिचकिचाए, की वजह से ही सत्र समय पर सम्पन्न हो पाए। इंस्टिट्यूट के समापन क्षणों में अश्रुपूर्ण नेत्रों भरे उनके और सुब्रमण्यम के आलिंगन ने एक ज़ोन इंस्टिट्यूट के नियोजन और उसके कार्यान्वयन में लगने वाले अथक प्रयासों, कड़ी मेहनत और परिश्रम की एक झलक दिखाई। माधवी द्वारा निभाई गई सहायक भूमिका, जो शांत और शालीन होकर भी हमेशा वहाँ मौजूद थी, नवनिर्वाचित गवर्नरों की पत्नियों के लिए वहाँ से ले जाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज़ होना चाहिए।

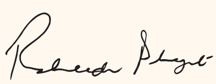

रशीदा भगत

Governors Council

RI Dist 2981	DG N Manimaran
RI Dist 2982	DG Natesan A K
RI Dist 3000	DG Dr A Zameer Pasha
RI Dist 3011	DG Suresh Bhasin
RI Dist 3012	DG Deepak Gupta
RI Dist 3020	DG M Veerabhadra Reddy
RI Dist 3030	DG Rajendra Madhukar Bhamre
RI Dist 3040	DG Dhiran Datta
RI Dist 3053	DG Harish Kumar Gaur
RI Dist 3054	DG Bina Ashish Desai
RI Dist 3060	DG Anish Shah
RI Dist 3070	DG Sunil Nagpal
RI Dist 3080	DG Jitendra Dhingra
RI Dist 3090	DG Rajeev Garg
RI Dist 3100	DG Hari Gupta
RI Dist 3110	DG Kishor Katru
RI Dist 3120	DG Sanjay Agrawal
RI Dist 3131	DG Ravee Dhotre
RI Dist 3132	DG Suhas Laxmanrao Vaidya
RI Dist 3141	DG Harjit Singh Talwar
RI Dist 3142	DG Dr Mohan Chandavarkar
RI Dist 3150	DG Pandi Sivannarayana Rao
RI Dist 3160	DG Nayan S Patil
RI Dist 3170	DG Dr Girish R Masurkar
RI Dist 3181	DG Joseph Mathew
RI Dist 3182	DG Ramesh B N
RI Dist 3190	DG Dr Sameer Hariani
RI Dist 3201	DG R Madhav Chandran
RI Dist 3202	DG A Karthikeyan
RI Dist 3211	DG Shirish Kesavan
RI Dist 3212	DG S Sheik Saleem
RI Dist 3231	DG Sridar Balaraman
RI Dist 3232	DG G Chandramohan
RI Dist 3240	DG Dr Debasish Das
RI Dist 3250	DG Gopal Khemka
RI Dist 3261	DG Ranjeet S Saini
RI Dist 3262	DG Debasish Mishra
RI Dist 3291	DG Ajay Agarwal

Printed by PT Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by PT Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions – original content – is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced, but with permission from RNT.

रो ई निदेशकों

सीधी बात

भारत के सबसे स्वच्छ शहर, इंदौर में हाल ही में दिसंबर 6-8 के बीच आयोजित हुए रोटरी ज़ोन इंस्टिट्यूट- *Dare to Dream*, में ज़ोन 4, 5, 6 और 7 के बहुत से पूर्व, वर्तमान और आगामी रोई अधिकारी शामिल हुए। रोई अध्यक्ष मार्क मलोनी और उनकी साथी गे के नेतृत्व में ना केवल वरिष्ठ रोटरी नेतृत्वकर्ताओं का एक विशिष्ट समूह मौजूद था बल्कि कुछ असाधारण उपलब्धियों वाले साधारण लोग भी वहाँ पर मौजूद थे। इंस्टिट्यूट का संयोजक होने के नाते, मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूँ जो इस इंस्टिट्यूट में शामिल हुए और इसे एक समृद्ध और संतोषजनक अनुभव बनाने के लिए काम किया।

जनवरी रोटरी का व्यावसायिक माह है। हम क्लब की सेवा के सोहार्द का आनंद लेते है; हमारे समुदाय की सेवा करके संतोष प्राप्त करते है और आशा करते है कि हमारी अंतर्राष्ट्रीय सेवा विश्व शांति को प्रोत्साहित करें। लेकिन अक्सर व्यावसायिक सेवा को परिभाषित करना मुश्किल लगता है। अगर कोई चीज़ स्पष्ट रूप से रोटरी को अन्य सेवा संगठनों से अलग करती है तो वह है हमारी सदस्यता जो हमारे व्यवसाय पर आधारित होती है। अब समय आ गया है कि हम व्यावसायिक परियोजना की शुरुआत करें, व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए युवाओं को प्रायोजित करें, एक व्यावसायिक यात्रा का आयोजन करें या एक कैरियर विकास परियोजना की योजना बनाएं।

व्यावसायिक सेवा का एक अमूर्त हिस्सा भी है, वह हिस्सा जो हमारे स्वयं के दैनिक जीवन, हमारे स्वयं के व्यव्हार के मानकों से संबंधित है, वह हिस्सा जहाँ पर हम केवल स्वयं के लिए ही जवाबदेह होते है। केवल हमारे जीवन के लिए 4-मार्ग परीक्षण को लागू करने वाले हिस्से को रखिए। सत्यनिष्ठा और अच्छी मूल्य प्रणाली हमारे जीवन के लिए अंतर्भूत है। शब्दों और कर्मों में ईमानदारी अनंत है और इसे हमारे स्वयं से ही शुरू होना होगा।

ईमानदारी और नेतृत्व गहराई से जुड़े होते है। नेतृत्व में विश्वास शामिल होता है, और ईमानदारी विश्वास को प्रेरित करती है। अच्छे नेतृत्वकर्ता वही करते है जो सही होता है ना कि वह जो बस उन्हें प्रसिद्धि दिलाता है। महात्मा गाँधी के पास कोई पैसा या बंदूक नहीं थी लेकिन उनके पास लाखों लोगों को हिलाने की शक्ति थी। उन्हें उनकी ईमानदारी पर पूरा भरोसा था और वह उसी रास्ते पर चले। मुझे अंतिम विश्लेषण में यकीन है: भगवान यह नहीं पूछेंगे कि हमने कितना पैसा कमाया है; बल्कि वह यह पूछेंगे क्या उस पैसे को कमाने के लिए हमने अपने चरित्र के साथ समझौता किया है। भगवान हमारी जीत या उपलब्धियों के बारे में नहीं पूछेंगे; बल्कि वह हमारी ईमानदारी और चरित्र के बारे में पूछेंगे।

ईमानदारी और चरित्र के साथ नेतृत्व कीजिए क्योंकि *रोटरी दुनिया को जोड़ती है*।

रोटरी का आनंद लें, स्वयं का आनंद लें।

डॉ भरत पांड्या

रो ई निदेशक, 2019-21

का संदेश

व्यावसायिक सेवा को बढ़ावा दें

जनवरी के दौरान, वोकेशनल सर्विस ने समुदाय की जरूरतों को पूरा करने तथा नए पेशेवर अवसरों व रुचियों की खोज में मदद करने हेतु हमारे अद्वितीय कौशल और विशेषज्ञता का उपयोग करके दूसरों को सशक्त बनाने का आह्वान किया। जनवरी रोटरी की वोकेशनल सर्विस महीना है, जो आपके क्लब प्रोजेक्ट्स और गतिविधियों में वोकेशनल सर्विस का लाभ उठाने का बेहतरीन समय है, जो हमारे फोर-वे टेस्ट की भावना को पूरा करते हैं।

मैं आप में से प्रत्येक से दो मोर्चों पर वोकेशनल उत्कृष्टता का कार्य करने का आग्रह करता हूं - पहला आपका व्यक्तिगत योगदान और प्रतिबद्धता, और दूसरा, आपकी क्लब गतिविधियों के माध्यम से।

वोकेशनल सर्विस शामिल करने के पांच तरीके:

- फोर-वे टेस्ट और व्यवसाय तथा पेशेवरों में रोटेरियन की घोषणा सहित सेवा के दूसरे एवेन्यू की जांच करने हेतु जनवरी में एक बैठक करें।
- एक मिनी-क्लासिफिकेशन टॉक श्रृंखला शुरु करें, जिसमें प्रत्येक सदस्य को अपने वोकेशन पर पांच मिनट की बात करनी हो।
- नैतिक मानकों को उच्च बनाए रखते हुए उत्कृष्ट व्यावसायिक उपलब्धि हासिल करने वाले समुदाय में किसी को व्यावसायिक पुरस्कार प्रदान करें।
- समुदाय की व्यावसायिक आवश्यकताओं पर एक प्रस्तुति देने और उन जरूरतों के जवाब में एक परियोजना विकसित करने हेतु विशेषज्ञों को आमंत्रित करें। संभावित परियोजनाएं चरित्र को विकसित करने, युवाओं को करियर की जानकारी प्रदान करने, छोटे व्यवसायों का उल्लेख करने या कार्यशालाओं का आयोजन करने पर ध्यान केंद्रित कर सकती हैं, जो कर्मचारियों को नए कौशल सीखने में मदद करती हैं।
- रोटरी वालंटियर के रूप में काम करने हेतु अपने व्यावसायिक कौशल को बढ़ाने के लिए क्लब के सदस्यों को प्रोत्साहित करें।

व्यक्तिगत क्षमता में वोकेशनल सर्विस को शामिल करने के पांच तरीके:

- दुनिया भर में मौजूद रोटेरियन कार्य समूह और सहायता सेवा परियोजना से जुड़ें।
- ईमानदारी के साथ अपने पेशे से संबंधित कार्य करें, और दूसरों को अपने शब्दों तथा कार्यों के माध्यम से नैतिक व्यवहार करने हेतु प्रेरित करें।
- युवाओं को अपने कैरियर के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए मेंटरशिप, इंटर्नशिप या व्यावहारिक अवसर बनाने हेतु स्थानीय व्यवसायों के साथ काम करें।
- पेशेवर विकास में दूसरों को मार्गदर्शन दें और प्रोत्साहित करें।
- वोकेशन से संबंधित रोटरी फ्रेंडशिप एक्सचेंज में भाग लें।

मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि आप 'सफल आदमी' न बनें, बल्कि 'मूल्यवाला आदमी' बनें।

कमल संघवी

रो ई निदेशक, 2019-21

Board of Permanent Trustees & Executive Committee

PRIP Rajendra K Saboo	RI Dist 3080
PRIP Kalyan Banerjee	RI Dist 3060
RIPN Shekhar Mehta	RI Dist 3291
PRID Panduranga Setty	RI Dist 3190
PRID Sushil Gupta	RI Dist 3011
PRID Ashok Mahajan	RI Dist 3141
PRID Yash Pal Das	RI Dist 3080
PRID P T Prabhakar	RI Dist 3232
PRID Dr Manoj D Desai	RI Dist 3060
PRID C Basker	RI Dist 3000
TRF Trustee Gulam A Vahanvaty	RI Dist 3141
RID Dr Bharat Pandya	RI Dist 3141
RID Kamal Sanghvi	RI Dist 3250

Executive Committee Members (2019–20)

DG Deepak Gupta Chair – Governors Council	RI Dist 3012
DG Nayan Patil Secretary – Governors Council	RI Dist 3160
DG Dhiran Datta Secretary – Executive Committee	RI Dist 3040
DG Ajay Agarwal Treasurer – Executive Committee	RI Dist 3291
DG Rajendra Madhukar Bhamre Member – Advisory Committee	RI Dist 3030

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

Editor
Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor
Jaishree Padmanabhan

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

ROTARY NEWS TRUST
3rd Floor, Dugar Towers,
34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India.
Phone : 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org
Website: www.rotarynewsonline.org

Now share articles from *rotarynewsonline.org* on WhatsApp.

District Wise TRF Contributions as on November 2019

(in US Dollars)

District Number	APF	PolioPlus	Other Restricted	Endowment Fund	Total Contributions	EREY Donors (in numbers)	EREY %
India							
2981	22,176	3,411	0	8,480	34,067	98	2.16
2982	21,013	11,205	161,362	0	193,581	91	3.02
3000	54,571	1,014	3,703	296	59,584	62	1.20
3011	11,234	985	21,784	0	34,002	50	1.41
3012	163,710	5,615	32,452	0	201,777	141	3.80
3020	19,571	22,653	0	12,029	54,253	72	1.91
3030	3,439	7	1,423	0	4,869	5	0.10
3040	7,600	45	6,997	0	14,642	6	0.30
3053	24,748	32	32,331	0	57,111	59	2.04
3054	6,143	167	35,809	0	42,119	19	0.34
3060	32,737	56,114	66,316	11,678	166,845	256	6.33
3070	21,390	695	9,643	0	31,727	80	2.60
3080	40,808	4,110	12,875	1,013	58,806	79	2.30
3090	8,881	0	0	0	8,881	25	1.26
3100	23,210	0	0	0	23,210	67	3.53
3110	15,530	1,609	0	0	17,138	25	0.65
3120	59,357	141	0	0	59,498	140	4.17
3131	156,813	868	179,769	43,000	380,451	437	8.33
3132	3,800	292	9,538	15,000	28,629	11	0.30
3141	230,633	7,978	262,934	66,392	567,936	527	9.61
3142	87,960	527	80,282	0	168,769	235	7.26
3150	50,232	6,316	23,137	170,368	250,054	360	10.10
3160	2,080	29	0	0	2,109	12	0.45
3170	41,324	3,974	5,388	0	50,687	134	2.39
3181	118,150	6,509	0	0	124,659	231	6.47
3182	26,515	7,324	3,637	0	37,476	123	3.94
3190	78,763	7,140	37,025	0	122,928	474	9.94
3201	28,451	16,660	86,428	0	131,539	57	1.06
3202	33,151	34,160	35,838	1,000	104,148	30	0.61
3211	1,588	57	46,879	290	48,814	9	0.20
3212	24,371	17,065	1,050	0	42,487	41	1.02
3231	1,561	56	3,083	0	4,700	25	0.68
3232	24,897	30,926	150,549	7,500	213,873	88	1.68
3240	37,012	31,982	33,004	0	101,997	132	4.35
3250	24,088	0	(85)	10,000	34,003	40	1.04
3261	4,818	0	30,770	0	35,587	3	0.12
3262	26,524	2,164	5,507	0	34,196	53	1.59
3291	53,196	1,532	33,250	0	87,979	51	1.44
India Total	**1,592,044**	**283,363**	**1,412,677**	**347,045**	**3,635,130**	**4,348**	**2.98**
3220 **Sri Lanka**	35,937	3,900	7,371	0	47,207	41	2.10
3271 **Pakistan**	3,201	2,969	20	0	6,189	8	0.59
3272 **Pakistan**	9,695	992	300	0	10,987	39	2.36
3281 **Bangladesh**	53,602	2,075	67,496	4,000	127,173	122	2.15
3282 **Bangladesh**	19,813	8,807	0	1,000	29,620	22	0.47
3292 **Nepal**	118,945	12,537	334,228	0	465,711	215	4.62
South Asia Total	**1,833,236**	**314,643**	**1,822,093**	**352,045**	**4,322,017**	**4,795**	**2.89**
World Total	**43,162,709**	**11,420,258**	**10,357,532**	**13,509,897**	**78,450,396**		

Source: RI South Asia Office

Please contact us at the earliest for your

Classroom Furniture

Requirement for the upcoming academic year.

Model ST101C
Height Adjustable Single Desk and Chair set

Model SPL-DD
Height Adjustable Double Desk and 2 Chairs Set

Model PT-106E
Kids Double Desk and 2 Chairs Set

Model PT106IBIG
Non Adjustable Single Desk and Chair Set

Model ASCB-MDS
Medium Joint Desk

Please email us at **sales@panofficesystems.com** to know more about our product range

Webite: **www.panfurniture.com**

Visit or call us at :

pan Office Systems Pvt. Ltd.

Pan Office Systems Pvt Ltd
No.3/4, Langford Road, Setlur Street, Bengaluru - 560 025
Phone : **080-26684821, 080-26687695**
Mobile : **9341221125**

आइये चुनौतियों एवं बदलाव दोनों को अपनाये: मलोनी

रशीदा भगत

इंदौर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब वह उनकी विषयवस्तु 'रोटरी दुनिया को जोड़ती है' या बढ़ती रोटरी को दोहराते है, तो ये उनके लिए केवल नारे नहीं होते है। रोटरी को बढ़ाना केवल एक साल में किये जाने वाला कार्य नहीं है लेकिन यदि हम अभी शुरुआत करें तो हम बहुत कुछ हासिल कर सकते है। जब मैं कहता हूँ कि रोटरी दुनिया को जोड़ती है...तो यह ऐसा रिश्तों में निवेश करके, स्थाई समाधानों को बनाने के लिए हमारे नेटवर्क का इस्तेमाल करके करती है, और हम हमेशा हमारी परियोजनाओं एवं हमारे क्लबों में अपने अनुभवों से सीखते रहते है।

''एक सदी पूर्व रोटरी ने आपसी संपर्कों पर टिके सेवा नेतृत्व के नए प्रतिमान की राह दिखाई थी। आज वे संपर्क एक ऐसा तंत्र बन गए है जो सांस्कृतिक, भाषाई, पीढ़ी एवं भौगोलिक सीमाओं को तोड़ते हुए पूरी दुनिया में फैला हुआ है; और समग्र रूप से इन सब ने एक बेहतर दुनिया की परिकल्पना का निर्माण किया है।''

''रोटेरियनों से हमारे अंतरों को भुलाकर गंभीर एवं अर्थपूर्ण तरीके से संलग्न होने की अपील करते हुए,'' रो ई अध्यक्ष ने कहा कि रोटरी का चमत्कार दुनिया और इसके लोगों को जोड़ने में है, जिनसे हम अन्यथा कभी नहीं मिलते और जो हमारी कल्पना से अधिक हमारे जैसे है। यह हमें हमारे समुदायों से, पेशेवर अवसरों से एवं उन लोगों से जोड़ता है जिन्हें हमारी मदद की आवश्यकता है। जब आप ऊर्जा और रोटेरियनों की प्रतिबद्धता को इस तंत्र के साथ जोड़ते है, तो परिणाम लगभग जादुई होते है। हम काम करने वाले लोग है, और जो हम है और जैसा करने की अनुमति रोटरी हमें देती है

आइये रोटरी द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों को संबोधित करें

उद्घाटन सत्र में एक गंभीर एवं आत्मविश्लेषी स्वर में बात करते हुये, और रोटरी द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों को संबोधित करते हुये, रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी ने कहा कि ''हर साल हम समान मुद्दों पर विभिन्न तरीकों से बात करते है।'' दुनिया के कुछ हिस्सों जैसे भारत और एशिया में रोटरी तेजी से बढ़ रही है लेकिन बाकी हिस्सों में ऐसा नहीं हो रहा है। ''जाने वाले सदस्यों की जगह अधिक सदस्यों को शामिल करना समाधान नहीं है। यह छेद वाली बाल्टी में अधिक पानी भरने जैसा है। हमें मूल कारण – सदस्य जुड़ाव एवं सदस्य जनसांख्यिकी – को संबोधित करने की आवश्यकता है जो तिरछी है। हमें कुछ बुनियादी परिवर्तन करने होंगे। हमें पता है कि एक विविध सदस्यता को बनाए रखने में क्या बाधाएँ है। समय आ गया है कि हम उस पर काम करें जो हम जानते है।''

हमें अधिक सदस्यता प्रतिमानों को बनाने की, एवं उन स्थानों पर अधिक रोटरी एवं रोटरेक्ट क्लबों को स्थापित करने के नए रास्तों को बनाने की आवश्यकता है जहां मौजूदा क्लब वर्तमान जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहा हो।

रोटरी की पहुँच को बढ़ाना नई कार्य योजना के चार लक्ष्यों में से केवल एक लक्ष्य है, अन्य तीन है हमारे प्रभाव में वृद्धि करना और भागीदारी को बढ़ाना... और उन भागीदारों की सुने जाने एवं सेवा करने की आवश्यकताओं को पूरा करना। ''वे उन अनुभवों की तलाश कर रहे है जो प्रासंगिक और संतोषप्रद हो, और हमें रोटरी को अधिक परिवार के अनुकूल बनाते हुये उन्हें इसे उपलब्ध करवाना है।''

अंतिम प्राथमिकता है ''हमारी अनुकूलन की क्षमता'' को बढ़ाना, जिसे रोटेरियनों ने पहले ही उनके कैरियरों में सफल होकर साबित कर दिया है। ''हमारे आयोजन सिद्धांतों में नई पद्धतियों को लाकर हम हमारे अस्तित्व की भावना को खतरा नहीं पहुंचाते है। हमें पेशेवर प्रतिबद्धताओं का सम्मान करना होगा और यह उम्मीद नहीं करना चाहिए कि रोटरी नेतृत्व एक पूर्णकालिक नौकरी हो। अपने कैरियरों का निर्माण कर रहे युवा व्यक्तियों के समय एवं जिम्मेदारियों का सम्मान कीजिये। आइये आवाजों को विविध बनाने और हम विश्वास के साथ कैसे काम करते है उसे सरल बनाने के लिए बातचीत करें। आइये अपने अगले 114 वर्षों में बदलाव से आगे रहकर स्वयं के प्रति सच्चे बने।''

बाएं से: विद्या, इंस्टीट्यूट के चेयरमैन टी एन सुब्रमण्यन, नोबुको किटा, टीआरएफ ट्रस्टी सेइजी किटा, RID भरत पांड्या, रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी, गे, माधवी, राशी, RIPN शेखर मेहता, सोनल, RID कमल संघवी, TRF ट्रस्टी जेनिफर जोन्स और गुलाम वाहनवती।

जयश्री

रो ई अध्यक्ष मलोनी, गे, ट्रस्टी किटा के साथ मिलकर RIPN मेहता और राशी ने इंस्टिट्यूट परेड का उद्घाटन किया।

उसके कारण हमारे पास दुनिया को बदलने की काबिलियत है।''

लेकिन किसी भी परिकल्पना को साकार करने के लिए रोटरी संपर्कों के आधार पर बनी योजना की आवश्यकता होती है। ''और इस वर्ष हम एक नई कार्य योजना तैयार कर रहे है जो अगले पाँच वर्षों में हमारी पहुँच को बढ़ाएगी, हमारे प्रभाव को बढ़ाएगी, हमारी भागीदारी एवं सहभागिता में वृद्धि करेगी और हमारी अनुकूलन क्षमता में इज़ाफ़ा करेगी। यह योजना ना केवल यह बताती है कि रोटरी कैसे दुनिया को जोड़ती है, बल्कि यह रोटरी द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों को लेकर भी सुस्पष्ट है एवं साहचर्य, अखंडता, सेवा और नेतृत्व के हमारे एतिहासिक मूल्यों में निहित है,'' वह आगे कहते है।

यह नई कार्य योजना ऐसे समय में मानव संपर्कों के मूल्य को भी पहचानती है जब तकनीक संपर्क स्थापित करने को असल में कठिन बना

गे, राशी और RIPN मेहता को बधाई देती हुई। चित्र में सोनल, नयनतारा महाजन, विध्या, संस्थान के अध्यक्ष सुब्रमण्यन, बिनोटा रो ई अध्यक्ष मलोनी, PRIP राजेंद्र साबू, माधवी, RID भरत पांड्या और नलिनी प्रभाकर चित्र में शामिल है।

सकती है। ''यह योजना पेशेवरों के रूप में रोटेरियनों की उल्लेखनीय क्षमता का प्रयोग करती है और इस बात का आदर करती है कि युवा पीढ़ी के पास इस बात को लेकर विभिन्न विचार है कि वे कैसे उनका समय बिताते है, किसके साथ अपना समय बिताते है और क्या चीज़ उन्हें प्रेरित करती है।''

बड़ा प्रभाव डालने की रोटेरियनों की क्षमता अधिक लोगों द्वारा उनके साथ हाथ मिलाने पर टिकी हुई है, मलोनी ने कहा कि ''रोटरी को बड़ा एवं अधिक विविध बनाकर हम एक व्यापक एवं अधिक प्रभावी कहानी कह सकते है और लोगों को यह उम्मीद दे सकते है कि दुनिया बेहतर के लिए बदल सकती है। इससे एक निरंतर चक्र की शुरुआत होगी जिससे अधिक से अधिक लोग हमारी अद्भुत सफलता का हिस्सा बनना चाहेंगे और हमारी परिकल्पना को साझा करेंगे। अधिक सदस्यों का अर्थ केवल सेवा परियोजनाओं को करने वाले अधिक हाथ ही नहीं है बल्कि इसका अर्थ समस्याओं का हल ढूँढने वाले अधिक दिमाग भी है।''

रोटरी को बदलावों के अनुकूल बनने (बक्सा देखें) के साथ-साथ उसे उसके एतिहासिक सम्बन्धों को भी सुरक्षित रखना होगा, जैसे कि संयुक्त राष्ट्र के साथ उसके सम्बन्धों को। ''ध्यानाकर्षण क्षेत्रों के माध्यम से हम जो काम करते है, और यूएन के संवहनीय विकास लक्ष्यों में अनेक समानताएँ है जो अविश्वसनीय रूप से महत्वाकांक्षी है। रोटरी उस समय वहाँ थी जब यूएन की शुरुआत हुई, और जब दुनिया स्वयं को विनाश के कगार से खींच लाई और फिर से बनी।''

जाने वाले सदस्यों की जगह अधिक सदस्यों को शामिल करना समाधान नहीं है। यह छेद वाली बाल्टी में अधिक पानी भरने जैसा है।

चूंकि यूएन जल्द ही यूएन शासनपत्र पर हस्ताक्षर करने की 75वीं वर्षगांठ मनाएगा, यूएन के साथ इसके सम्बन्ध का उत्सव मनाने के लिए रोटरी चार विशेष कार्यक्रमों की मेजबानी कर रहा है, जिसमें पेरिस और रोम में अध्यक्षीय सम्मेलन और होनोलूलू सम्मेलन से ठीक पहले एक अंतिम जश्न शामिल है। ''यह संबंध इस बात का उदाहरण है कि कैसे एक साथ हम दुनिया की सेवा कर सकते है। अकेले हम सभी को जल प्रदान नहीं कर सकते, भूख नहीं मिटा सकते या पोलियो को उन्मूलित नहीं कर सकते। लेकिन एक साथ मिलकर बेशक हम ऐसा कर सकते है। हम अपनी गौरवशाली विरासत का निर्माण करेंगे और अन्य 114 वर्षों तक उन्नति करेंगे क्योंकि हम बदलावों से डरते नहीं है,'' मलोनी ने समापन किया। ■

टीआरएफ सेमीनार में वैश्विक अनुदानों पर हुई स्पष्ट चर्चा

रशीदा भगत

इंदौर इंस्टिट्यूट के बहुत ही जीवंत और क्रियात्मक सत्रों में से एक, जहाँ आप टीआरएफ न्यासी गुलाम वाहनवटी की अध्यक्षता और उनके संचालन में हुए टीआरएफ सेमीनार में प्रत्यक्ष रूप से दर्शकों की भागीदारी, व्यस्तता और 'अनुदान एवं प्रबंधन' पर हुई पैनल चर्चा में बहुत सारे जीवंत आदान-प्रदान देख सकते थे।

नवनिर्वाचित न्यासी प्रमुख PRIP के आर रविन्द्रन, जो पैनल में शामिल थे, ने टीआरएफ अनुदानों के माध्यम से की जाने वाली सेवा परियोजनाएं करने में संवहनीयता और प्रबंधन दोनों पर ज़ोर दिया। एक उदाहरण देते हुए, उन्होंने कहा कि नौकरों को दोष नहीं दिया जा सकता यदि मालिक आसपास उनकी पहुँच के भीतर पैसे या अन्य कीमती सामान छोड़ देता है, या बिना किसी हिसाब-किताब के एक ड्राईवर पर विश्वास करके उसे घर का सामान लाने भेज देता है। ''आप अपनी लापरवाही से पैसे खो सकते है या फिर आपको उस नौकर या उस ड्राईवर को बर्खास्त भी करना पड़ सकता है।''

इसी तरह, जब परियोजनाएं गलत साबित हो जाती है, तो रोटेरियनों, जो बेशक जिम्मेदार होते है, पर इल्जाम लगाया जाता है लेकिन ''मैं DRFC और यहाँ तक कि डीजी पर भी बड़ी जिम्मेदारी डालूँगा। कोई भी परियोजना DRFC के हस्ताक्षर के बिना नहीं की जाती है, और डीजी को यह पता होना चाहिए कि उसके मंडल में कौनसी परियोजनाएं चल रही है।'' वह उनके रोटेरियनों और जनता द्वारा दिए गए पैसों के लिए जिम्मेदार है। ''डीजी और DRFC दोनों की जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करने की है कि पैसा सही ढंग से खर्च किया जाए और DRFC को यह सुनिश्चित करना है कि रिपोर्ट सही हो।''

उनका सन्देश बहुत स्पष्ट था: मैं यह कह रहा हूँ कि डीजी जो बड़ी राशी इकठ्ठा करने का श्रेय लेते है उनकी जिम्मेदारी यह देखने की भी है कि पैसा सही जगह खर्च किया जाए; अन्यथा ना केवल उनकी बल्कि हमारी विश्वसनीयता भी दाँव पर लगी होती है।

एक अन्य पैनल के सदस्य, PRID मनोज देसाई, जो रोटरी कैडर की अध्यक्षता करते है, ने उनकी भूमिका को समझाया: ''हम 700 सलाहकारों का एक दल है जिन्होंने स्वैच्छिक रूप से टीआरएफ को अपना समय और विशेषज्ञता प्रदान की है। वे ख़ामोशी से टीआरएफ को ठोस समर्थन प्रदान करते है।'' भारत में 90 सदस्यों के साथ इनकी संख्या सर्वाधिक है और उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए सर्वप्रथम सेमीनार मार्च में आयोजित किया जाएगा और इसके लिए 50 लोग पंजीकरण कर चुके है।

''उन्होंने रोटेरियनों से बड़ी एवं मजबूत परियोजनाओं की योजना बनाने और उसे कार्यान्वित करने का आग्रह किया; बहुत से मंडल उन्हें टीआरएफ के पुलिसकर्मी समझते है!''

उन्हें एंटी-मनी-लॉन्ड्रिंग विशेषज्ञ के रूप में वर्णित करते हुए, वाहनवती ने RISAO के राजेश आनंद से टीआरएफ अनुदानों में प्रबंधन के मुद्दों के बारे में पूछा। आनंद ने खुलासा किया कि वास्तविक प्रबंधन कार्यभार वर्तमान रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी और पूर्व न्यासी प्रमुख बॉब स्टीवर्ट के दिमाग की उपज है। ''परियोजना के नियोजन में कमी और अत्यधिक सक्रियता के चलते प्रबंधन के मुद्दे सामने आते है। यह एक चुनौती है जो अक्सर तब सामने आती है जब समुदाय मूल्यांकन

बाएं से: रो ई जनरल सचिव जॉन ह्यूको, टीआरएफ ट्रस्टी चेयर-एलक्ट के आर रवींद्रन, टीआरएफ ट्रस्टी सेइजी किटा, रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी, RIPN शेखर मेहता, PRIP गण राजेन्द्र साबू और कल्याण बेनर्जी।

अध्यक्ष मलोनी, मार्गरीटा ह्यूको, टीआरएफ ट्रस्टी जेनीफर जोन्स, नोबुको, ट्रस्टी किटा, उषा साबू, वानती रवींद्रन, PRIP राजेन्द्र साबू, PRID गण पी टी प्रभाकर, पांडुरंगा शेट्टी और RID भरत पांड्या चित्र में शामिल हैं।

नहीं होता, वह कहते है। ''साथ ही, लाभार्थी संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन को प्रोत्साहित करें क्योंकि रख-रखाव के लिए उन्हें जिम्मेदार होना चाहिए।''

रविन्द्रन ने कहा कि अनुदान स्वीकृति में उसकी संवहनीयता के साथ-साथ एक अन्य प्रमुख कारक परियोजना की प्रासंगिकता भी थी। कभी-कभी धन का इस्तेमाल सही ढंग से किया जाता है, सभी बिलों का भुगतान किया जाता है, और उसका कोई दुरुपयोग नहीं होता। लेकिन पूर्ण होने के बाद यह देखा गया कि परियोजना उतनी उपयोगी साबित नहीं हो पाई जितनी कल्पना की गई थी क्योंकि स्थानीय लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए परियोजना का नियोजन पर्याप्त रूप से नहीं किया गया था। एक उदाहरण के तौर पर उन्होंने ''स्कूलों में बिना जल आपूर्ति वाले हाथों की धुलाई के स्टेशनों की स्थापना करने, या उचित जल निकासी की व्यवस्था ना होने पर शौचालय का निर्माण करने, जिस वजह से बच्चों ने उसका इस्तेमाल करना बंद कर दिया, या एक ऐसे स्कूल को बेंचें देने जहाँ पर शिक्षकों की अनुपस्थिति के चलते कक्षाएं नहीं लगती थी, के उदाहरण दिए।''

उन्होंने आगे कहा कि श्रीलंका में सर्वाइकल कैंसर को खत्म करने की एक परियोजना के अंतर्गत, टीआरएफ के पैसों से डीएनए परीक्षण मशीन को स्थापित करने के दौरान, ''जिन्हें महिलाओं को पसंद ना आने वाले पैप स्मीयर का स्थान लेना था, हमें सरकार से आश्वासन मिला कि उपभोग्य सामग्री (जो टीआरएफ अनुदान में शामिल थी) के पहले सेट के समाप्त हो जाने के बाद, सरकार उसे बदल देगी। अन्यथा, उस परियोजना को करने का कोई मतलब नहीं रहता। उन्होंने उचित रूप से कहा कि जब तक सरकार उन्हें इस बात की गारंटी नहीं देती कि उपभोग्य सामग्री को उनके स्वास्थ्य बजट में शामिल किया जाएगा, रोटेरियन इस परियोजना को आगे नहीं बढाएँगे।''

उन्होंने आगे कहा: ''तो अनिवार्यरूप से, आप स्वयं संतुष्ट होने चाहिए कि आपकी परियोजना वही कर रही है जो उसे करना चाहिए, अन्यथा उसे ना करें।''

RIPN मेहता ने टीआरएफ वैश्विक अनुदान आवेदनों की स्वीकृति के संदर्भ में भारत से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया। जब दर्शकों में से अन्य लोगों ने वैश्विक अनुदानों से जुड़े मुद्दों को उठाया तो यह स्पष्ट हो गया कि इस समस्या का सामना कई रोटेरियन कर रहे है। कुछ की राय थी कि टीआरएफ भारत से आने वाले आवेदनों के प्रति अग्रसक्रिय नहीं है, खासकर तब जब यह उसका शताब्दी वर्ष है।

मेहता ने कहा कि जब रोटरी भारत में उसके 100 साल पूरे होने का जश्न मना रही है, तो ज़ोन के रोटेरियन ''बड़ी और साहसिक परियोजनाएं'' करने को लेकर वास्तव में उत्साहित है। उन्होंने दोहराया कि भारत में जरूरतों और स्थितियों को बेहतर तरीके से समझने की आवश्यकता है। ''सभी के लिए एक ही चीज़ सही नहीं हो सकती, आपने कहा था, और उसी तरह सभी परियोजनाओं में एक ही गलती नहीं की जा सकती। हम दुनियाभर की परियोजनाओं में से आधी परियोजनाएं करते है। हमारे ज़ोनों के रोटेरियन बढ़िया काम कर रहे है,'' उन्होंने कहा।

यदि रोटेरियनों को जरूरतों के मूल्यांकन के बारे में बेहतर समझ की आवश्यकता है, तो वह न्यासी वाहनवटी से पहले ही चर्चा कर चुके है कि जरूरतों के मूल्यांकन के सूक्ष्म पहलुओं को समझने के लिए एक संगोष्ठी आयोजित की जा सकती है। लेकिन विभिन्न टीआरएफ़ अनुदान आवेदनों की अस्वीकृति निश्चित रूप से रोटेरियनों की भावनाओं को निरुत्साहित करेगी, उन्होंने आगे कहा।

यह विषेशरूप से उस वर्ष में प्रासंगिक है जब भारत में रोटरी उसके 100वें वर्ष का उत्सव मना रही है, ''जो अगले साल वापस नहीं आएगा,'' और जब

RIPN शेखर मेहता, PRIP कल्याण बेनर्जी, रो ई जनरल सचिव जॉन ह्यूको, अध्यक्ष मलोनी, मार्गरीटा और ट्रस्टी जेनीफर जोन्स।

TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवती, रोटेरियन डी रविशंकर और डी जी दीपक गुप्ता।

बाएं सेः राजेश आनन्द, RISAO; टीआरएफ ट्रस्टी चेयर-एलक्ट के आर रवींद्रन और टेक्निकल केडर चेयर PRID मनोज देसाई।

डीजीयों ने 350 मिलियन डॉलर की भारी राशी की सेवा परियोजनाएं करने का वचन दिया है, उन्होंने आगे कहा।

(रविन्द्रन ने बाद में *रोटरी न्यूज़* को समझाया कि कुछ मामलों में टीआरएफ़ के न्यासियों के सोचने के तरीके और सेवा परियोजनाओं से जुड़े रोटेरियनों द्वारा उठाए गए प्रश्नों के बीच एक दार्शनिक अंतर था। उदाहरण के लिए, न्यासी की सोच यह है कि जब एक स्कूल में दस शौचालयों की आवश्यकता है, तो वह एक शौचालय की मंजूरी नहीं देगा क्योंकि यह जरूरतों के आंकलन को संतुष्ट नहीं करेगा और अधिक जरूरतमन्द क्षेत्रों में रोटेरियनों के पैसे बेहतर तरीके से खर्च किए जाएंगे। ''दूसरी तरफ, एक विरोधी विचार यह है कि एक भी शौचालय ना होने से बेहतर है एक शौचालय होना! यह एक ऐसा फैसला है जिस पर बोर्ड ऑफ ट्रस्टीस ही विचार करके फैसला ले सकते है। इसे अपवाद बनाना कर्मचारियों के कार्यक्षेत्र में नहीं है।'')

न्यासी वाहनवटी ने आगे कहा: ''हमें टीआरएफ़ की नीतियों और दिशा-निर्देशों के भीतर रहकर ही इन मुद्दों का समाधान करना होगा। जहाँ हमें कुछ समायोजन करने की जरूरत होगी, हम वापस न्यासियों के पास जाएंगे।''

उन्होंने कहा, ''हमने 21.5 मिलियन डॉलर के वैश्विक अनुदान स्वीकृत करवाए है, दूसरा देश, ताइवान, को 4.5 मिलियन डॉलर मिले है। यह केवल इसे परिप्रेक्ष्य में रखने के लिए है।''

दूसरी तरफ, कुछ लोग अनुदानों की त्वरित स्वीकृति के समर्थन में आवाज उठा रहे थे और उन लोगों में सबसे आगे थे PRIP राजेन्द्र साबू जिन्होंने कहा, ''मेरा अनुभव यह है कि इवेंसटन के कर्मचारी बहुत मददगार है; जहाँ कहीं भी कमी होती है, वे उसके बारे में बताते है, और यदि परियोजना की अत्यावश्यकता होती है तो वे उसे संसाधित करने के समय को भी कम कर देते है।''

इस बात को साबित करते हुए कि एक संगठन के रूप में टीआरएफ और रोई नेतृत्व रोटेरियनों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर प्रतिक्रिया देते है, न्यासी प्रमुख-निर्वाचित के आर रविन्द्रन ने रो ई महासचिव जॉन हेव्को, जो मंच पर ही बैठे थे, से सलाह-मशविरा लेने के बाद, एक बयान दिया जिसकी लोगों ने तालियाँ बजाकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा: ''मैं आपसे वादा करता हूँ कि तीन महीनों के भीतर, मैं आपके द्वारा उठाए गए मुद्दों को स्वयं देखूँगा और वाहनवटी को एक रिपोर्ट तैयार करके दूंगा। हम मूल्यांकन करेंगे कि आपसे कितने आवेदनों प्राप्त हुए है, कितने अस्वीकार किये गए है, कितने स्वीकार किये गए है और कुल कितना पैसा खर्च किया गया है।''

टीआरएफ ट्रस्टी चेयर-एलक्ट के आर रवींद्रन और ट्रस्टी वाहनवती।

मुस्कराते हुए वाहनवटी ने आगे कहा: ''तो आप देख सकते है कि हम अग्रसक्रिय है। हम में से कोई भी रुकना नहीं चाहता। यदि हम अनुदानों का वितरण नहीं करते है, तो हम उस उद्देश्य को खो देंगे जिसके लिए टीआरएफ का गठन हुआ था।''

जॉन हेव्को ने आगे कहा, ''मेरे पास आपके द्वारा उठाए जा रहे सवालों का तत्काल जवाब नहीं है... लेकिन इस चर्चा में शामिल होना बहुत उपयोगी था क्योंकि वैश्विक अनुदानों को लेकर भारत में वास्तव में समस्या है।'' उन्होंने एक बेहतर समझ स्थापित करने और यह पता लगाने का वादा किया कि क्या भारत में अनुदानों की अस्वीकृति दूसरे क्षेत्रों की तुलना में अधिक है।

एक महत्वपूर्ण संख्या का खुलासा करते हुए, उन्होंने कहा कि ''दुनियाभर में 90 प्रतिशत वैश्विक अनुदानों को स्वीकृति मिली है, लेकिन यदि भारत में स्वीकृति दर 50 प्रतिशत है - तो मुझे समझ में नहीं आ रहा यह सब क्या है - , मैं पता लगाऊंगा ऐसा क्यों हो रहा है। मैं यहाँ पर रविन्द्रन से चर्चा कर रहा हूँ और हमें इसका कारण जानना होगा लेकिन मैंने अपने कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए है कि जब वे वैश्विक अनुदाओं की समीक्षा करें तो उनकी भूमिका 'हाँ' करने की है 'ना' करने की नहीं। उनका कार्य हर संभव तरीके से स्वीकृत करने का है ना कि अस्वीकृत करने का।

(रविन्द्रन ने बाद में रोटरी न्यूज़ को बताया कि वैश्विक अनुदान के लिए विश्व स्वीकृति दर 90 प्रतिशत थी और हमारे ज़ोन में पिछले वर्ष की पहली छमाही में यह 89 प्रतिशत थी। दूसरी छमाही में, विश्व स्वीकृति 83 प्रतिशत थी; और वहीं हमारे ज़ोन में 78 प्रतिशत।)

ह्यूको ने रोटेरियनों को आश्वस्त किया कि वह इस मामले की जड़ तक जाएँगे क्योंकि यहाँ पर काफी कीचड़ उछाला गया है'' और आगे कहा कि वर्तमान में इवेंसटन में अनुदान आवेदनों पर काफी कार्य किया जा रहा है, ''टीम को दिया गया हमारा दीर्घकालिक दार्शनिक दृष्टिकोण और दिशा-निर्देश स्वीकृति प्रदान करने और इवेंसटन से बाहर क्षेत्रीय कार्यालयों में कार्यों के समापन हेतु तैयारी करने का है। समान समय क्षेत्रों के करीब होने से वहाँ पर वहाँ की जरूरतों और वास्तविकता का अहसास बेहतर होगा; यह एक दीर्घकालिक कार्यनीति है।''

लेकिन ''क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्णय लेने का अधिकार देने का अन्य पहलू यह है कि वहाँ के कर्मचारियों पर वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं और अन्य रोटेरियनों द्वारा अत्यधिक दबाव डाले जाने की घटनाएँ सामने आई है, जिससे उनके लिए निष्पक्षता से ट्रस्टी नीतियों को लागू करना बहुत मुश्किल हो गया। कर्मचारी नीतियाँ नहीं बनाते, हम केवल वही लागू करते है जो न्यासी हमसे करने के लिए कहते है,'' उन्होंने आगे कहा।

यह रोचक सत्र एक सकारात्मक बात के साथ समाप्त हुआ जब एक प्रतिनिधि ने अपने अनुदान को मिले त्वरित ध्यान, रोई कर्मचारियों से मिली मदद, और सभी अनुदानों को मिली 100 प्रतिशत स्वीकृति के बारे में बड़े उत्साह के साथ बताया।

चित्र: रशीदा भगत

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

TRF डिनर के कुछ पल

एक टीआरएफ टोस्ट ... कोक के साथ : रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी, EMGA सैम पतिबंडला, TRF ट्रस्टी गण सेइजी किटा, गुलाम वाहनवती और EMGA विनोद बंसल।

RIPN शेखर मेहता और सोनल संघवी के साथ बातचीत में उषा साबू।

RID भरत पांड्या, मंजू दास और नयनतारा महाजन।

ट्रस्टी गुलाम वाहनवती के साथ RID कमल संघवी।

सोनल और माधवी पांड्या।

अध्यक्ष मलोनी और गे, चित्र मे ट्रस्टी चेयर- निर्वाचित के आर रवींद्रन और वानती भी शामिल है।

ऊपरः TRF ट्रस्टी अध्यक्ष-निर्वाचन के आर रविंद्रन, नलिनी और PRID पी टी प्रभाकर।

दायेंः RID कमल संघवी और उषा साबू।

नीचेः RIPN मेहता, PRIP कल्याण बेनर्जी और PRIP राजेंद्र साबू , दोनों चित्र में RID भरत पांड्या शामिल है।

ऊपरः (दक्षिणावर्त) रो ई महासचिव जॉन ह्यूको, मार्गारीटा, PRID सी भास्कर, PDG रवि वड़लामणि, माला, PDG जे बी कामदार और विनीता वेंकटेश।

RIDN ए एस वेंकटेश और विनीता।

ऊपरः बायें से: PDG रामचंद्रन भरत, शशि शर्मा, सैम मोव्वा, चंद्रशेखर कोल्वेकर, उनकी पत्नी रूटा, सुमति और PDG एम मुरुगनंदम।

RIPN मेहता, सोनल, RID कमल संघवी और बिनोटा बेनर्जी।

RID पांड्या, PRIP साबू, उषा, RIPN मेहता, सोनल, RID सांघवी और माधवी।

ऊपरः (दाएं से) माला भास्कर, PDG सज्जन गोयनका, PRID गण सी भास्कर और पांडुरंगा सेट्टी, संगीता बंसल, PDG जॉन डैनियल और मीरा। नीचेःTRF ट्रस्टी सेइजी कीटा, नोबुको, ट्रस्टी जेनिफर जोन्स, शर्मिष्ठा और PRID मनोज देसाई।

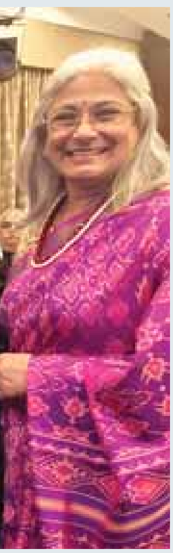

बायेंः संस्थान के अध्यक्ष टी एन सुब्रमण्यन, PRID गण वाई पी दास, अशोक महाजन,ट्रस्टी जेनिफर जोन्स, नयनतारा महाजन और विद्या सुब्रमणियन।

चित्रः रशीदा भगत

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

2030 तक टीआरएफ़ चार और शांति केंद्र खोलेगा

रशीदा भगत

इंदौर में सम्पन्न हुये ज़ोन इंस्टीट्यूट के टीआरएफ़ रात्रिभोज में, न्यासी प्रमुख के प्रतिनिधि न्यासी सेईजी किटा ने कहा कि ''टीआरएफ़ उसके शांति कार्यक्रम से बहुत खुश है; और प्रमाणक कार्यक्रम को विस्तारित करने की निरंतर योजना बना रहा है। 2030 तक चार और शांति केंद्र खोले जाने है। पहला केंद्र यूगांडा, अफ़्रीका, में 2021 में खुलेगा।''

''एक ऐसे समय में जब हिंसा, संघर्ष और आतंकवाद व्याप्त है,'' एक मजबूत शांति कार्यक्रम होने के महत्व को रेखांकित करते हुये किटा ने कहा कि रोटरी शांति केन्द्र बहुत बड़ी भूमिका निभाते है। उन्होंने ''1,300 विद्वानों को प्रशिक्षित किया है और उनमें से लगभग 40 प्रतिशत लोग गैर-सरकारी संगठनों में, 15 प्रतिशत सरकारी एजेंसियों में, और बाकि यूएन एजेंसियों, अनुसंधान, अकादमिक एवं अन्य क्षेत्रों में काम करते है। हमें अपने शांति कार्यक्रम पर बहुत गर्व है.... उतना ही जितना हमें अपने पोलियो उन्मूलन प्रयासों पर था, उनहोंने कहा और पीआरआईपी राजेंद्र साबू को धन्यवाद एवं बधाई दी जिन्होंने शांति कार्यक्रम एवं शांति केन्द्रों की स्थापना में अहम भूमिका निभाई है।''

न्यासी गुलाम वाहनवटी को यह जानकार खुशी हुई कि ''पिछले वर्ष टीआरएफ़ में रिकॉर्ड 395 मिलियन डॉलर का योगदान दिया गया। दुनिया भर से आए योगदानों में, भारत 21.4 मिलियन डॉलर के योगदान के साथ दूसरे स्थान पर था। दो भारतीय मंडल दुनिया के दो शीर्ष देने वाले मंडलों के रूप में उभरे – पहले स्थान पर रो ई मंडल 3190 और दूसरे स्थान पर रो ई मंडल 3142।''

रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी, PDG (मंडल 3232) जे बी कामदार और मर्लिन को सम्मानित करते हुए। TRF ट्रस्टी गण सेइजी किटा और गुलाम वाहनवती चित्र में शामिल है।

ऊपर: EMGA गण विनोद बंसल, सैम पाटीबंडला, ट्रस्टी वाहनवती, RID कमल संघवी, ट्रस्टी किटा, अध्यक्ष मेलोनी,विद्या, संस्थान अध्यक्ष टी एन सुब्रमणियन, RIPN शेखर मेहता, ट्रस्टी अध्यक्ष-निर्वाचित के आर रवींद्रन और RID भरत पांड्या।

दाएं: AKS सदस्य केशव कुंवर और दुर्गा के साथ (बाएं से) ट्रस्टी किटा, अध्यक्ष मलोनी, RIPN मेहता, ट्रस्टी अध्यक्ष-निर्वाचित आर रवींद्रन और RID पांड्या।

उनहोंने आगे कहा कि दुनिया के शीर्ष 50 देने वाले मंडलों में से, नौ भारत के है, जिसमें रोई मंडल 3011 9वें स्थान पर है।

वाहनवटी ने कहा कि हमारे संगठन को मजबूत बनाने में भरत की भूमिका अक्षुण्ण है; ''पिछले वर्ष का एंडोमेंट फ़ंड योगदान दुनिया में यूएस के बाद दूसरा सर्वाधिक है। हम 2025 तक 2.025 बिलियन डॉलर के एंडोमेंट लक्ष्य तक पहुँचने में अहम भूमिका निभाना चाहते है।'' उन्हें विश्वास है कि समस्त भारत में देने की यह रफ्तार कायम रहेगी। अब हम नहीं रुकेंगे; ''इस वर्ष के 30 मिलियन डॉलर इकट्ठा करने के हमारे लक्ष्य को हम पार कर जाएंगे।''

लेकिन, उनहोंने आगे कहा, ''हम अभी भी वार्षिक एवं पोलियोप्लस कोष में योगदानों के मामले में चुनौतियों का सामना कर रहे है। वे भी बहुत महत्वपूर्ण है। प्रमुख योगदानों के अलावा, इन दोनों कोषों में छोटे योगदानों के माध्यम से रोटेरियनों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।''

उन्हें यह जानकार प्रसन्नता है कि अधिक से अधिक भारतीय कॉर्पोरेट टीआरएफ़ में विश्वास करते है और वे इस पर भरोसा कर सकते है। नवंबर में, उनहोंने भारत में छह रोटरी मंडलों को दौरा किया और हर जगह पाया कि गवर्नर और रोटेरियन देने के प्रति समर्पित एवं प्रेरित थे। ''इन छह मंडलों में हुई टीआरएफ़ संगोष्ठियों में, 100,000 डॉलर से अधिक के वास्तविक योगदान आए और उनमें से हर एक मंडल में अधिक देने के लिए प्रतिबद्धताएँ की गई।''

टीआरएफ़ योगदानों में शानदार प्रदर्शन करने के लिए वर्तमान डीजीयों की प्रशंसा करते हुये, उनहोंने कहा, विषेशरूप से रो ई मंडल 3240 में, उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विशाल भौगोलिक क्षेत्र को देखते हुये, चार टीआरएफ़ संगोष्ठियों का आयोजन किया गया था। वह गुवाहाटी में ''आयोजित हुई एक संगोष्ठी में शामिल हुये थे और उनहोंने देखा कि उसे जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली।'' वाहनवटी ने आगे कहा, ''आइये इस गति को एवं प्रबंधान के उच्च स्तरों को बनाए रखे।''

बैठक को संबोधित करते हुये और रोटरी संस्थान को रो ई की ''रीढ़'' कहते हुये, रो ई निदेशक भरत पांड्या ने कहा कि टीआरएफ़ रात्रिभोज में 400 रोटेरियनों की मौजदगी टीआरएफ़ के प्रति आपके समर्पण एवं प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ''टीआरएफ़ के माध्यम से काम करके, हम दुनिया को बदलते है और इसे एक बेहतर जगह बनाते है। हमारा काम हमारे घर से शुरू होता है और दुनिया के उन स्थानों तक पहुंचता है जहां पर हम ना कभी गए, जिसे ना कभी देखा और शायद कभी नहीं देखेंगे। हेलेन केलर से एक बार पूछा गया कि अंधा होने से भी बदतर कुछ होता है क्या और उन्होंने कहा 'हाँ, आँख होते हुये भी कुछ न देखना।' वह टीआरएफ़ है जो रोटरी और

इस वर्ष के 30 मिलियन डॉलर इकट्ठा करने के हमारे लक्ष्य को हम पार कर जाएंगे।

गुलाम वाहनवती
टीआरएफ ट्रस्टी

रोटेरियनों को एक बेहतर कल के लिए काम करने हेतु एक दूरंदेशी दृष्टि प्रदान करता है।''

उन्होंने आगे कहा कि टीआरएफ़ अनुदानों की मदद से की गई परियोजनाएं लाखों लोगों को लाभान्वित करती है, प्यासों को पानी देकर, भूखों को खाना देकर और बेघरों को घर देकर। टीआरएफ़ एक की शक्ति का एक आदर्श उदाहरण है... एक रोटरी क्लब, एक मंडल, जो कई गुना बन जाता है।''

रो ई महासचिव जॉन हेव्को, जिन्होंने दो एकेएस सदस्यों, रो ई मंडल 3232 से पीडीजी जे बी कामदार और मार्लीन (जो 500,000 डॉलर के योगदान के साथ अध्यक्ष सर्कल में है) और रो ई मंडल 3142 से किशोरीलाल झुंजुनवाला, को शामिल किया, ने कहा कि आर्च क्लम्फ सोसाइटी तेजी से बढ़ रही है और अब उसमें 1,000 सदस्य है, जिसमें भारत सर्वाधिक एकेएस सदस्यों के मामले में दूसरे स्थान पर है। ''वन रोटरी सेंटर (इवेन्स्टन में) की 17वीं मंजिल पर हमारे पास एक बढ़िया एकेएस प्रदर्शनी है। जब हमनें कुछ वर्ष पूर्व इसकी स्थापना की, तो हमें लगा कि 10-15 वर्षों में हमारे पास जगह की कमी होगी। परंतु एकेएस में इतने अधिक उदार दानकर्ता आए है कि हम आशा करते है कि पाँच वर्षों में ही इसे विस्तारित करना होगा।''

EMGAS सैम पतिबंदला और ईएमजीए विनोद बंसल ने प्रमुख दानकर्ताओं एवं दो एकेएस सदस्यों का परिचय दिया।

कामदार ने कहा कि वह और मार्लीन ऐसे परिवारों से है जिनके पास मामूली संसाधन थे लेकिन उनके दिल बड़े थे और वे बांटने में विश्वास करते थे। ''हमनें जीवन में उतार-चढ़ाव सब देखे है। हमनें अपने जीवन की शुरुआत बहुत बड़ी वित्तीय अनिश्चितताओं के साथ की थी, तो जब हम अपने पारिवारिक व्यवसाय

हमनें जीवन में उतार-चढ़ाव सब देखे है। हमनें अपने जीवन की शुरुआत बहुत बड़ी वित्तीय अनिश्चितताओं के साथ की थी, तो जब हम अपने पारिवारिक व्यवसाय को खड़ा करने में संघर्ष कर रहे थे तब हमें बहुत से अच्छे व्यक्तियों से सहायता प्राप्त हुई।

PDG **जे बी कामदार**

AKS सदस्य ललित और नीलू खन्ना (बाएं से) EMGA विनोद बंसल, ट्रस्टी वाहनवती, RID संघवी, DG (मंडल 3012) दीपक गुप्ता, ट्रस्टी किटा, अध्यक्ष मलोनी, RIPN मेहता, टीआरएफ ट्रस्टी अध्यक्ष-निर्वाचित के आर रवींद्रन और RID पांड्या।

A K S सदस्य किशोरीलाल झुनझुनवाला और PDG जे बी कामदार और मर्लिन, (दायें से) EMGA बंसल, अध्यक्ष मेलोनी, ट्रस्टी किट्टा, रो ई महा सचिव जॉन ह्यूको, ट्रस्टी वाहनवती और EMGA पतिबंदला।

को खड़ा करने में संघर्ष कर रहे थे तब हमें बहुत से अच्छे व्यक्तियों से सहायता प्राप्त हुई।''

जब उनका व्यवसाय बड़ा, वे मदर टेरेसा से मिले, जिन्होंने उनसे ''तब तक देने के लिए कहा जब तक कि दुख ना हो,'' और फिर उससे भी कुछ अधिक दो। लगभग उसी समय वह अनुभवी रोटेरियन क्रिस चिताले से चेन्नई में मिले, ''जिन्होंने हमारा परिचय रोटरी से करवाया और हमारे गुरु बने।'' कामदार ने स्वीकार किया कि पॉल हैरिस सदस्य बनाने के लिए 1,000 डॉलर के उनके पहले योगदान को इकट्ठा करना बहुत मुश्किल था। ''और मेरे मन में शंकाएँ थी कि मेरा पैसा किस तरह से इस्तेमाल किया जाएगा। लेकिन मेरे मित्र क्रिस, जो रवि (पीआरआईपी के आर रविन्द्रन) की तरह ही खुलकर बात करते थे, ने कहा: झ्जेबी, विश्वास रखो, तुम्हारे पैसे का इस्तेमाल एक अच्छा प्रभाव लाने के लिए किया जाएगा।''

झुनजुनवाला ने कहा कि वह इस सम्मान से अभिभूत है और आगे कहा: ''हम जो कमाते है उससे हम अपना जीवन निर्वाह कहते है परंतु जो हम देते है उससे हम एक ज़िंदगी बनाते है।'' 1989 से एक रोटेरियन रहते हुए, उनकी हमेशा से समाज के लिए कुछ करने की इच्छा थी और एक सफल पेशेवर होने के नाते उन्होंने महसूस किया कि ज़िंदगी लेने-देने की प्रक्रिया है और जिनके पास अधिक संपत्ति है उन्हें दूसरों के साथ उसे बांटना चाहिए।

ललित और नीलू खन्ना (रोई मंडल 3012), गिरीश गोविंद और संजीवनी गुने (3131); मनीष और मोना ज्ञानी एवं कुलभूषण और मंजु जेटली; टी एन सुब्रमण्यम और विद्या (सभी मंडल 3141 से); देबाशीश और चरिस्मता दास (3240); केशव और दुर्गा कुँवर (3292); किरण लाल श्रेष्ठ (3292); रवि रमन और शोभना (3232); डीजी ए के नतेसन और पार्वती (2982) अन्य टीआरएफ़ दानकर्ता है जिन्हें सम्मानित किया गया।

चित्र: रशीदा भगत

PRID अशोक महाजन को पोलियो पायनियर अवार्ड दिया गया

वी मुत्तुकुमारन

रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी ने पोलियो पायनियर पुरस्कार PRID अशोक महाजन को दिया। (बाएं से) चित्र में माधवी, नोबुको, TRF ट्रस्टी सेइ़जी किटा, नयनतारा, गे और RID भरत पांड्या शामिल है।

रोई अध्यक्ष मार्क मलोनी ने रो ई मंडल भारत पांड्या तथा टीआरएफ ट्रस्टी सीजी किटा की उपस्थिति में पीआरआईडी अशोक महाजन को पोलियो पायनियर अवार्ड प्रदान किया।

प्रशस्ति पत्र पर लिखा हुआ था, ''एंड पोलियो नो अशोक मुखर्जी महाजन को उनके द्वारा पोलियो के उन्मूलन में दिए गए अभूतपूर्व योगदान के लिए पोलियो प्लस पायनियर से सम्मानित करता है।''

वर्ष 2006 से रोटरी -मुस्लिम उलेमा कौंसिल के अध्यक्ष के रूप में, तथा वर्ष 2009 से 2013 तक रोटरी इंटरनेशनल पोलियो प्लस समिति के सदस्य के रू प में, महाजन भारत को पोलियो मुक्त बनाने में अग्रणी व्यक्तियों में से एक रहे है। ■

Star Performers (TRF)

Zone 4		
Trophy	**RI District**	**IPDG**
Highest Contribution to Annual Fund	3141	Shashi Sharma
Highest Contribution to Endowment Fund	3060	Pinky Patel
Highest Contribution to Polio Fund	3060	Pinky Patel
Highest Per Capita APF Contribution to TRF	3141	Shashi Sharma
Highest Total Contribution to TRF	3141	Shashi Sharma

Donor	Trophy	IPDG	District
Nitish Laharry Trophy	Highest Total Contribution to TRF	Suresh Hari	3190
Binota and Kalyan Banerjee Trophy	Highest Endowed Fund Contribution to TRF	Suresh Hari	3190
Usha and Raja Saboo Trophy	Highest Annual Fund Contribution to TRF	Shashi Sharma	3141
Usha and Raja Saboo Trophy	Highest Polio Fund Contribution to TRF	Guddati Viswanadh	3020

टीआरएफ ट्रस्टियों गुलाम वाहनवती, किटा और निर्वाचित ट्रस्टी अध्यक्ष के आर रवींद्रन के साथ PDG गुडाती विश्वनाद और अरुणा।

PDG मुकुल सिन्हा और राखी अपना पुरस्कार ट्रस्टी किटा से प्राप्त करते हुए, चित्र में PRID सी भास्कर और ट्रस्टी वाहनवती भी शामिल हैं।

RRFC अविनाश पोद्दार, EMGA सैम पतिबंदला और अशोक पंजवानी, और DG (मंडल 3190) समीर हरियाणी की उपस्थिति में PDG सुरेश हरि को निर्वाचित ट्रस्टी अध्यक्ष के आर रवींद्रन और ट्रस्टी किटा से पुरस्कार प्राप्त हुआ।

— Zones 4, 5 and 6A

Zone 5		
Trophy	**RI District**	**IPDG**
Highest Contribution to Annual Fund	3190	Suresh Hari
Highest Contribution to Endowment Fund	3190	Suresh Hari
Highest Contribution to Polio Fund	3020	Guddati Viswanadh
Highest Per Capita APF Contribution to TRF	3190	Suresh Hari
Highest Contribution to TRF	3190	Suresh Hari

Zone 6A		
Trophy	**RI District**	**IPDG**
Highest Contribution to Annual Fund	3291	Mukul Sinha
Highest Contribution to Endowment Fund	3291	Mukul Sinha
Highest Per Capita APF Contribution to TRF	3291	Mukul Sinha
Highest Total Contribution to TRF	3292	Chintamani Bhattarai

Highest donor participation

Zone - 4

3131 PDG Shailesh Palekar

Zone - 5

3181 PDG P Rohinath

100% Club Participation

Zone - 4

3132 PDG Vishnu Mondhe

3142 PDG Ashes Ganguly

Zone - 5

2981 PDG S Piraiyon

3182 PDG Abhinandan Shetty

निर्वाचित ट्रस्टी अध्यक्ष के आर रवींद्रन और ट्रस्टी किटा, PDG ए वी पति और वीणा को पुरस्कार देते हुए। चित्र में RRFC अविनाश पोद्दार और EMGA पतिबंदला शामिल हैं।

RID भरत पांड्या और PRID सी भास्कर कि उपस्थिति में PDG शशि शर्मा को रो ई अध्यक्ष मलोनी द्वारा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अपने पती सुमुल पटेल, PRID सी भास्कर, ट्रस्टी वाहनवती और निर्वाचित ट्रस्टी अध्यक्ष के आर रवींद्रन की उपस्थिति में PDG पिंकी पटेल को ट्रस्टी किटा द्वारा पुरस्कार प्राप्त हुआ। ***बाएं :*** *निर्वाचित ट्रस्टी अध्यक्ष के आर रवींद्रन और RRFC विजय जालान की उपस्थिति में ट्रस्टी किटा PDG विष्णु मोंढे और मनीषा को पुरस्कार प्रदान करते हुए।*

Next issue: Membership and PI Awards.

चित्र: वी मुत्तुकुमारन

दिल से सोचें, दिमाग

जयश्री

RIPN पन शेखर मेहता ने इंदौर इंस्टीट्यूट की थीम - *डेयर टू ड्रीम* - से अपने राज्यपालों के चुनाव के अभि संबोधित किया। उन्होंने गली बॉय के लोकप्रिय रैप गीत से उद्धत पंक्ति को दोहराते हुए कहा - ''आप सभी को इस पल का बेसब्री से इंतज़ार है *अपना टाइम आयेगा* और आपका समय अब आ गया है।''

''अगर यह FICCI या एक असोचैम बैठक थी, तो वे प्रतिभागी भारत को आपके 40 के जितना नहीं बदल सकते थे। याद रखें हमने पोलियो का उन्मूलन किया था। हम रोटेरियन के लिए कुछ भी संभव है। रोटरी दर्शन है। यह जैसे कि आप सोचते हैं कि आप बड़े हैं या छोटे,'' उन्होंने कहा, डीजीई के लिए तीन कार्यों निर्धारित करना - बड़े सपने देखना, स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना और प्रतिनिधि बनाना।

उन्होंने याद दिलाते हुए कहा कि अंडमान में एक सुदूर द्वीप में सुनामी के बाद रोटरी ने 500 घरों का निर्माण कैसे किया, कहा कि ''आपको अस्पतालों और स्कूलों का निर्माण करना है, न कि केवल किताबें और पेंसिल देना है। अपने सपनों को फिर से परिभाषित करें और पूरानी परिपाटी को तोड़ने के अवसरों की तलाश करें। हम हेलीकाप्टर से केवल भूरे रंग का दाग देख सकते थे। पूरा द्वीप खत्म हो गया था। हमने इसे ₹2.5 करोड़ की लागत से तीन महीने में फिर से पहले जैसा कर दिया। यह सब तभी संभव है, जब आप दिल से सोचते हैं और दिमाग से नहीं,'' इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि काठमांडू में पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी ने घोषणा की कि कैसे रोटरी भारत को पूरी तरह से साक्षर बनाएगी और 1979 में फिलीपींस में पोलियो के खिलाफ बच्चों को टीका लगाने की ऐतिहासिक प्रारंभिक परियोजना की घोषणा की। ''जेम्स बॉम्बर, जो कि रो ई के अध्यक्ष थे, ने यह सपना नहीं देखा होगा कि हम दुनिया से इस बीमारी का सफाया करने के लिए अरबों डॉलर खर्च करेंगे।''

उन्होंने प्रतिनिधियों से हवा में महल बनाने के लिए कहा। ''लोगों को आप पर हंसने दें। यदि आप में बड़े सपने देखने और उसका अनुसरण करने का साहस है, तो अंत में आप हँसेंगे।''

डीजीई से एक विजन का आग्रह करते हुए, मेहता ने डिज़नीवर्ल्ड का उदाहरण दिया। ''हम सभी ने चूहे देखे हैं। लेकिन क्या कभी इससे एक

से नहीं - RIPN मेहता

RIPN शेखर मेहता, DGE यों और उनकी पत्नीयों को संबोधित करते हुए।

अपने काम को सौंपिए, क्रेडिट अपने आप आपके पास आ जाएगा,'' उन्होंने कहा और जब वह एक डीजीई थे, ''तो अपने ट्रेनर की सलाह को उनसे साझा किया। यह अभी भी मेरे कानों में गुंजता है। उन्होंने कहा कि एक राज्यपाल का काम क्लब अध्यक्षों के इगो को संतुष्ट करना है। वही बात क्लब अध्यक्ष के लिए भी कही जा सकती है। उसे बस एक क्लब मेंबर को अपने कंधे पर थपथपाना है और कहना है, 'अच्छा काम किया', 'अच्छी तरह से किया।' इससे अद्भुत अंतर आयेगा।''

उन्होंने कहा यह विफल होना अच्छी बात है, और बताया कि अमिताभ बच्चन को ऑल इंडिया रेडियो द्वारा रिजेक्ट कर दिया गया क्योंकि उनकी आवाज अच्छी नहीं थी। ''क्या इससे कोई बड़ा मजाक हो सकता है? देखो वह आज कहां पहुंच गएं हैं। गिरना ठीक है। मेहता ने अपनी बात को बढ़ाते हुए कहा, लेकिन आपके पास उठने की क्षमता होनी चाहिए। याद रखें यह आपके लिए मानवता के प्रति सर्वोत्तम सेवा करने का अवसर है। सदस्यता को अपना सर्वोच्च लक्ष्य बनाएं। प्रत्येक सदस्य को रोटरी में सिर्फ एक सदस्य से परिचय करने के लिए कहें और देखें कि सदस्यता कैसे दोगुनी हो जाती है। आइए, 2025 तक भारत को पूरी तरह से साक्षर बनाने के लिए तेजी से काम करें।''

पूरा साम्राज्य बनाने के बारे में किसी ने सोचा होगा? जब डिज़्नीवर्ल्ड का उद्घाटन हुआ, तो वॉल्ट डिज़्नी जीवित नहीं थे। सीईओ ने कहा कि डिज़्नी की पत्नी से कहा कि 'काश वॉल्ट इसे देख पाता।' तो उनकी पत्नी ने बहुत ही अच्छा जवाब देते हुए कहा कि: 'केवल वॉल्ट ही इसे देख सकते थे।' ''

उन्होंने कहा कि एक सेब के सिर पर गिरने के बाद आइजैक न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण का नियम तैयार किया। ''मैं या तो उस पेड़ के नीचे बैठने पर खुद को कोसता था या सिर्फ सेब उठाकर खा जाता था।''

अपने लक्ष्य तय करें

उन्होंने उनसे स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने को कहा। ''यदि आपके क्लब ने इस साल 100 हार्ट सर्जरी की है, तो अगले साल 102 हार्ट सर्जरी करना कोई बड़ा लक्ष्य नहीं है, लेकिन 125 एक अच्छा लक्ष्य होगा। आपके लिए मेरा सबसे नया नारा है कि आपने जो भी योजना बनाई है, उसमें एक शून्य और बढ़ा लें।''

भारत के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम की बात को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि, सपनों किसी को सोने नहीं देते हैं, RIPN ने कहा कि, ''मैंने बहुत सारी रातें बिना सोएं गुजारी हैं, जिनका मेरे व्यवसाय से कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन जब एक विचार आया कि भारत को साक्षर कैसे बनाया जाए, तो मुझे खुशी है कि मैं उन रातों को जागा।''

लक्ष्यों को निर्धारित करने के बाद, अगला कदम उसका पालन करना है। ''आपके दो हाथ हैं; केवल महिलाओं के पास ही मां दुर्गा जैसे दस हाथ हैं। उनका अनुकरण करने का प्रयास न करें। यदि आपके दस हाथ हैं, तो आप रावण होंगे। ताजमहल किसने बनवाया था? राजमिस्त्री। लेकिन क्या इतिहास की किताब ऐसा कहती है? इसलिए

चित्रः जयश्री

सपने देखने, उड़ने, हासिल करने की हिम्मत कीजिये: इंदौर में पांड्या ने रोटेरियनों से कहा

रशीदा भगत

बड़े सपनों की महत्ता एवं इंदौर सम्मेलन की विषयवस्तु 'सपने देखने की हिम्मत कीजिये' को समझाते हुये, रोई निदेशक भरत पांड्या ने कहा कि 100 वर्ष पूर्व, जिस समय ''रोटरी उसके नन्हें कदम उठा रही थी,'' एक भारतीय उद्यमी, जमशेदजी टाटा, ने ब्रिटिश रेल कंपनी को स्टील रेल की आपूर्ति करने का टेंडर भरा। उस कंपनी के निदेशक ने एक तीखी टिप्पणी की कि यदि एक भारतीय ब्रिटिश विनिर्देशों के अनुसार रेल बना देगा, ''तो मैं उसके द्वारा प्रदान किए जा सकने वाले स्टील का हर एक पाउंड खा लूँगा। मुझे नहीं पता कि उसने सारा स्टील खाया कि नहीं, लेकिन ना केवल टाटा ने ब्रिटिश रेल को स्टील प्रदान किया, बल्कि दूसरे विश्व युद्ध में, ब्रिटिश टैंकों को टाटानगर्स कहा गया क्योंकि उन टैंकों को बनाने के लिए इस्तेमाल किया गया स्टील टाटानगर, भारत, से बुलाया गया था!''

1964 में, जब मुहम्मद अली ने विश्व हैविवेट चैंपियनशिप में सॉनी लिस्टन का सामना किया, तो लिस्टन कदकाठी में विशालकाय थे और अली छोटे। लेकिन अली ने उन्हें छठवें राउंड में पटककर, ''यह साबित कर दिया कि लड़ाई में वास्तव में आदमी का आकार मायने नहीं रखता है, बल्कि उसकी लड़ाई का आकार मायने रखता है। चाहे वह टाटा हो या जी डी बिड़ला, अंबानी हो या नारायण मूर्ति, ये वे लोग है जिन्होंने हिम्मत की, सपने देखे और उन सपनों को हासिल किया,'' पांड्या ने कहा।

उसी तरह, रोटरी में भी, 23 फरवरी, 1905 को पॉल हैरिस ने एक जैसी सोच रखने वाले, ईमानदार व्यक्तियों का एक वैश्विक संघ बनाने के बारे में सोचा जो सेवा के आदर्शों से संगठित हुये हो और इस

इंदौर की महापौर मालिनी गौड़ को इंदौर संस्थान में सम्मानित किया गया। (बाएं से) माधवी पांड्या, रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी, गे, रो ई निदेशक भरत पांड्या, संस्थान के अध्यक्ष टी एन सुब्रमण्यन और विद्या।

प्रकार रोटरी की यात्रा शुरू हुई। जैसे-जैसे यह यात्रा आगे बढ़ी, दूसरे लोग जुड़े और एक साथ मिलकर, रोटेरियनों ने बड़े सपने देखे और बड़ी उपलब्धियां हासिल की।

''मेरा भी एक सपना है, रोटरी के लिए और रोटेरयनों के साथ काम करना, ताकि हमारे समुदायों और हमारे विश्व को थोड़ा बेहतर बनाया जा सके। मेरे सपने मुझे दिये गए इस अवसर का सर्वश्रेष्ठ लाभ उठाने के लिए कहते है। रो ई निदेशक के पद को मैं ताकत के पद के रूप में देखने के बजाय ज़िम्मेदारी के पद के रूप में देखता हूँ और मेरे सपने मुझे इस महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी में अपना सर्वश्रेष्ठ करने, सदस्यता एवं टीआरएफ़ के लिए काम करने और रोटरी को आगे ले जाने के लिए कहते है। ऐसा करते समय, उनका ध्यान हमेशा साझेदारियों पर रहेगा क्योंकि एक साथ हम अकेले किए जाने वाले काम से अधिक हासिल कर सकते है और क्योंकि वह इच्छाशक्ति हमारे काम को अधिक प्रभावी बनाएगी। मेरे सपने मुझे हर स्तर पर अखंडता पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए भी कहते है।'' भारत के प्राचीन ग्रन्थों से उद्धृत करते हुये उन्होंने कहा: ''केवल एक चीज़ जो कब्र से वापस शोक मनाने वालों के साथ जाती है और दफ़न होने से इंकार कर देती है वह है आदमी का चरित्र... वह व्यक्ति के जाने के बाद भी जीवित रहता है और उसे कभी भी दफ़न नहीं किया जा सकता।''

लेकिन, बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए, रोटेरियनों को अलग तरह से सोचना होगा। एक आत्मविश्लेषी स्वर में बात करते हुये, पांड्या ने कहा कि एक आदर्श दुनिया ऐसी होना चाहिए जिसमें समझ, सद्भावना और शांति हो। ''लेकिन हम जिस दुनिया में रहते है उसे देखिये, अपना अखबार या टीवी खोलकर देखिये... लड़ाई, आतंक, भ्रष्टाचार, भुखमरी, बलात्कार और अन्य बुराइयाँ मीडिया जगत को घेरे रहती है। और इस सारे अंधेरे के बीच में हम आश्चर्य करते है कि रोटरी के लिए किए जाने वाले काम - एक बड़ी परियोजना यहाँ,

उन्होंने स्वच्छता को अपना मिशन बना लिया है

इंस्टिट्यूट ने उस महिला को सम्मानित किया जो लगातार तीन वर्षो से इंदौर को भारत के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में उभारने के पीछे है - मालिनी गौर, इंदौर की महापौर।

बैठक को संबोधित करते हुए, उन्होंने याद किया कैसे 2014 में, इंदौर का नाम स्वच्छता सूची में निचले स्थान के करीब था और कचरा जलाने से लगातार हानिकारक वायु का उत्सर्जन हो रहा था और इसकी हरियाली काफी हद तक कम हो गई थी।

सभी ''निर्वाचित प्रतिनिधियों और इंदौरवासियों के सहयोग से जिनके बिना मैं कुछ भी नहीं कर पाती,'' उन्होंने इस शहर को बदलने की चुनौती स्वीकार की।

यह कहते हुए ''अपने लिए जिए तो क्या जिए,'' उन्होंने आगे कहा कि जब वह एक विधायक बनी थी - जो कि वह अभी भी है - वह अपने शहर, और अपने देश के लिए कुछ करना चाहती थी और यह सपना तब साकार हुआ जब वह पहली बार महापौर बनी। ''जब प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान की घोषणा की, तो हमने स्वच्छता को अपना मिशन बना लिया और जिस तरह से इंदौरवासियों ने मेरा समर्थन किया उसके लिए मैं उन सबकी बहुत आभारी हूँ। कुछ कड़े निर्णय लेने पड़े, लेकिन आज स्वच्छता की आवश्यकता के बारे में बहुत जागरूकता आ गई है।''

अपनी यात्रा को याद करते हुए, महापौर कहती है कि उन्होंने एक स्मार्ट वार्ड के साथ शुरुआत की थी और ''जब हम उसमें सफल हुए, तो हमने इस अभ्यास को इंदौर के सभी 85 वार्डों में लागू किया।'' शहर को स्वच्छता मिशन के अंतर्गत मिली राशी का उपयोग वाहनों और कचरे को एकत्रित करके उसे संसाधित करने वाले उपकरणों में निवेश करके किया गया। ''दो अलग-अलग बक्से प्रदान करके हमने सूखे कचरे को गीले कचरे से अलग किया।'' जहाँ गीले कचरे से जैविक खाद का निर्माण किया जाता है, वहीं सूखे कचरे को भी अलग करके सड़क और प्लास्टिक के पाइप आदि बनाने में उसका उपयोग किया जाता है।

मालिनी ने आगे कहा कि शहर में एक बड़ी सब्जी मंडी है, ''जहाँ से बहुत अधिक मात्रा में सब्जी का कचरा निकलता है। हमने वनस्पति के कचरे से मीथेन गैस बनाने के लिए 7 करोड़ की लागत से एक संयंत्र स्थापित किया है और हमारे शहर की 15 से 20 बसों को उससे ईंधन प्राप्त हो रहा है।''

डॉक्टरों का कहना है कि इस पहल - इंदौर को तीन वर्षो से सबसे स्वच्छ शहर का ख़िताब मिल रहा है - की वजह से शहर में दस्त, मलेरिया और अस्थमा जैसे रोगों की संख्या कम हो गई है। ''और अब हम चौका लगाने जा रहे है!''

आर बी

एक छोटी वहाँ, क्या वास्तव में कोई बदलाव ला सकती है।''

लेकिन, जैसा कि कन्फ़्यूशियस ने कहा है, अंधेरे को कोसने से अच्छा है कि एक दिया जला दिया जाए। ''यहीं वह अवसर और ज़िम्मेदारी है जो रोटरी हमें देती है... सेवा का एक दिया जलाने का अवसर। लेकिन एक दिया पर्याप्त नहीं होता है, दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के लिए हमें सैकड़ों, हजारों दिए जलाने की आवश्यकता है।'' यहीं पर रोई अध्यक्ष मार्क मलोनी का ''रोटरी को बढ़ाने'' का महत्व सामने आता है।

पांड्या ने बताया कि 2007 में, रो ई मंडल 3140 का डीजी रहते हुये, वह और माधवी ''खुशकिस्मत थे कि मार्क मलोनी और गे तत्कालीन रो ई अध्यक्ष बिल बोयड के प्रतिनिधि के तौर पर हमारे मंडल सम्मेलन में शामिल होने आए थे। और आज, आपके आरआईडी के रूप में, हम यहाँ इंदौर में आपका स्वागत रो ई अध्यक्ष और गे के रूप में करने को लेकर बेहद खुश है।''

वर्घीस कुरियन, जिन्होंने एक ब्रिटिश दुग्ध विशेषज्ञ द्वारा मारे गए ताने कि लंदन का सीवरेज का पानी बॉम्बे के दूध से बैक्टीरियल रूप से बेहतर है, के बाद भारत में दुग्ध उत्पादन में क्रांति लाये, जैसे दिग्गजों से प्रेरणा लेने के लिए उन्होंने रोटेरियनों से आग्रह किया। आज अमूल एक दिन-प्रतिदिन में इस्तेमाल किए जाने वाला शब्द ही नहीं है बल्कि भारत दुनिया का सर्वाधिक दूध उत्पादन करने वाला देश है। पांड्या ने कहा कि जब एक व्यक्ति सपने देखता है, ''चुनौतियों का सामना करता है और उसको स्वयं पर अटूट विश्वास होता है, तो यह चमत्कार की निशानियाँ होती है।'' जिस तरह नील आर्मस्ट्राँग ने चाँद पर पहला कदम रखा था, उसी तरह पॉल हैरिस ने रोटरी की शुरुआत एक छोटे संगठन के रूप में की। ''लेकिन आज देखिये रोटरी कहा है - 214 देश, 1.2 मिलियन रोटेरियन दिन प्रति दिन रोटरी सेवा का कार्य कर रहे है।''

उसी तरह, जोनाथन लिविंगस्टन सीगल भी रोटेरियनों की एक कहानी है, ''जो कहती है कि सबसे ऊंचाई पर उड़ने वाले गल ही सबसे दूर तक देख सकते है; जो सपने देखते है और हिम्मत करते है, वहीं जीतते है। लेकिन रोटेरियनों को अन्य महत्वपूर्ण गुणवत्ताओं की आवश्यकता होती है, जैसे प्यार और करुणा। करुणा का अर्थ सहानुभूति नहीं होता बल्कि जरूरतमंदों, वंचित लोगों के लिए समानुभूति होता है, जो हमें हमारी दुनिया को एक अधिक समान स्थान बनाने की अनुमति देता है। प्यार, करुणा और सहानुभूति के साथ सेवा कीजिये, क्योंकि यहीं वह भाषा है जिसे बहरे व्यक्ति सुन सकते है और नेत्रहीन देख सकते है।''

पांड्या ने आगे कहा: ''उड़ना या पानी पर चलना हमारे जीवन के चमत्कार नहीं होते है, बल्कि इस

रो ई अध्यक्ष मार्क मेलोनी और गे के साथ संस्थान के अध्यक्ष टी एन सुब्रमण्यन और विद्या।

गे मलोनी और बिनोता। चित्र में PRIP कल्याण बेनर्जी, अध्यक्ष मलोनी वनाती रवींद्रन, माधवी और RID भरत पांड्या शामिल हैं।

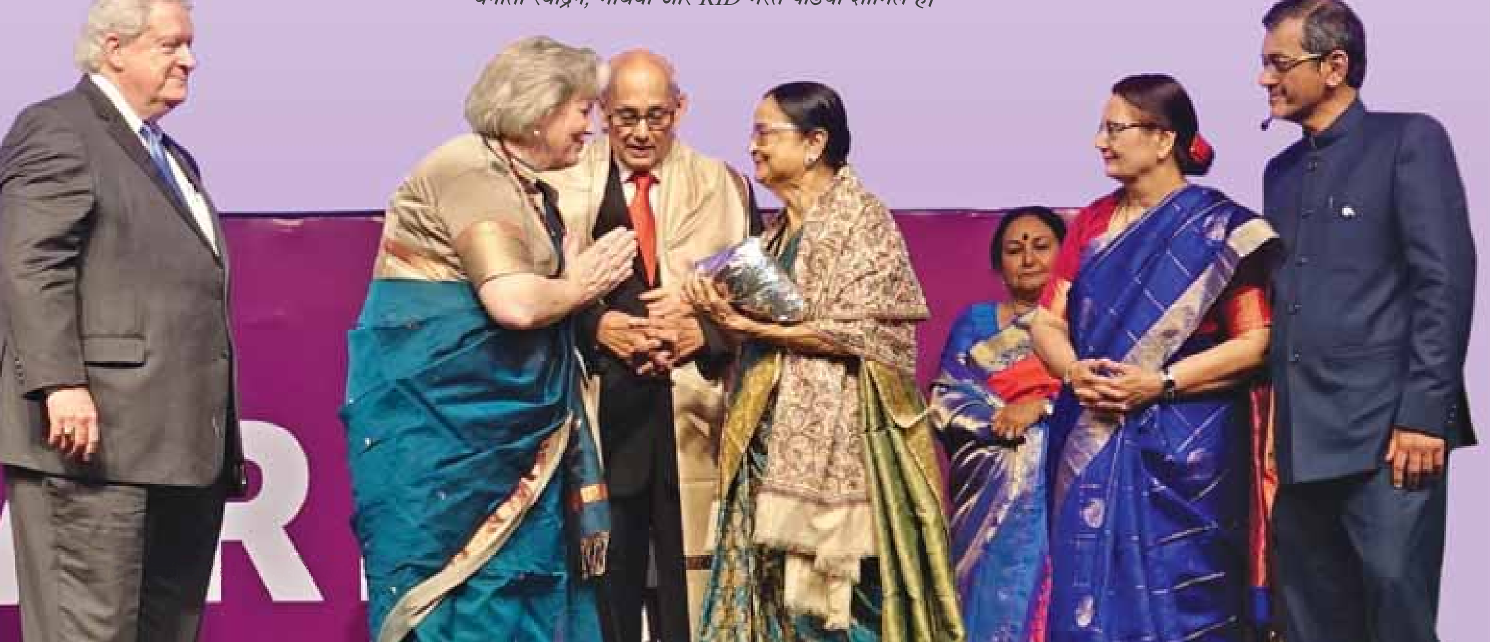

भरत पांड्या, माधवी और उनकी बेटी निधि। चित्र में माला भास्कर, RIDN ए एस वेंकटेश और उनकी पत्नी विनीता शामिल।

दुनिया में अच्छी तरह चलना और इसे खास बनाना होते है। हमारे ज़ोनों में रोटेरियन कुछ अच्छे काम कर रहे है... सैकड़ों स्कूलों को स्कूल बेंच प्रदान कर रहे है, पोलियो रैलियों, बीमिरियों के लिए चिकित्सीय शिविरों का आयोजन कर रहे है, निःशक्तजनों को सम्मान प्रदान कर रहे है, अस्पतालों को महत्वपूर्ण चिकित्सीय सेवाएँ जैसे बाल हृदय सर्जरी, रक्त, नेत्र और त्वचा बैंक एवं जीवन-रक्षक उपकरण प्रदान कर रहे है, शौचालय बना रहे है, हाथों की धुलाई के स्टेशन खड़े कर रहे है और गांवों को खुले में शौच से मुक्त बना रहे है। यह सब इसलिए संभव हो पाया क्योंकि 150,000 रोटेरियन प्रतिबद्धता, सामर्थ्य एवं सहानुभूति के साथ काम कर रहे है।

निरंतरता और तालमेल बैठाकर काम करना ही ऐसी सफलता के पीछे का सार होता है। रो ई निदेशक कमल संघवी और सोनल संघवी, और टीआरएफ़ न्यासी गुलाम वाहनवटी के साथ माधवी और उनके रिश्ते बहुत अच्छे है। 2018-19 में, हमारे ज़ोनों ने टीआरएफ़ में 21 मिलियन डॉलर का योगदान दिया, जिसमें दो रो ई मंडल - 3190 और 3141 - पूरी दुनिया में शीर्ष दो मंडलों के रूप में उभरे। इसके लिए 2018-19 के गवर्नरों द्वारा किया गया कड़ा परिश्रम और पीआरआईडी सी भास्कर द्वारा किया गया ''उत्कृष्ट नेतृत्व'' जिम्मेदार था।

उन्होंने याद किया कि कैसे एक युवा मेडिकल छात्र के रूप में उनके पिता, 40 वर्षों के अनुभव वाले एक वरिष्ठ डॉक्टर, ने उनसे कहा कि उन्होंने मरीजों को सभी प्रकार की दवाइयाँ लिखी है, ''लेकिन मरीजों पर सबसे अच्छा असर संवेदना का होता है। मैंने उनसे पूछा: 'पिताजी, यदि यह भी काम ना करें तो?' उन्होंने जवाब दिया: 'उस मामले में, डोज़ को दोगुना कर दो!' हाँ, संवेदना केवल मरीजों के साथ ही नहीं बल्कि सभी मानवों के साथ बर्ताव करने की कुंजी है।''

युवाओं के साथ काम करना हमेशा से ही उनके लिए ज़रूरी रहा है, रो ई निदेशक ने कहा; ''चाहे वह रोटरेक्टरों के साथ काम करना हो या एक ही दिन में 23 इंटरैक्ट क्लबों को अधिकृत करना हो, किसी अंडर-30 रोटरी क्लब में 26 वर्षीय अध्यक्ष की नियुक्ति करना हो, या 25-35 वर्षीय लोगों के लिए अगली-पीढ़ी के युगल क्लब की स्थापना करना हो। और पहली बार हमारे बीच किसी सम्मेलन में रोटरेक्टर (डीआरआर) मौजूद है,'' पांड्या ने कहा, रोटेरियन आशीष अजमेरा का धन्यवाद देते हुये जिन्होंने उन्हें लाने में उनकी मदद की।

संस्थान प्रमुख टी एन सुब्रमण्यम ने कहा सभी को आश्चर्य हुआ कि संस्थान का आयोजन इंदौर में क्यों किया गया। ''इंदौर क्यों, बहुत से लोगों ने मुझसे पूछा,'' उनहोंने उद्घाटन सत्र में कहा। लेकिन, जब रो ई निदेशक पांड्या ने उन्हें विषयवस्तु ''सपने देखने की हिम्मत करो'' दी तो जितना अधिक उन्होंने इसके बारे में सोचा, उतनी ही बार इंदौर, जो भारत के स्वच्छतम शहर के रूप में लगातार शीर्ष पर आ रहा है, ने स्वयं को सुझावित किया।

कुछ वर्ष पूर्व, इंदौर सबसे गंदे शहरों में से एक हुआ करता था, लेकिन एक अकेली महिला (मेयर मालिनी गौर जिन्होंने उदघाटन सत्र को संबोधित किया) द्वारा दिखाये गए अटल संकल्प के कारण, जिन्होंने एक स्वच्छ शहर का सपना देखा ''और उसके लिए आधी रातों में सड़कों पर चलकर एवं नागरिकों में उनके शहर की स्वच्छता के प्रति गर्व की भावना जागृत करके काम किया, एक विशाल परिवर्तन आया। इस प्रकार के सपने हमें रोटरी में देखने होंगे... ठीक पोलियो को मिटाने के हमारे सपने की तरह ही।''

चित्र: रशीदा भगत

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

आप ही कुंजी है: मलोनी ने DGE यों से कहा

रशीदा भगत

रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी, RID भरत पांड्या और PRIP राजेन्द्र साबू।

इंदौर में ज़ोन इंस्टीट्यूट में स्नातक कर रहे निर्वाचित-गवर्नरों को रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी ने तीन शब्द का एक संदेश दिया - आप ही कुंजी है। उन्होंने खुलासा किया कि यह रो ई अध्यक्ष एड कैडमैन (1985-86) की विषय वस्तु थी।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुये, मलोनी ने कहा: ''मैं लंबे से एक रोटेरियन हूँ, कुछ कहते है इतने लंबे समय से कि पॉल हैरिस और मैं सहयोगी थे। लेकिन इस बात में बिलकुल सच्चाई नहीं है।'' लेकिन रोटरी में 39 वर्षों तक रहने के कारण उनका अपना इतिहास रहा है। वह 1985-86 में क्लब अध्यक्ष बने, जब तत्कालीन अध्यक्ष कैडमैन ने यह विषयवस्तु दी थी। मेरा संदेश अध्यक्ष-निर्वाचितों को यह है कि आप ही कुंजी है।

वे 2020-21 में उनके मंडलों में क्लब अध्यक्षों और सभी रोटेरियनों को प्रेरित करने के लिए जिम्मेदार होंगे ताकि वे रोटरी के प्रभाव को बढ़ाने और ''एक परिवर्तन लाने के लिए सेवा दे सके।''

गवर्नरों की यह क्लास आखिरी होगी जो सैन डिएगो की अंतर्राष्ट्रीय सभा में भाग लेगी। अगले वर्ष (जनवरी 2021) से अंतर्राष्ट्रीय सभा ऑर्लैन्डो में होगी।

''आपके लिए मेरा संदेश सरल है। आप ही कुंजी है; अभी से लेकर 1 जुलाई का समय आपके गवर्नर के पद के लिए बहुत ज़रूरी है, भले ही अभी तक आप गवर्नर ना बने हो। क्योंकि, यदि आपने 1 जुलाई से पहले इसकी योजना नहीं बनाई, तो शायद यह नहीं हो पाएगा। मुझे आशा है कि प्रशिक्षण संगोष्ठी ने आपको इस बारे में एक अच्छा अनुमान दिया है कि आप मंडल को 2020-21 में क्या हासिल करते हुये देखना चाहते है।''

रो ई अध्यक्ष ने कहा उनका उद्देश्य, या भूमिका, स्वयं के लिए वाहवाही बटोरना नहीं है। ''सेवा करने एवं उनके दायित्वों को निभाने के लिए दूसरों का

DGE के जीवन साथी (बाएं से बैठे) नोबुको किटा, रो ई अध्यक्ष मार्क मैलोनी, गे, वनाती रविंद्रन,उषा साबू और माधवी पांड्या।
दगे के जीवनसाथियों के साथ इंटरनेशनल असेंबली के लिए सोनल संघवी और माधवीस पांड्या एक नृत्य अभ्यास में भाग लेती हैं।

नेतृत्व करना, और जो परिणाम निकलते है उसके लिए दूसरों को श्रेय देना ही एक सच्चे नेतृत्वकर्ता की निशानी होती है। यदि आप ऐसा कर सकते है, यदि आप विनम्रता एवं नेतृत्व के साथ कार्यालय में इस तरह चल सकते है कि आपके नेतृत्व में रह रहे लोगों को वर्ष के दौरान यह लगे कि उन्होंने कुछ हासिल किया है और वे प्रशंसा के हकदार है, तो आपने अपना काम बखूबी किया है।''

अपेक्षाओं से अधिक करिए

''अपेक्षाओं से अधिक'' करिए पर नए स्नातकों को संबोधित करते हुये, पीआरआईपी राजेंद्र साबू ने 20-21 की कक्षा से कहा कि हमेशा याद रखिए ''आपके जीवनसाथी आपकी रीढ़ है और सफल गवर्नर बनने में आपका सबसे मजबूत समर्थक है।''

उन्होंने उन्हें आगाह किया कि वे अपने मंडल में रोटेरियनों के संपर्क में रहने के लिए अपने जीएमएल का अच्छा उपयोग करें और संपादक या सहायक गवर्नर को अपना मासिक संदेश लिखने की ज़िम्मेदारी से पीछा ना छुड़ाए। ''मैं देखता हूँ कि इन दिनों यह बहुत आम बात है; कृपया इसे समझिए कि यह डीजी का मासिक पत्र है.. रोटेरियनों के लिए डीजी का व्यक्तिगत विचारों का संदेश और इसे किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा नहीं भेजा जा सकता और ना ही भेजा जाना चाहिए।''

साबू ने गवर्नरों को आगाह किया कि वे अपने पद को ''सामाजिक सीढ़ी'' चढ़ने के अवसर के रूप में ना देखे, और कहा कि वह एक डीजी को जानते थे जिसने अपनी कार पर ''गवर्नर की'' एक बड़ी सी नेमप्लेट लगवाई, और तो और अपनी कार पर एक झंडे के साथ लाल बत्ती भी लगवाई। ''जब वह मुझसे मिलने आए, मैं उनकी कार देखी और उनसे विनम्रतापूर्वक पूछा कि यह सब दिखावा क्यों? खैर, अधिकार, नैतिकता एवं मूल्य के बारे में उनके दूषित विचार पूर्णतया परित्यक्त थे और उन्होंने कहा कि इससे उनके एक महत्वपूर्ण व्यक्ति होने का पता चलता है, और जहां भी वह जाते है, पुलिसकर्मी उन्हें सलाम करते है।''

अपने पीछे जो विरासत उन्होंने छोड़ी उसमे उन्होंने नए क्लबों की शुरुआत की, जिनका अध्यक्ष उन्होंने अपने परिवार जनों को बनाया, टीआरएफ़ अनुदानों का दुरुपयोग किया और अंत में ''सलाखों के पीछे जाकर अपनी और रोटरी की छवि को पूरी तरह बर्बाद कर किया। इसलिए अपने आप से ऊंची और बड़ी उम्मीदें रखे, और रोटेरियनों एवं समुदाय के दिलों में एक जगह बनाए।''

किताबों एवं विडियो ''जिन्हें पढ़ने या देखने का समय किसी के पास नहीं होता'' के माध्यम से आत्म-प्रचार के खिलाफ उन्हें सलाह देते हुये, साबू ने अपने कार्यकाल को याद किया जब उन्होंने सर्वश्रेष्ठ लोगों को उनके दल में रखा था, इस बात पर ध्यान दिये बिना कि उन लोगों ने उनको वोट किया है या नहीं। ''यदि आप ऐसा करते है, तो आपके पास अपने मंडल में पूर्ण सद्भाव के साथ एक उत्कृष्ट दल होगा।''

उन्होंने नवनिर्वाचित गवर्नरों से उनके परिवारों की उपेक्षा भी ना करने का आग्रह किया, इस बात को याद करते हुये कि जब वह डीजी बने, ''तो उनके छोटा बेटा, जो तब 12 वर्ष का था, ने उनकी पत्नी उषा से पूछा: 'जब पिताजी गवर्नर बन जाएंगे तो क्या मुझे उनसे मिलने के लिए उनके सेक्रेटरी से अपॉइंटमेंट लेनी होगी?' हमें अलगाव महसूस हुआ। हम उसे अपने साथ अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन एवं समारोह में ले गए। वह रोटरी से प्रभावित हुआ और वह टीआरएफ़ का एक प्रमुख दानकर्ता और एक एकेएस सदस्य है, लेकिन वह रोटेरियन नहीं बना, शायद इसलिए क्योंकि उसे लगा कि रोटरी ने बचपन में उसके माता-पिता उससे छीन लिए थे।

कृपया कर अपने परिवार, या अपने व्यापार, की उपेक्षा ना करे। अपने बच्चों के साथ रहिए और रोटरी को अपना कैरियर बनाने के बारे में ना सोचे। अपना साल खत्म होने के बाद आपको दोनों की ही आवश्यकता पड़ेगी।''

इस बात को कहते हुये कि वह भाग्यशाली है कि पत्नी के रूप में उन्हें उषा मिली, जो पूरी तरह से ''सेवा-उन्मुख'' है, उन्होंने याद किया कि साने रक्त दान को एक सफल मंडल परियोजना बनाने में मेरी मदद की, और तो और मुझे भी रक्तदान करने के लिए मनाया इस बात के बावजूद भी कि उन्हें खून देखने से भी डर लगता है। ''लेकिन उसने कहा कि तुम्हें हिम्मत रखना चाहिए और हनुमान चालीसा पढ़ना चाहिए, इस तरह मैंने मेरा पहला रक्तदान किया।''

साबू ने DGEयों को सलाह दी कि वे बढ़िया सेवा परियोजनाओं की योजना बनाए, ''लक्ष्य निर्धारित करे और फिर उन्हें हासिल करने के लिए जी-जान लगाए। प्रशंसाओं एवं तारीफ़ों पर ज्यादा निर्भर मत रहिए। आपका अपना दिल, अंदर की आवाज आपसे सच कहेगी। खुशी की तलाश में दरवाजे को ज़ोर से धक्का देना बंद कीजिये, क्योंकि वह दरवाजा अंदर की ओर खुलता है।''

चित्र: रशीदा भगत

हम एक डॉलर 2 बिलियन वाले एनजीओ हैं: जॉन ह्यूको

वी मुत्तुकुमारण

संस्थान के संयोजक RID भरत पांड्या ने रो ई महासचिव जॉन ह्यूको को मार्गरिटा ह्यूको और माधवी की उपस्थिति में सम्मानित किया।

आगामी 10 सालों में रोटरी कहाँ होगी? क्या यह उस समय तक अपनी प्रासंगिकता को बनाएं रख सकेगी ताकि अलग-अलग क्षेत्रों के पेशेवर इससे जुड़ सके और अपनी बेहतर सेवा परियोजनाओं को निष्पादित करने में योगदान दे सकें? कैसे यह संस्था जीवन के दो एकदम अलग सोच रखने वाली पीढ़ियों को एकसाथ रखने की चुनौतियों को संभालने में सक्षम होगी? इंदौर संस्थान में एक सत्र को संबोधित करते हुए रो ई के महासचिव जॉन ह्यूको ने कहा, ''एक ही क्लब में 75 वर्षीय, सेवानिवृत्त लोगों के साथ 35 वर्षीय युवा पेशेवरों को जोड़े रखना, एक-दूसरे के साथ सहज महसूस कराना और मिलजुल कर काम करने के लिए प्रोत्साहित करना वास्तव में एक अत्यंत कठिन, असंभव लगने वाला कार्य है।''

आगे बोलते हुए, उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक रूप से रोटरी एकल उत्पाद वाली दुकान के रूप में सभी के लिए - एक-आकार उपयुक्त है - के सिद्धांत पर कार्य करती रही है। ''लेकिन अब हम एकल उत्पाद वाली दुकान की अवधारणा को अधिक समय तक बनाएं रखने की जोखिम नहीं ले सकते हैं। हमारे वैकल्पिक उत्पाद - जिनमें युवा, क्लासिक, पारंपरिक या क्लब मॉडल - को विभिन्न प्रकार के लोगों को आकर्षित करने वाला होना चाहिए।'' रोटरी से जुड़ने के लिए वैकल्पिक मार्ग विकसित करना रणनीतिक योजनाओं में से एक है और ऐसा करना वास्तव में एक चुनौती है।

कोडक की धमाकेदार उपस्थिति के बावजूद अपनी प्रासंगिकता खोने और अवनति की प्रक्रिया को रोकने में असफल रहने पर पतन के गर्त में समा जाने का उदाहरण देते हुए, उन्होंने कहाँ कि ''विगत 114 वर्षों के दौरान, रोटरी ने कुछ अद्भुत परियोजनाओं को निष्पादित किया है। 100 वर्षों से अधिक पुरानी संस्था ने अपने प्राकृतिक यात्रा में इतिहास के अनेक झंझावतों से जूझते हुए, फलने-फूलने, आगे बढ़ने, विकसित होने का टेढ़ा-मेढ़ा रास्ता तय किया है और फिर बिना ऐसी बिंदु पर पहुँचने जहाँ से वापस लौटने का कोई मार्ग ही नहीं हो, यह धीरे-धीरे पतन की खाई की ओर अग्रसर हो रही है, यदि इस सडांध को रोकने और इस पतन से निपटने के लिए जरूरी प्रभावी उपाय नहीं किए गए।'' आज रोटरी भी लगभग 1.2 मिलियन स्थिर सदस्यों के साथ कुछ ऐसी ही परिस्थितियों से घिरी हुई है और इससे निपटने के लिए संस्था में नए उर्जावान सदस्यों को जोड़ने की अतीव आवश्यकता है। ह्यूको का मानना है कि नई रानीतिक योजना पर ''ठोस कार्यवाही'' करते हुए रोटरी इस चुनौति का सफलतापूर्वक सामना कर सकती है, जिसे शीघ्र ही रो ई बोर्ड में पेश किया जाएगा।

छ: चुनौतियाँ

आगामी कुछ दशकों तक इसे प्रसांगिक बनाएं रखना चुनौतीपूर्ण होगा, ''यहाँ सुधार की एक निरंतर प्रक्रिया होनी चाहिए और हमें परिवर्तनों के अनुसार स्वयं को ढालना चाहिए।'' क्या हम परिवर्तनों के अनुसार स्वयं को ढालने के लिए, विशेष रूप से तकनीक में होने वाले परिवर्तनों, और ''हमारे तथा अन्य एनजीओ के सामने करने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए, 'पर्याप्त रूप से चुस्त' होने जा रहे हैं?''

उन्होंने कहा कि रोटरी ने बहुत अच्छे कारणों से संस्थागत रूप से असंतोष उत्पन्न किया है। ''हम एक संस्थाके रूप में अलग होने के लिए डिजाइन किए गए हैं। हमारे अध्यक्ष, रो ई बोर्ड, डीजी और क्लब अध्यक्ष प्रति वर्ष नए चुने जाते हैं। हमें इन चुनौतियों से निपटने के लिए अगले 10 वर्षों तक निरंतर, अथक प्रयास करते रहने की जरूरत है।'' लेकिन एक समय भी आएगा जब हमें निरंतरता की जरूरत होगी और यह एक समस्या होगी। ''हमें प्रक्रिया में बने रहना होगा और उठा-पटक से बचना होगा, जिससे शासन संरचनाओं में अतिक्रमण होता है।''

ह्यूको ने आगे कहा, ''हमें नीचे से ऊपर की ओर बढ़ने वाली सिद्धांत के आधार पर वैकल्पिक मॉडल तैयार करना होगा जिसे आसानी से फैलाया जा सके,'' और जो पोलियो को रोटरी के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना के रूप में स्थानापन्न कर सके। पांचवीं चुनौती क्षेत्रीयकरण की है। अब संपूर्ण विश्व में रोटरी के भीतर मतभेद बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि, ''हमें क्षेत्रीय स्तर पर मतभेदों का सम्मान करना होगा और साथ ही साथ हम सभी को रोटरी में बांधने वाले भाव को बनाएं रखना होगा।''

संगठनात्मक मूल्य और बातें जो हमसभी को एक साथ बांधें रखती हैं, जैसे कि युवा विनिमय कार्यक्रम, फेलोशिप, वैश्विक अनुदान, आदि और हमें अपने द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों को ध्यान में रखना होगा। अंत में, ''हमने रोटरैक्ट को रोटरी के हिस्से के रूप में आगे बढ़ाया है। अंततः हम इसे कैसे प्रक्रिया में कार्यान्वित करेंगे? हमें सचेत रहना होगा क्योंकि हम रोटरेक्टरों को अपने साथ जोड़ते हुए इस योजना को लागू कर रहे हैं।''

> हमें क्षेत्रीय स्तर पर मतभेदों का सम्मान करना होगा और साथ ही साथ हम सभी को रोटरी में बांधने वाले भाव को बनाएं रखना होगा।

थोड़े शब्दों में कहें तो, प्रासंगिकता, बदलाव, निरंतरता, अगली वैश्विक परियोजना, क्षेत्रीयकरण और रोटारेक्ट की नवीन संकल्पना - ये सभी आगामी वर्षों में रोटरी के समक्ष चुनौती वाले क्षेत्र होंगे।

1.4 मिलियन रोटेरियन

आगामी 10 वर्षों में सदस्यता स्तर को 1.4 मिलियन रोटारेक्टरों तथा 1.4 मिलियन रोटेरियन के स्तर तक ले जाने में विश्वास व्यक्त करते हुए, ह्यूको ने कहा कि युवा, तेज-तर्रार दिमाग वाले लोगों को ''आगे बढ़ने और रोटरी में उनके कार्य को पूरा करने का'' एक अवसर दिया जाना चाहिए।

टीआरएफ में योगदान, सदस्यता, अनुदान और अन्य दान के माध्यम से संपूर्ण विश्व में रोटेरियन द्वारा प्रति वर्ष डॉलर 1.25 बिलियन की राशि एकत्र की जाती है। ''अब, यदि आप हमारे स्वयंसेवक समय की कीमत भी जोड.लेते हैं, तो यह डॉलर 850 मिलियन (जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय द्वारा की गई गणना के अनुसार), और एकत्र की गई राशि को मिलाकर, हम डॉलर 2 बिलियन-आय वाले एनजीओ बन जाते हैं, और हम गेट्स फाउंडेशन के साथ संसार के सबसे विशाल संगठनों में से एक है,'' ह्यूको ने कहा।

उन्होंने रोटेरियनों को याद दिलाते हुए कहा कि वर्ष 2025 तक रोटरी को डॉलर 2.025 बिलियन एनजीओ एक रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है। ''आप अपना सहयोग देते हुए भारत में इस कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। यह लक्ष्य प्रगति पथ पर अग्रसर रोटरी की सबसे अंतर्निहित वित्तीय नींव है,'' उन्होंने समझाते हुए कहा।

चित्र: वी मुत्तुकुमारण

आप हैं अपने जीवनसाथी की आंख और कान: डीजीई पार्टनर्स से गे मलोनी ने कहा

जयश्री

इंदौर इंस्टीट्यूट के पास डीजीई का समर्थन करने हेतु भागीदारों को तैयार करने के लिए विशेष सत्र आयोजित किए गए थे। इस मौके पर गे मलोनी ने कहा: आप अपने डीजी-जीवनसाथी की आंखें और कान हैं।

उषा साबू, गे मलोनी, वानती रवींद्रन और मार्गा हेवको ने साझेदारों को प्रोत्साहित किया, जिनमें से रो ई मंडल 3131 से पीडीजी विनय कुलकर्णी को छोड़कर सभी महिलाएं थीं।

गे ने कहा, साझेदारों ने गवर्नर के काम करने के तरीके में बहुत अंतर पैदा किया है, और जीवनसाथियों से पूरे दिल से अंतर्राष्ट्रीय सभा (आईए) में भाग लेने का आग्रह किया। ''वहां जाना और अपने राष्ट्रीय समूह के साथ रहना आसान है। लेकिन दुनिया के अन्य हिस्सों से आए डीजीई के साझेदारों से मिलें, ताकि आप उनकी जमीन, लोगों और उनकी जरूरतों के बारे में जान सकें।'' उन्होंने बताया कि कैसे वह अपने पति मार्क मलोनी के साथ अब और जब वह डीजी थीं, तब वह दुनिया भर में घूमती थीं। ''1998 में, हमने भारत में एक NID में भाग लिया। पोलियो प्रतिरक्षण के लिए अपने छोटे बच्चों को लाने वाले परिवारों को देखना एक बहुत भावूक करने वाला अनुभव था।'' इसके बाद में 2007 में, वे राष्ट्रपति प्रतिनिधि के रूप में वापस आ गए, और मुंबई के झुग्गियों का दौरा किया जहां स्थानीय रोटरी क्लब ने एक जल निकाय को पुनर्जीवित किया था। ''इसने हमें रोटरी द्वारा किए गए अच्छे काम को देखने का गर्व महसूस कराया।''

PRIP राजेंद्र साबू की पत्नी उषा रोटरी से पांच दशकों से जुड़ी हुई हैं और यहां तथा विदेशों में कई सेवा गतिविधियों में भाग लिया है। ''मेडिकेशन मिशन मेरे दिल के सबसे करीब और प्रिय हैं। अक्टूबर 1988 में, युगांडा में अपने पहले मेडिकेशन मिशन की सेवा करते हुए 60 वर्ष की उम्र में मेरे लिए जीवन शुरू हुआ। बीस साल और अफ्रीका, भारत, एसई एशिया, मंगोलिया में 40 से अधिक मिशन के बाद हम दोनों के लिए ये एक जुनून बन गए हैंजो एक बहुत खुशी देने वाली आदत है।''

उषा मेडिकल मिशन में शुरुआत में भाग लेने के दौरान झिझक रही थी क्योंकि वह ''अर्हता प्राप्त डॉक्टर नहीं है। लेकिन जब मैंने पीड़ित लोगों की लंबी कतार देखी, तो मुझे इसका मतबल समझ आया। कोई भी काम बड़ा या छोटा नहीं होता, जब उसे स्वेच्छा से और प्यार से किया जाए। चाहे मरीजों को दवाई देना हो या बैंडेज करना, डॉक्टरों

DGE के जीवन साथी (बाएं से बैठे) नोबुको किटा, रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी, गे, वानती रवींद्रन,उषा साबू और माधवी पांड्या।

को कॉफी परोसना, रोती हुई माँ को शांत करना या सर्जरी के लिए जाने वाले बच्चे को गले लगाना। मेडिकल मिशन में काम करते हुए मैंने रोटरी की सच्ची भावना को समझा है।''

इस अनुभव ने उन्हें कई मूल्यवान सबक सिखाए थे। उन्होंने तालियों की गड़गड़ागट के बीच कहा, ''पोलियो से बुरी तरह से छोटे बच्चों की हताशा, धूल में रेंगते हुए; बूढ़े लोगों ने लाचारी में मोतियाबिंद की वजह से अपनी दोनों आँखें खो दीं; एक ऐसी माँ की वीरानी, जिसका बच्चा एक दुर्लभ ह्रदय रोग से पीड़ित है - मैंने एड्स से पीड़ित नौजवानों और रवांडा गृह युद्ध पीड़ितों के बुरी तरह से कटे हुए चेहरों पर मौत का डर देखा है। इन सभी कष्टों को देखकर मुझे बल मिला जब मैंने अपने चेहरे और शरीर पर ल्यूकोडर्मा के गुलाबी और भूरे रंग के पैच बहने। मैं भयानक लग रही थी। लेकिन मैंने भगवान को धन्यवाद दिया कि यह न तो संक्रामक था और न ही अक्षम। मैं साहस के साथ जीवन में आगे बढ़ी।''

उन्होंने 2004 में सुनामी के बाद रोटरी द्वारा श्रीलंका में निर्मित स्कूलों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, क्षेत्रों में आतंकवादियों द्वारा खानें बनाई गई थीं। अंतर्राष्ट्रीय समर्थन और अपार साहस के साथ, पीआरआईपी के आर रविन्द्रन के

DGE के जीवनसाथियों के साथ इंटरनेशनल असेंबली के लिए सोनल संघवी और माधवी पांड्या एक नृत्य अभ्यास में भाग लेती हैं।

नेतृत्व में रोटेरियन ने 25 स्कूलों का पुनर्निर्माण किया, जहाँ से हर साल 14,000 बच्चे पास होते हैं। 2013 में बड़े पैमाने पर भूकंप के बाद उत्तराखंड में, पीआरआईडी वाई पी दास ने रुद्रप्रयाग में 32 भूकंप और भूस्खलन-प्रतिरोधी स्कूलों के पुनर्निर्माण का नेतृत्व किया।

इसी तरह, रोटरी क्लब चंडीगढ़ वंचितों के लिए ह्रदय की सर्जरी के लिए सहायता प्रदान करता है और रो ई मंडल 3080 कारगिल और सियाचिन ग्लेशियर में सेना के जवानों के साथ दीपावली मनाता है और उन्हें मिठाई के डिब्बे भेजता है। उन्होंने कहा, ''रोटरी की आत्मा को जीवित रखने के लिए हमें दया और देखभाल के साथ इस तरह की मानवीय गतिविधियों में खुद को जोड़ना चाहिए। हमें जिले के कार्यक्रमों और यहां तक कि क्षेत्र के संस्थानों को सेवा के साथ सरल रखना चाहिए और ध्यान केंद्रित करना चाहिए। स्वयं से ऊपर सेवा को रखने का यह परिवर्तन ही रोटरी की शक्ति है।''

वानती रवींद्रन ने भागीदारों से सक्रिय रहने और अपने जिलों के बारे में मूल बातें समझने का आग्रह किया - आपके जिले में कितने क्लब हैं, इसकी लंबाई और चौड़ाई, सदस्यता में वृद्धि या कमी, जिस प्रकार की परियोजनाएं जिला में जारी हैं। प्रत्येक क्लब अध्यक्ष के जीवनसाथी को जानने से बहुत बड़ा लाभ होगा।

डीजी को फाउंडेशन के लिए फंड जुटाना होगा। वानती ने हर साल की शुरुआत में अपने क्लब को पहला चेक देने की रवींद्रन से संबंधित प्रैक्टिस की। राशि बड़ी या छोटी हो सकती है। लेकिन क्योंकि वह सबेस पहले देते हैं, उनके पास फाउंडेशन के लिए दूसरों से पैसे मांगने को लेकर कोई हिचक नहीं है। उन्होंने कहा, ''न केवल आपको अपने जीवनसाथी को अपना पहला चेक देने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, बल्कि दूसरों को यह भी बताना चाहिए कि आपके पास ऐसा करने का आशीर्वाद प्राप्त है।''

डॉ माधवी पांड्या ने जिला नेताओं की सफलता के लिए पति/पत्नी के समर्थन के महत्व को दोहराया। उन्होंने कहा, आकाश में उड़ने के लिए दो पंख चाहिए होते हैं। रोटेरियन जीवनसाथी को उन्होंने सलाह दी की: लोगों से मुस्कराते हुए मिले। रचनात्मक और विचारशील बनें। छोटी परियोजनाओं को प्रोत्साहित करें और उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ाएं।

सोनल संघवी ने कहा, ''मेरे पास एक वर्ष का समय है और मैं इसे पूरी तरह से जीऊंगी - यह आपका आदर्श वाक्य होना चाहिए। वह सब करें जो आप संभवतः कर सकते हैं।''

रो ई के महासचिव जॉन हेवको की पत्नी मार्गा ने कहा कि, रोटरी को अपने घर या काम पर प्रधानता देने की आवश्यकता नहीं है। अपने वर्ष की सावधानी से योजना बनाएं ताकि तीनों में से कोई भी काम न रुके।

कार्यक्रम की अध्यक्षता माधवी ने की। सोनल और पीडीजी जे बी कामदार की पत्नी मारलेन इसकी सह-अध्यक्ष थीं। ■

इंदौर इंस्टिट्यूट की कुछ यादें

हेमंत कुमार

बायें से: *PDG डॉ बालकृष्ण इनामदार की पत्नी नीलिमा; PDG डॉ दीपक पुरोहित की पत्नी वीना; माधवी पांड्या; PDG जे बी कामदार की पत्नी मार्लीन; सोनल संघवी और विद्या सुब्रमण्यन।*

PRIP गण राजेंद्र साबू, उषा, कल्याण बेनर्जी, TRF ट्रस्टी अध्यक्ष-निर्वाचित के आर रविंद्रन, वनाती, RID कमल संघवी, सोनल, TRF ट्रस्टी जेनिफर जोन्स, रो ई महासचिव जॉन ह्यूको और ट्रस्टी गुलाम वाहनवती इंस्टिट्यूट के उद्घाटन समारोह में।

टीम मंडल 3232 - PDG आई एस ए के नज़र, RIDN ए एस वेंकटेश, DG जी चंद्रमोहन और DGE एस मुत्तुपलनियप्पन, RIPN शेखर मेहता के साथ।

बिनोटा बेनर्जी, कल्याण बेनर्जी की एक तस्वीर लेते हुए।

हेमंत कुमार

बाएं से: विद्या, इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष टी एन सुब्रमण्यन, रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी, गे, RIPN मेहता,राशी, माधवी और RID भरत पांड्या।

सार्जेंट-एट-आर्म्सः (बायें से) PDG बी जयराजन, मोना ग्यानी, PDG बाबू जोसफ, RID भारत पांड्या, PDG जे पी व्यास, सुनीता दत्ता, DG शिवनारायण राव, रवि रामन और राजित मेनन।

TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवती और जेनिफर जोन्स।

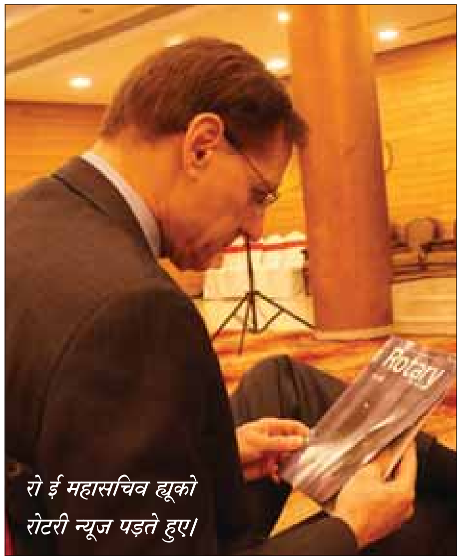

रो ई महासचिव ह्यूको रोटरी न्यूज पढ़ते हुए।

RIPN मेहता और राशी।

PRIP गण राजेंद्र साबू और कल्याण बेनर्जी।

उषा साबू माधवी पांड्या के साथ बातचीत में।

गे मलोनी के साथ उषा साबू।

बिनोता के साथ बातचीत में अध्यक्ष मलोने। चित्र में PRIP कल्याण बेनर्जी भी शामिल हैं।

रो ई महासचिव ह्यूको, अध्यक्ष मलोनी और मार्गरीटा।

PRID पांडुरंगा सेट्टी, प्रीथा रेड्डी, अपोलो अस्पताल की वाइस चेयरपर्सन, को सम्मानित करते हुए, चित्र में RID पांड्या शामिल हैं।

TRF ट्रस्टी चेयर निर्वाचित के आर रवींद्रन, RID कमल संघवी और PRIP साबू।

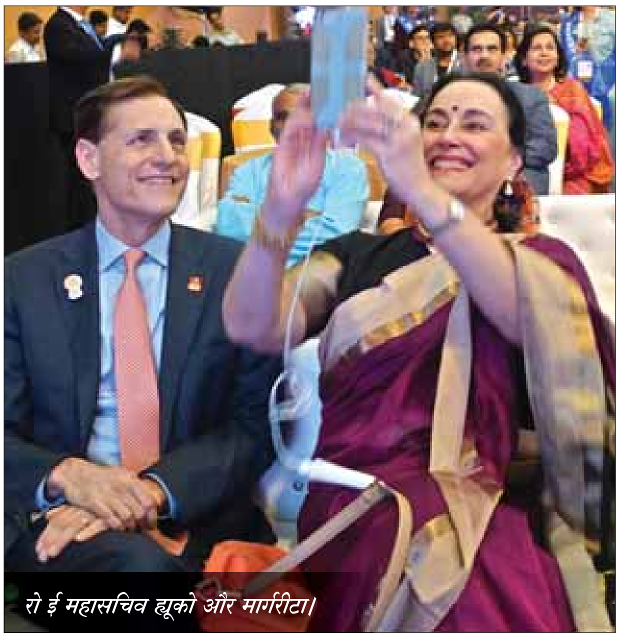

रो ई महासचिव ह्यूको और मार्गरीटा।

चित्र: रशीदा भगत
एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

सफल होने के लिए महिलाओं को अवसर चाहिए, एहसान नहीं: स्मृति ईरानी

रशीदा भगत

महिलाओं के साथ बलात्कार और जिंदा जला देने जैसे हिंसक कृत्यों की बढ़ती हुई संख्या के बारे में बात करते हुए, केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने लैंगिक समानता की तत्काल आवश्यकता पर अपनी तीक्ष्ण पुकार से इंदौर इंस्टिट्यूट के प्रतिभागियों को बहुत प्रभावित किया।

एक महिला की टिप्पणी कि 'मुझे हमेशा ही मेरा सर्वश्रेष्ठ करना पड़ता है, क्योंकि यदि मैं असफल होती हूँ तो लोग कहते है मैं नहीं बल्कि महिलाएं हमेशा असफल होती है' पर संयोजक और रो ई निदेशक भरत पांड्या द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुये, उन्होंने कहा, ''वास्तव में, एक महिला को हमेशा सर्वश्रेष्ठ से भी बेहतर करना पड़ता है क्योंकि जब वह असफल होती है, तो इसे उसके लिंग और ध्येय दोनों की ही असफलता के रूप में देखा जाता है।''

इस बात पर कायम रहते हुये कि ''हमारे समाज में महिलाओं के खिलाफ एक अंतर्निहित पक्षपात है,'' उन्होंने मुंबई के ट्रैफिक जाम का एक उदाहरण दिया, जहाँ एक व्यक्ति निरपवाद रूप से कहेगा कि, ''आगे देखो, जरूर किसी महिला ने गड़बड़ की होगी।''

इंस्टीट्यूट में सम्मानित की गई दो साहसी महिलाओं – मानसी जोशी और त्रिवेणी आचार्या – की तरफ इशारा करते हुये, उन्होंने कहा कि लोगों को यह याद दिलाना होगा कि बड़ी से बड़ी मुश्किलों के बावजूद भी ऐसा साहस महिलाओं द्वारा दिखाया जा सकता है। जहाँ मानसी, जिसने आठ वर्ष पूर्व एक सड़क दुर्घटना में अपना एक पैर खो दिया था, ने स्विट्ज़रलैंड में हुई

जो बात मुझे पूरी तरह से थरथरा देती है वह यह है कि पहली बार हमारे पास अभिशस्त यौन अपराधियों का एक डेटाबेस है और उस डेटाबेस में 7 लाख से अधिक यौन अपराधी है।

अंतर्राष्ट्रीय पैरा-बैडमिंटन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता, वहीं त्रिवेणी ने 5,000 महिलाओं को वैश्यावृत्ति के चंगुल से छुड़ाया। ''लोगों को याद दिलाना होगा कि ऐसी परिस्थितियों में एक महिला होना कैसा होता है। मानसी ने सपने देखने का साहस किया और त्रिवेणीबेन ने हिम्मत के साथ काम किया ताकि दूसरे लोग भी सपने देख सकें। दोनों ने अपने अंदाज में साहस को परिभाषित किया। भाषण देना बहुत सरल होता है लेकिन एक भी ज़िंदगी को परिवर्तित करना बहुत मुश्किल होता है। और त्रिवेणीबेन ने तो उनका पूरा जीवन वैश्यावृत्ती में फंसी लड़कियों को बचाने, और उन्हें सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर प्रदान करने हेतु

RID भरत पांड्या, केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी और संस्थान अध्यक्ष टी एन सुब्रमण्यम की उपस्थिति में गे मलोनी ने रेस्क्यू फाउंडेशन की संस्थापक, त्रिवेणी आचार्य, को बधाई दी।

समर्पित कर दिया'' उन्होंने कहा और दर्शकों से खड़े होकर तालियाँ बजाने के लिए कहा।

जब पांड्या द्वारा पूछा गया कि इन दिनों महिला सशक्तिकरण के बारे में बात करना एक फैशन बन गया है, लेकिन क्या उनका मानना है कि महिलाएं दूसरों के द्वारा सशक्त होना चाहती है, ईरानी ने याद किया कि उनके प्रस्तुतीकरण में उन्होंने स्वामी विवेकानंद का ज़िक्र किया था। जब कुछ आदमियों ने स्वामी जी के पास आकर उनसे कहा कि आइये एक साथ मिलकर हम महिलाओं के सशक्तिकरण के बारे में सोचें, तो स्वामीजी मुड़े और कहा कि आप महिलाओं को सशक्त करने वाले होते कौन है। बस उन्हें शिक्षित कीजिए और वे स्वयं ही अपने आप को सशक्त करने के काबिल हो जाएंगी।''

लेकिन ऐसा कहने के बाद, हमें यह पूछने की आवश्यकता है कि क्या हम हमारे छोटे तरीकों से लैंगिक समानता में मदद कर सकते है। ''त्रिवेणीबेन ने कहा कि कैसे रोटेरियनों ने आगे आकर उनके इस कार्य में उनकी मदद की। आपके पास भले ही समय नहीं था परंतु आपके पास मदद करने के लिए संसाधन थे, और ऐसे सम्बन्धों को मजबूत किए जाने की आवश्यकता है। महिलाओं में अद्भुत कार्य करने की काबिलियत है, उन्हें बस एक अवसर और स्वयं के लिए थोड़ी जगह की आवश्यकता है।''

जब इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष पीडीजी टी एन सुब्रमण्यम ने मंत्री से पूछा कि कैसे लोगों की मानसिकता को बदला जाए, क्योंकि महिलाओं को बाहर जाकर सर्वश्रेष्ठ करने के लिए एहसानों की नहीं बल्कि अवसरों की आवश्यकता होती है, और बाद में दर्शकों ने उनसे महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा के बढ़ते कृत्यों के बारे में सवाल किया, तो ईरानी ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ लैंगिक असमानता और हिंसा केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में व्याप्त है। ''मैं खुश हूँ कि भारत में पुरुष इस बारे में बात करने के लिए बराबर साथ देते है। हम पुरुष को दुश्मन नहीं बना सकते।''

यह कहते हुये उन्होंने एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया कि लड़के एवं लड़कियों दोनों का अभिभावक होने के नाते, ''हम हमारी जिम्मेदारियों से बचने के लिए मीडिया, संस्थानों, समाज पर इल्जाम नहीं लगा सकते, क्योंकि हम लोग ही समाज बनाते है और हम ही इस बात के ज़िम्मेदार है कि किस नज़र से हमारे बच्चे, विशेषरूप से लड़के, महिलाओं को देखते है। यदि हम महिलाओं के लिए समतुल्यता और सम्मान की बात करें, तो हमें अपने घर से शुरुआत करनी होगी, और स्वीकार करना होगा कि जिस नज़र से हमारे लड़के महिलाओं को देखते है या जिस तरह से हमारी बेटियाँ उनके अधिकारों के लिए खड़ी होती है उसके लिए हम जिम्मेदार है। त्रिवेणीबेन अपने पति के पास गई और उन्हें अपना साझेदार बनाया।

यदि हम महिलाओं के लिए समतुल्यता और सम्मान की बात करें, तो हमें अपने घर से शुरुआत करनी होगी, और स्वीकार करना होगा कि जिस नज़र से हमारे लड़के महिलाओं को देखते है या जिस तरह से हमारी बेटियाँ उनके अधिकारों के लिए खड़ी होती है उसके लिए हम जिम्मेदार है।

और रेसक्यू फ़ाउंडेशन की मदद करके रोटरी उनकी साझेदार बन गई।''

जब एक महिला ने चिंता जताई कि देश हमारी बेटियों के लिए सुरक्षित नहीं है और सरकार इस बारे में क्या कर रही है, तो ईरानी ने चट से जवाब दिया कि सरकार ने बलात्कार के लिए मौत की सजा देने का प्रावधान किया है; ''इससे बढ़कर कोई सजा नहीं हो सकती। साथ ही, हमने 1,023 फास्ट ट्रैक न्यायालयों की स्थापना की है।''

सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि न्याय की तलाश करने वाली हर महिला को उसके क्षेत्र में ही न्याय मिल सके। ''लेकिन चुनौती यह है कि बहुत सी महिलाएं विधिक शुल्क नहीं चुका पाती, तो यदि मिस्टर सुब्रमण्यम (वकील), जो बहुत महंगे है, जैसे पुरुष एक भी महिला की मदद कर सकें, तो यह एक परिवर्तन है।'' कानूनी मदद के अलावा, ऐसी महिलाओं को ''आर्थिक एवं मनोवैज्ञानिक दृष्टि से अपने पैरों पर वापस खड़ा होने की आवश्यकता होती है और यदि हम में से हर एक ऐसी एक भी महिला की मदद कर सके, तो यह बहुत बड़ा योगदान होगा। ''लेकिन जो बात मुझे पूरी तरह से थरथरा देती है वह यह है कि पहली बार हमारे पास अभिशस्त यौन अपराधियों का एक डेटाबेस है और उस डेटाबेस में 7 **लाख से अधिक यौन अपराधी है।**''

चाइल्ड पोर्नोग्राफी वेबसाइटों एवं वैश्यावृत्ती को वैध करने की मांगों पर ज़ोरदार तरीके से बरसते हुये, उन्होंने कहा कि ऐसी ही एक वेबसाइट के 5000 से अधिक ग्राहक थे। ''मेरा सवाल यह है कि ये लोग कौन है जो इस वेबसाइट पर चाइल्ड पोर्नोग्राफी देख रहे है? और जो लोग कहते है कि रेड लाइट एरिया समाज की जरूरतों को पूरा करते है और इसलिए हमें वैश्यावृत्ती को वैध कर देना चाहिए, मैं पूछती हूँ कि यह कैसा समाज है जो अपनी जरूरतों की पूर्ति करने के लिए एक महिला को यौन इच्छाओं की पूर्ति करने का जरिया बना देता है? जो भी लोग ऐसा सोचते है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले यह क्रूरता भरे अवैध कृत्य महिलाओ को बलात्कार के खिलाफ एक सुरक्षित माहौल प्रदान करेंगे, महिलाओं के प्रति उनकी सोच अमानुषिक है।''

भाषण देना बहुत सरल होता है लेकिन त्रिवेणीबेन ने तो उनका पूरा जीवन वैश्यावृत्ती में फंसी लड़कियों को बचाने, और उन्हें सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर प्रदान करने हेतु समर्पित कर दिया

ईरानी ने अपने तीखे प्रत्युत्तरों, परिहास युक्त टिप्पणियों और हास्यप्रद जवाबों से दर्शकों को प्रभावित किया। लिंग समानता पर एक रोटेरियन के सवाल पर उन्होंने उससे उसके पेशे के बारे में पूछा और जवाबी हमला करते हुए पूछा कि क्या उसने अपने महिला और पुरुष श्रमिकों को समान वेतन दिया है। जब उसने कहा ''बिल्कुल नहीं, यह स्केल पर आधारित होता है...'' तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उन्होंने कहा, यहाँ देखिए! ''महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों में से एक यह है कि (कॉर्पोरेट) सीढ़ियों पर कैसे चढ़ा जाए।'' नियोक्ताओं को स्वयं से यह पूछने कि आवश्यकता है कि क्या उन्होंने कार्यस्थल पर पुरुष और महिला दोनों के योगदान, घंटों की संख्या और समय-सीमाओं को आगे बढ़ाने जैसी चीज़ों पर लागू होने वाले मानकों का उचित मूल्यांकन किया है।

इतनी सारी पढ़ी-लिखी और योग्य महिलाओं, जैसे कि चार्टर्ड अकाउंटेंट, जिन्हें शादी के बाद काम

रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी, गे, संस्थान अध्यक्ष टी एन सुब्रमण्यन, केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी, RID भरत पांड्या, माधवी और विद्या के साथ DRRs।

केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी, संस्थान अध्यक्ष टी एन सुब्रमण्यन और RID भरत पांड्या।

करने नहीं दिया जाता और ''पतियों को प्रेरित'' करने की आवश्यकता पर किये गए अन्य लम्बे उबाऊ सवाल को उन्होंने हास्य के साथ काट-छांट दिया: ''मुझे पतियों को प्रेरित करना होगा? मुझे नहीं पता महोदय, आपको ऐसा क्यूँ लगता है कि मुझे दूसरी औरतों के पतियों को प्रेरित करना चाहिए... शायद मेरे तुलसी के किरदार के कारण (लोकप्रिय हिंदी धारावाहिक *सास भी कभी बहू थी में*)।'' एक गंभीर बात पर उन्होंने आगे कहा: ''हमारे सामने चुनौती यह है कि महिला सीए को अक्सर शादी के बाद स्थानांतरित होना पड़ता है और उनमें से अधिकतर को यह पता नहीं होता कि उस नई जगह पर अपनी प्रेक्टिस दोबारा कैसे शुरू करें। अगर एक ही पेशे के लोग उनकी मदद कर सकें, तो यह बहुत अच्छा होगा।''

साक्षरता और स्कूलों में शौचालयों के निर्माण पर पूछे गए सवालों के जवाब में, उन्होंने पूछा: आपको किस प्रकार की मदद चाहिए? मुझे बताइये और वह मदद की जाएगी।

समान अवसरों पर, उन्होंने कहा ये हमारे देश में मौजूद है लेकिन समस्या उसके प्रवर्तन में है। शिशु देखभाल के लिए 26 हफ्तों के मातृत्व अवकाश का उदाहरण देते हुये, उन्होंने कहा, ''हमने देखा कि देश के सबसे बड़े मीडिया घरानों में से एक, जो इस पर प्राइम टाइम में बहस कर रहा था, ने उसके अपने संगठन में इसे लागू नहीं किया! इसलिए सरकार (लैंगिक समानता के लिए) कानून तो बनाती है लेकिन उन्हें लागू भी किया जाना चाहिए।''

चित्र: रशीदा भगत

संघवी नवंबर 2020 में कोची में ''उत्साह के सम्मेलन'' का वादा करते है

रशीदा भगत

कोची में होने वाले अगले ज़ोन इंस्टिट्यूट का रो ई निदेशक एवं समन्वयक कमल संघवी और पीडीजी संजय खेमका, जो 26-28 नवंबर तक होने वाले सम्मेलन के अध्यक्ष होंगे, ने रंगारंग परिचय दिया। इससे पूर्व दिन में, रोई अध्यक्ष मार्क मालोनी ने कोची सम्मेलन के बूथ का उद्घाटन किया जिसे रंगबिरंगे एवं रचनात्मक तरीके से एक विशिष्ट केरल की नाव से बनाया गया था, जो भगवान की अपनी धरती में तैयार करके लाई गई थी। मसालों एवं नारियलों से सजी उस नाव ने रोटेरियनों को शीघ्रता के साथ अगले सम्मेलन के लिए पंजीकरण करने एवं प्रारंभिक छूट प्राप्त करने के लिए लुभाया।

ग्रैंड ह्यात बोलगत्ती आइलैंड में आयोजित होने वाले कोची सम्मेलन में रोटेरियनों को आमंत्रित करते हुए, समन्वयक संघवी ने इस दक्षिणी शहर के बहुत से आकर्षणों का वर्णन करते हुए इसे ''एक विलक्षण शहर, मसालों एवं चीनी जालों के शहर के साथ-साथ पैसों, बड़ी इमारतों, स्वादिष्ट *सधियों* एवं दुनियाभर के व्यंजनों के मिश्रण का शहर'' भी कहा। लेकिन यह एक बहुत ही आधुनिक शहर भी है। उन्होंने आगे कहा कि कोची को पूरब का वेनिस भी कहा जाता है और उन्होंने वादा किया कि अध्यक्ष संजय खेमका सुनिश्चित करेंगे कि उनके लिए ''यह प्यार और दोस्ती का सम्मेलन हो... और उत्साह का सम्मेलन हो... जहां आप पुरानी मित्रताओं को नया रूप देंगे और नए मित्र बनायेंगे।''

अपनी बात में तड़का लगाते हुये खेमका ने विभिन्न प्रकार की कढ़ियों, ''अप्पम एवं अन्य व्यंजनों के बेहतरीन अनुभव के वादे के साथ भागीदारों को आकर्षित किया। इसके साथ ही झीलों एवं नौका विहारों से प्राप्त सुकून एवं उसका जादू कोची को वास्तव में यात्रियों का स्वर्ग बनाता है।''

जहां कोची सम्मेलन के सह-अध्यक्ष पीडीजी टीवीआर मूर्ती, सम्मेलन सचिव पीडीजी जॉन डेनियल और प्रधान नियोजक पीडीजी संदीप नारंग है, वहीं पीडीजी अनिरुद्ध राय चौधरी उपाध्यक्ष है।

प्रोमो का समापन सम्मेलन की पूरी टीम, और सुन्दर सफ़ेद केरल की साड़ी पहनी उनकी पत्नियों के साथ-साथ मलयालम के प्रसिद्द गीत *झिमिकी कम्मल* पर आरआईपीएन शेखर मेहता और राशी के नृत्य के साथ हुआ। *www.rotaryinstitute2020.org* पर ऑनलाइन पंजीकरण किये जा सकते है।

चित्र: रशीदा भगत

नीचे : *RIPN शेखर मेहता, रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी, RID कमल संघवी, और कोची इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष संजय खेमका।*

ऊपर : सोनल और RID कमल संघवी, माधवी, राशी, RIPN मेहता, शर्मिष्ठा और PRID मनोज देसाई, कोची इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष संजय खेमका, उनकी पत्नी मीनाक्षी और इंस्टिट्यूट की टीम कोची संस्थान को प्रोत्साहित करते हुए।

रो ई अध्यक्ष मलोनी, कोची इंस्टिट्यूट बूथ का उद्घाटन करते हुए चित्र में RID संघवी, RIPN शेखर मेहता, सोनल, PDG गण सैम पाटीबंदला, रमेश अग्रवाल, महेश कोटबागी, बी एम शिवराज और ई के सगादेवन शामिल हैं।

सम्मेलन के पल

अध्यक्ष मलोनी और पीडीजी दीपक शिकरपुर के साथ, रोटरी कन्वेंशन प्रमोशन समिति के अध्यक्ष और PRID पी टी प्रभाकर इंस्टिट्यूट में एक बूथ पर 6-10 जून तक होनोलुलु, हवाई, में होने वाले सम्मेलन के लिए रोटेरियनों को आमंत्रित करते हुए।

दाहिने: रो ई मंडल 3080 कारगिल एवं सियाचिन ग्लेशियरों में तैनात सैनिकों के लिए 2017 से दिवाली की मिठाइयाँ भेजा रहा है जब 40 लाख की कीमत के 4,000 मिठाई के डब्बों से भरे ट्रक को सांसद किरण खेर द्वारा हरी झंडी दिखाई गई थी। उषा साबू, PRIP राजा साबु के साथ मिलकर परियोजना अध्यक्ष कवल बेदी ने प्रतिनिधियों से इस कार्य में सम्मिलित होने की अपील की।

रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी ने रोटरी भारत शताब्दी शिखर सम्मेलन के उपलक्ष्य में एक वेबसाइट, *www.rotary-india.org* का उद्घाटन किया। वेबसाइट एक मंडल के समग्र परिदृश्य को दर्शाने के लिए डिज़ाइन की गई है, जैसे रोटेरियनों ने कितने घंटे स्वयंसेवा दी, निष्पादित की गई सामुदायिक परियोजनाएं, लिए गए वैश्विक अनुदान, टीआरएफ में योगदान, इत्यादि।

नीचे: ज़ोन 4,5,6 और 7 के वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं को हेरिटेज अवार्ड्स से सम्मानित किया गया। ''वे हमारे गौरव है और आज रोटरी जहां है उसे वे यहाँ लाये है,'' इंस्टिट्यूट के समन्वयक और रो ई निदेशक भरत पांड्या ने कहा।

जयश्री

प्रोजेक्ट पॉज़िटिव हेल्थ के 'नो योर मेम्बर्स' पहलू के संबंध में, रोटरी और अपोलो हॉस्पिटल्स के बीच एक गठजोड़ का उद्घाटन अध्यक्ष मालोनी द्वारा किया गया। रोटेरियनों के लिए स्वास्थ्य कार्ड ज़ारी किये गए ताकि अस्पताल में रियायती दरों पर संपूर्ण चिकित्सीय जांच एवं परामर्श लिए जा सके। प्रतिनिधियों के लिए रक्तचाप और शुगर जैसे बुनियादी मापदंडों का परीक्षण करने के लिए संस्थान स्थल पर एक विशेष बूथ संचालित किया गया।

चित्र: रशीदा भगत

रोटरेक्टर करेंगे बकाया का भुगतान, लेकिन रोटेरियन से कम: मलोनी

जयश्री

पिछले सीओएल में *#Elevate Rotaract* वोट की शानदार सफलता से रोटरेक्टरों के बढ़ते महत्व को दर्शाते हुए हैम्बर्ग कन्वेंशन में उनकी विशाल भागीदारी के लिए सैन डिएगो में इंटरनेशनल असेंबली 2019 में 60 रोटरेक्टरों के निमंत्रण को इंदौर इंस्टीट्यूट में दोहराया गया। अपनी तरह के पहले सत्र में, 26 रोटरेक्टरों को कार्यवाही में भाग लेने के लिए इंदौर लाया गया, जो उनके लिए एक विशेष सत्र था, जिसमें रोटरेक्टरों से संबंधित हाल के बोर्ड के फैसलों पर विविध विचार रखे गए थे।

पैनल चर्चा में, इस बात का खुलासा किया गया था कि रो ई बोर्ड ने रोटरेक्टरों से प्रति व्यक्ति बकाया राशि एकत्र करने का निर्णय लिया है। रो ई मंडल 3291 के पीडीआरआर श्रीजीत के प्रश्न पर रो ई अध्यक्ष मार्क मैलोनी ने कहा कि यह आगामी बोर्ड बैठक में तय किया जाएगा। ''यह एक उचित दर होगी। निश्चित रूप से उतना नहीं जितना कि रोटेरियन भुगतान करते हैं। यह हमारे प्रशासन को सुव्यवस्थित करेगा। वर्तमान में हमें वास्तव में पता नहीं है कि हमारे पास कितने रोटरेक्टर हैं। जब हमारे

RIPN शेखर मेहता, राशी, RID कमल संघवी, रो ई महासचिव जॉन ह्यूको, मार्गारीटा, TRF ट्रस्टी जेनिफर जोन्स, PDG गण श्यामश्री सेन और रुचिर जानी मंडल रोटारेक्ट नेताओं के साथ।

पास बकाया भुगतान करने वाले सदस्य होते हैं, तो हमारे पास सांख्यिकीय जानकारी होगी जिसे हम योजना बना सकते हैं। आगे, रोटरेक्टर के साथ रो ई के सदस्य के रूप में, क्लबों से कुछ सेवा करने की उम्मीद की जाएगी और हमें इसके लिए धन की आवश्यकता होगी।''

उन्होंने टीआरएफ ट्रस्टी जेनिफर जोन्स, रो ई के महासचिव जॉन हेवको, रो ई मंडल 3054 के डीआरआर कुशाल भुवा और रो ई मंडल 3291 के पीडीआरआर श्रीजीत, आरआई कमल संघवी द्वारा संचालित पैनल चर्चा में यह बात कही। मैलोनी, आरआईपीएन शेखर मेहता, रो ई मंडल भारत पांड्या, टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वाहनवती और पीआरआईडी सी. बस्कर सहित दर्शकों में रोटेरियन और रोटरेक्टर शामिल थे।

Elevate Rotaract, रोटरेक्टरों की आयु सीमा को हटाने और रोटरी प्रायोजन के साथ रोटरेक्टर क्लबों से भी हटाने पर चर्चा की गई।

संघवी ने जेनिफर से पूछा, ''रोटरेक्टरों को बढ़ावा देना क्यों जरूरी था?'' इसपर उन्होंने जवाब दिया: 2016 में, हमने पाया कि केवल 5 प्रतिशत रोटरेक्टर रोटेरियन में बदले। इससे हमें झटका लगा। हमने सोचा कि रोटरी उनके डीएनए का हिस्सा था और हमें उन्हें परिवार के हिस्से के रूप में रखना चाहिए। 2016 सीओएल में दोहरी सदस्यता पर निर्णय रोटेरियन और रोटरेक्टरों को एक कदम करीब लाया। कई रोटरेक्टरों दोहरे सदस्य बन गए। फिर 2019 में, हमने रोटरेक्टरों को बढ़ावा दिया और इसे रो ई का सदस्य बनाया - जो रोटरेक्टरों को यह बताने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण कदम कि आप सदस्यों से अधिक हैं, आप रोटरी परिवार का हिस्सा हैं।''

उन्होंने कहा - ''2019 परिषद में रोटरेक्टरों को बढ़ावा देने के लिए वोट पहली बार पास नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर सेकंडों के भीतर एक अभियान शुरू हुआ, इतना ही नहीं, अगली सुबह पुनः वोट क्या गया था, और इसे भारी बहुमत से मंजूरी मिली थी। वह क्या उत्सव था।''

डीआरआर भुवा और पीडीआरआर श्रीजीत ने कहा, ''फैसले ने हमें और अधिक जिम्मेदारी दी है ताकि हम अब बड़े कामों को अंजाम दे सकें। मेरे कई रोटरेक्टरों ने रोटरी से जुड़ने का वादा किया है।'' वह 2017 से दोहरी सदस्य हैं और इस महीने के अंत तक रोटरी क्लब को किराए पर लेने की इच्छा रखती हैं।

एलिवेट रोटरेक्टर टास्क फोर्स की सिफारिशों के बाद, रो ई बोर्ड जो अक्टूबर में मिला था, ने रोटरेक्टरों की ऊपरी आयु सीमा को हटा दिया है जबकि रोटरेक्टर युवा वयस्कों के लिए इस बरकरार कार्यक्रम रखा गया है। इस निर्णय पर टिप्पणी करते हुए, हेबकु ने कहा कि जब रोटरेक्टरों के लिए ऊपरी आयु 30 थी, और 40 रोटरी में शामिल होने की सीमा थी, तो यह एक बड़ा अंतर था। जिन लोगों ने रोटरेक्टर छोड़ दिया था, वे केवल 10 साल बाद रोटरी से जुड़ सकते हैं। तब तक वे कहीं गायब हो गए। ''हमने पाया कि हम 95 प्रतिशत रोटरेक्टर खो रहे थे। इसलिए, इस निर्णय से रोटरेक्टरों को रोटारेक्ट में जारी रखने की अनुमति मिलती है जब तक कि वे रोटरी में शामिल होने के लिए तैयार नहीं होते हैं।''

डीजीई और डीजीएन को उन्होंने कहा, ''सदस्यता को मजबूत करने के लिए इस अवसर का उपयोग करें। रोटरेक्टरों को समान समझें। इसका

2016 में, हमने पाया कि केवल 5 प्रतिशत रोटरेक्टर रोटेरियन में बदले। इससे हमें झटका लगा।

जेन्नीफर जोनस
टीआरएफ ट्रस्टी

मतलब है, उन्हें भी उपयुक्त स्थान दिया जाए - जिला सम्मेलन, परियोजनाओं में सत्र का संचालन और वास्तव में इससे फर्क पड़ेगा। वे केवल भारी बोझ उठाने के लिए गार्ड नहीं हैं। वे भारत में, और दुनिया भर में रोटरी को कैसे आगे बढ़ा सकते हैं, इसके लिए नेतृत्व हेतु जबरदस्त विचार, ऊर्जा प्रदान कर सकते हैं।''

संघवी ने पूछा श्रीजीत, क्या आप अभी भी रोटरी क्लब खोलना चाहेंगे या आप रोटरेक्टर के रूप में रहना चाहेंगे। श्रीजीत ने कहा, ''जब मैं रोटरेक्टरों में शामिल हुआ तो यह फेलोशिप, व्यावसायिक विकास और नेतृत्व से कहीं अधिक था। अब हम रोटरेक्ट की ओर बढ़ रहे हैं जो समान रूप से सेवा पर जोर दे रहा है। मुझे लगता है कि हर किसी को अपने भीतर की आवाज को सुनना चाहिए। आप 30 या उससे अधिक के हो सकते हैं। लेकिन आपको पता चल जाएगा कि यह अगले स्तर पर आगे बढ़ने का समय है। मुझे लगा कि यह परिवर्तन एक दोहरी सदस्यता है। आप में से कुछ रोटरेक्टर के रूप में जारी रखने का सोच सकते हैं और निश्चित रूप से कुछ बिंदु पर आपको अंदर से आवाज सुनाई देगी। यह सीमाएं खोलता है और हमें सेवा के अवसर प्रदान करता है।''

पीडीआरआर शशवत देसाई, पीडीजी आशीष देसाई के बेटे और रो ई मंडल 3060 के डीजी बीना ने टिप्पणी की, हैरानी की बात है कि उम्र सीमा को हटाने का निर्णय को रोटरेक्टरों या रोटेरियन से बहुमत नहीं मिला। ''यह 30 तक की रहेगा यह आवश्यक नहीं है, और 35 तक बढ़ाई जा सकती है। लेकिन उम्र सीमा को परिभाषित करना होगा। क्योंकि रोटरेक्टर एक ऐसा मजेदार आंदोलन है जिसे कोई भी छोड़ना नहीं चाहेगा। अंततः मैं हर रोटरेक्टर को

रोटारेक्टरों के साथ RID भरत पांड्या, DG सुरेश भसीन (बाएं से दूसरी)।

जुड़ने और जब वे आर्थिक रूप से सहज हो जाते हैं रोटरी के साथ आने की सलाह देता हूं।

15 साल पहले के डीआरआर और दूसरी पीढ़ी के रोटेरियन, हर्षवर्धन ने कहा, ''रोटरेक्ट का मूलतत्त्व उनकी युवावस्था में है। उम्र बढ़ाकर, आप युवाओं का मूलतत्त्व निकाल रहे हैं। इसे 30 से आगे ले जाना रोटरी के लिए प्रतिगामी होगा।''

आरआईपीएन मेहता ने निर्णयों पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, ''डीजी, डीजीई और डीजीएन अपने डीआरआर को अपनी सदस्यता समितियों में सदस्यों के रूप में शामिल करने के लिए सहमत हो गए हैं। बोर्ड ने रोटरेक्टरोंके लिए आयु सीमा को हटा दिया है, लेकिन यह किसी भी क्लब को आयु सीमा निर्धारित रखने से नहीं रोकता है। यदि एक रोटरेक्टर क्लब 35 या 40 की उम्र सीमा तय करना चाहता है, तो आप अभी भी ऐसा कर सकते हैं। मुझे लगता है कि हमारे पास दोनों दुनिया के सर्वश्रेष्ठ हैं।''

बोर्ड ने रोटरेक्टरों के लिए आयु सीमा को हटा दिया है, लेकिन यह किसी भी क्लब को आयु सीमा निर्धारित रखने से नहीं रोकता है।

RIPN **शेखर मेहता**

जेनिफर ने देखा कि रोटेरियन और रोटरेक्टर एक-दूसरे से कितना सीख सकते हैं और उन्होंने सार्वजनिक छवि पर ब्रेकआउट सत्र में अंतिम आईए में यह पहली बार देखा। ''जब डीजीई ने कहा कि रोटरेक्टर सोशल मीडिया के साथ मदद कर सकते हैं, तो भारत के एक रोटरेक्टर ने तुरंत जवाब दिया: हां, हम आपको तकनीक और सोशल मीडिया में मदद कर सकते हैं। लेकिन हम चाहते हैं कि आप हमें कहानी सुनाना सिखाएं। यह पल इतना शानदार था... यह विचार रोटेरियन और रोटरेक्टर के बीच क्रॉस-मेंटरशिप का है।''

उन्होंने कहा, रो ई की रोटरेक्टर-इंटरेक्शन कमेटी के पूर्व सदस्य रोटेरियन कार्तिक किट्टू द्वारा जाहिर किए गए एक अन्य बोर्ड के फैसले में कहा गया था कि अगर पांच रोटरेक्टर पूल में और 50 डॉलर का टीआरएफ में योगदान करते हैं, तो उन्हें सीधे टीआरएफ अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित एक प्रमाण पत्र मिलेगा। यह एक उल्लेखनीय निर्णय है। ''इससे पहले आपको केवल 1,000 डॉलर का योगदान करने पर प्रमाणपत्र मिलता था।''

निर्णय पर मिश्रित प्रतिक्रिया थी कि रोटरी क्लब को प्रायोजक रोटरी क्लब के बिना चार्टर्ड होने की अनुमति दी गई थी। श्रीजीत ने महसूस किया कि संस्था-आधारित क्लबों को प्रायोजक की आवश्यकता नहीं है, लेकिन समुदाय-आधारित क्लबों को ऐसे एक की आवश्यकता है।

लेकिन भुवा ने कहा कि प्रायोजक से दूर रहना बहुत अच्छा विचार नहीं था। उन्होंने कहा ''हम युवाओं का समूह हैं जो एक नए क्लब को किराए पर लेकर अध्यक्ष बनना चाहते हैं। ऐसे में क्लब की स्थिरता कम हो जाएगी। इसके अलावा अगर रोटरी क्लब एक रोटरेक्टर क्लब को प्रायोजित कर करेगा, तो रोटरी उन्हें कम से कम प्रारंभिक चरण में की संभाल लेगा।''

पूर्व आरआईपीएन मेहता, आरआईडीएस पांड्या, सांघवी और हेवको ने संक्षिप्त सत्र में रोटरेक्टर को संबोधित किया। पांड्या ने कहा, ''हमारे देश में रोटरेक्टर बढ़ रहा है। लेकिन आपको अपने पदों को गंभीरता से लेना चाहिए'' और सदस्यता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, कई क्लबों में, यह केवल कागज पर ही है और बेहतर लाभ के लिए प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना आवश्यक है।

चित्र: जयश्री

पृथ्वी को वह सब वापस लौटाएं, जो आपको उससे मिलता है: रविशंकर

वी मुत्तुकुमारण

वी मुत्तुकुमारण

रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्ड के पूर्व अध्यक्ष डी रविशंकर के साथ (बाएं से) PDG सुरेश हरि, रो ई अध्यक्ष मार्क मेलोनी, RID भारत पांड्या और DG समीर हरियाणी।

मिट्टी के कायाकल्प के वैश्विक प्रयासों के तहत, इंदौर संस्थान में डी रविशंकर, आईपीपी, रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चिड्स ने कहा कि रो ई मंडल 3190 ने "हमारे ग्रह के पोलियो को मिटाने" हेतु *कोटि नाती* (एक करोड़ पौधे लगाकर) परियोजना शुरू की है।

उन्होंने कहा "जब भी रोटेरियन मुझे ₹100 करोड़ रुपये के दाता के रूप में संदर्भित करते हैं, तो मैं हर बार घबरा जाता हूं। इसके बजाय मुझे खुशी होगी अगर आप मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के रुप में पहचाने जिसने पर्यावरण की रक्षा के लिए काम किया हो। जीवन पैसे से बहुत अधिक अनमोल है और हम समाज को वापस देने के दर्शन का पालन करते हैं, क्योंकि आखिरकार समाज ने ही हमें धन हासिल करने में मदद की।" उनके क्लब ने हाल ही में 126 हैप्पी स्कूल, 145 प्लेस्कूल और 45 आंगनवाड़ियों का कार्य पूरा किया है, जिससे हर साल 10,000 छात्रों को लाभ मिलता है। जबकि *कोटि नाती* को कर्नाटक में 10 मिलियन पौधे लगाने हेतु चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। "हमने पहाड़ी इलाकों में 10 करोड़ सीड बॉल के संवितरण और राज्य भर में सूख चुकी नदियों तथा तालाबों को पुनर्जीवित करने की पहल की है। पूर्व आईएएस अधिकारी के. अमरनारायण को *कोटि नाती* के परियोजना समन्वयक के रूप में शामिल किया गया है। हालांकि, पिछले साल (2018-19), रो ई मंडल 3190 कर्नाटक की राजनीतिक उथल-पुथल के कारण कुशल जनशक्ति की कमी की वजह से कोलार और चिक्कबल्लपुर जिले में केवल 38 लाख पौधे लगा सकी।"

उन्होंने कहा, रोटरी केंद्र और राज्य सरकारों के बीच एक मध्यस्थ की भूमिका निभा रही है। केंद्र सरकार राज्य सरकारों को MNREGA के फंड जारी करती है, जो जिला परिषद तथा ग्राम पंचायतों के माध्यम से किसानों तक पहुंचाए जाते हैं, जो रोटरी और अन्य गैर-सरकारी संगठनों द्वारा प्रशिक्षित हैं। रविशंकर ने कहा, सभी 39 रो ई मंडल स्थानीय एनजीओ और संबंधित राज्य सरकारों के साथ गठजोड़ करके कोटि नाती परियोजना को अपना सकते हैं।

रो ई मंडल 3190 इस महत्वाकांक्षी हरित मिशन को लागू करने के लिए आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन और अन्य गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग कर रहा है, जो किसानों तथा ग्रामीणों को वर्ष भर के लिए रोजगार प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। "प्रत्येक किसान को अपने गांवों में पौधे लगाने के लिए ₹250-300 का दैनिक वेतन मिलेगा।"

टीआरएफ में योगदान के बारे में बात करते हुए, उन्होंने बताया कि रोटेरियन के बीच स्पष्ट समझ का अभाव है कि हमें दान देने की आवश्यकता क्यों है, हमारा पैसा कहां जाता है और रोटरी परियोजनाओं को फंड देने के लिए इसे डीडीएफ और वार्षिक फंड के रूप में कैसे वापस भेजा जाता है। उन्होंने इंगित किया कि, "रोटरी तभी दुनिया से जुड़ सकती है जब वह सबसे पहले प्रकृति से जुड़े। हम दुनिया को बेहतर तभी बना सकते हैं जब यह पृथ्वी को बचाने से जुड़ा हो।" ■

एक बेहतर दुनिया के सृजन हेतु वार्षिक फंड की आवश्यकता

वी मुत्तुकुमारण

वी मुत्तुकुमारण

TRF ट्रस्टी सईजी किटा अपनी पत्नी नोबुको के साथ। चित्र में (बाएं से) TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवती, माधवी और RID भरत पांड्या शामिल हैं।

2019-20 के लिए 400 मिलियन डॉलर का फंड जुटाने के लक्ष्य के साथ फाउंडेशन ने 140 मिलियन डॉलर के वार्षिक फंड के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्रत्येक रोटेरियन को कम से कम 100 डॉलर का योगदान करने को कहा है। इंदौर इंस्टीट्यूट में जापान के टीआरएफ ट्रस्टी सैजी किता ने कहा, ''वार्षिक फंड टीआरएफ की जीवन को बदलने वाले कार्यक्रमों तथा परियोजनाओं को जारी रखने की क्षमता हेतु महत्वपूर्ण है।''

किटा ने ''*रोटरी फ़ाउंडेशन के साथ कनेक्ट* विषय पर अपने भाषण के दौरान कहा कि, दुनिया भर में लगभग 80 प्रतिशत रोटरी क्लब वार्षिक फंड देते हैं और भविष्य में इसमें वृद्धि होने का लक्ष्य रखा गया है। पोलियो को खत्म करने के लिए रोटरी की पहली प्राथमिकता बनी रहेगी, क्योंकि हमें पोलियो मुक्त दुनिया में हर बच्चे के प्रति अपना वादा पूरा करना है और यह काम पूरा है।''

पोलियो की कहानी साझा करें

उन्होंने रोटेरियन से आग्रह किया कि ''इस बीमारी को समाप्त करने हेतु रोटरी की भूमिका के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिए हमारे समुदायों में पोलियो उन्मूलन की अद्भुत कहानी साझा करें। इससे हमारे वर्तमान कार्य की सफलता सुनिश्चित होगी और भविष्य के उपक्रमों हेतु विरासत बनाने में इस सफलता का लाभ मिलेगा।'' विश्व पोलियो दिवस (24 अक्टूबर) पर रोटरी का ऑनलाइन ग्लोबल अपडेट फेसबुक पर प्रत्येक टाइम जोन तथा विभिन्न भाषाओं में स्ट्रीम किया गया। ''ऑनलाइन अपडेट को 176,400 बार देखा गया और 5,790 कार्यक्रमों को पंजीकृत किया गया, जिनमें से 187 भारत से थीं।''

पोलियो के लिए इस वर्ष फाउंडेशन का लक्ष्य 50 मिलियन डॉलर जुटाने का है, और यदि यह लक्ष्य पूरा हो जाता है, तो गेट्स फाउंडेशन 100 मिलियन डॉलर के अपने लक्ष्य को पूरा कर लेगा, जिससे पोलियो के लिए कुल फंड 150 मिलियन डॉलर हो जाएगा।

किता ने रोटरी जिलों को जिला अनुदान, वैश्विक अनुदान के माध्यम से या पोलियोप्लस तथा रोटरी पीस सेंटर्स में योगदान देकर पूरी तरह से डीडीएफ का उपयोग करने के लिए कहा। उन्होंने कहा 'लपरिवर्तन हेतु साझेदारी बनाने के लिए इन फंड का उपयोग करने के कई तरीके हैं।'' 150 मिलियन डॉलर के पोलियो फंड और 140 मिलियन डॉलर के वार्षिक फंड

के अलावा, फाउंडेशन ने एकमुश्त उपहार तथा प्रतिबद्धताओं में एंडोमेंट फंड हेतु 75 मिलियन डॉलर का शुद्ध लक्ष्य रखा है, जबकि वैश्विक अनुदान फंड और अन्य विदेशी उपहार 35 मिलियन डॉलर के आंकड़े तक पहुंचने वाला है, जिसे कुल मिलाकर इस वर्ष 400 मिलियन डॉलर का कुल फंड जुटाने का लक्ष्य हो जाता है।

पिछले साल, फाउंडेशन ने 395 मिलियन डॉलर का फंड प्राप्त किया, जिसके कारण 380 मिलियन डॉलर के फंड जुटाने का लक्ष्य पूरा हो गया है।

टीआरएफ एंडोमेंट

कुल संपत्ति में न्यूनतम 1 बिलियन डॉलर के साथ रोटरी का लक्ष्य 2025 तक 2.025 बिलियन रोटरी का टीआरएफ एंडोमेंट का लक्ष्य है। उन्होंने कहा ''कल्पना कीजिए कि हम 2 बिलियन डॉलर के एंडोमेंट से कितने अच्छे कार्य कर पाएंगे। निवेश से होने वाली कमाई से रोटेरियन को हर तरह की जीवन बदलने वाली परियोजनाएं के लिए लगभग 100 मिलियन डॉलर प्रति वर्ष मिलेंगे।''

अमेरिका में चैरिटी के शीर्ष मूल्यांकनकर्ता चैरिटी नेविगेटर ने लगातार 11वें साल टीआरएफ को सर्वोच्च 4-स्टार रेटिंग दी है। उन्होंने कहा, ''यह रेटिंग हमारे मजबूत वित्तीय स्थिति और जवाबदेही तथा पारदर्शिता हेतु हमारी प्रतिबद्धताओं को दर्शाती है। हजारों चैरिटी में से केवल एक प्रतिशत ने ही इस तरह का सम्मान प्राप्त किया है।''

रोटरी इंडिया शताब्दी

जनवरी 2020 में रोटरी क्लब कलकत्ता की 100वीं वर्षगांठ मनाने के अवसर पर सैजी किता ने भारत में रोटरी के लीडरों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि, ''यह आयोजन आपके अद्भुत इतिहास का जश्न मनाने का एक शानदार अवसर होगा। भले ही उत्तर अमेरिका और दुनिया के अन्य हिस्सों में सदस्यता घट रही है, इसके बावजूद भारत की 150,000 सदस्यता अभी भी बढ़ रही है, जिसका अर्थ है कि यह देश सभी एशियाई क्षेत्रों में नेतृत्व की भूमिका निभाता है।''

पिछले साल, फाउंडेशन ने 395 मिलियन डॉलर का फंड प्राप्त किया, जिसके कारण 380 मिलियन डॉलर के फंड जुटाने का लक्ष्य पूरा हो गया है। वर्ष के दौरान, टीआरएफ 86.6 मिलियन डॉलर मूल्य के 1,403 वैश्विक अनुदान तथा 26.3 मिलियन डॉलर मूल्य के 494 जिला अनुदानों से सम्मानित किया गया। ■

IIW अध्यक्ष बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं बीना व्यास

21 मार्च, 2020 तक, डॉ बीना व्यास जयपुर में इंटरनेशनल इनर व्हील (IIW) कन्वेंशन की अध्यक्षता करेंगी, जो इस प्रतिष्ठित पद तक पहुंचने वाली सातवीं भारतीय महिला हैं। वर्तमान में इसकी उपाध्यक्ष, बीना ने कहा कि पहली बार भारत इस वैश्विक सम्मेलन की मेजबानी करेगा। ब्रिटेन के मैनचेस्टर में 1924 में शुरू किया गया, इनर व्हील 104 देशों में मौजूद है, जिसकी वैश्विक सदस्य संख्या एक लाख से अधिक है।

वी मुत्तुकुमारण

IIW की उपाध्यक्ष डॉ बीना व्यास का सम्मान समारोह, (बाएं से) चित्र में सोनल संघवी, माधवी पांड्या, राशी मेहता, वानती रवीन्द्रन, PDG मयूर व्यास और RID भरत पांड्या शामिल हैं।

आई.आई.डब्ल्यू. का यूएन के साथ घनिष्ठ संबंध है और भारत में उन्होंने एक फ्लैगशिप कार्यक्रम में 1,570 गाँवों को अपनाया है। उन्होंने कहा, ''भारत में 1,350 क्लबों में 46,000 सदस्य हैं जो 27 IW जिलों में विभाजित हैं। हमारा मंत्र भारत को अनाथ-मुक्त करना है जिसे हम एक दशक या थोड़े और समय में हासिल कर लेंगे।

पोलियो और साक्षरता परियोजनाओं में ''हमारी महिलाएं रोटेरियन की तुलना में कहीं अधिक सक्रिय हैं। पोलियो उन्मूलन के प्रयासों में हम 25 वर्षों से रोटरी से जुड़े हैं और साक्षरता कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदार हैं।''

बीना ने कहा, जैसा कि IW क्लब रोटरी के साथ हैंड-इन-हैंड्स रुप में प्रोजेक्ट कर रहे हैं, ''रोटरी से मेरा अनुरोध है कि IW को सेवा में आपके 'भागीदार के रूप में पहचानें' जो हमारी छवि को और अच्छा बनाएगा। वो रोटरी क्लब आनंद मिल्क सिटी, रो ई मंडल 3060 के चार्टर अध्यक्ष भी हैं। अपने पति, पीडीजी मयूर व्यास के नैतिक समर्थन के साथ, वह अंतरराष्ट्रीय महिलाओं के आंदोलन का नेतृत्व करने हेतु तत्पर हैं। ■

संक्षिप्त बातें

रशीदा भगत

एक अश्रुपूर्ण विदाई

एक रो ई निदेशक के लिए किसी ज़ोन सम्मेलन के कुशल नियोजन एवं सफल क्रियान्वयन का क्या मतलब होता है इस बात का पता इंदौर सम्मेलन के प्रतिभागियों को तब चला जब उस पाँच-दिवसीय शानदार सम्मेलन के समापन पलों में, रो ई निदेशक भरत पांड्या उनके अध्यक्ष और करीबी मित्र पीडीजी टी एन सुब्रमण्यम को इसे सम्पन्न करने में मदद करने हेतु धन्यवाद देते वक्त टूट गए।

पांड्या ने बहुत ही सख्त तरीके से इसका प्रबंध किया, और वह समय को लेकर विशेष रूप से सख्त थे, जब जरूरत हुई तब अनुदेश दिये या रूखी/भद्र टिप्पणी भी की, जिसके परिणामस्वरूप ज़्यादातर समय का पालन किया गया, जो कि मेरे द्वारा भाग लिए गए एवं *रोटरी न्यूज़* के लिए कवर किए गए पिछले पांच इंस्टिट्यूटों में कुछ असामान्य बात थी।

उनकी बाज़ जैसी नज़रों ने यह सुनिश्चित किया कि जिन्होंने भी इस कार्यक्रम की योजना बनाने और उसे कार्यान्वित करने में मदद की उन्हें पर्याप्त रूप से धन्यवाद दिया जाए और घर ले जाने के लिए एक स्मृति चिन्ह दिया जाए। लेकिन उनका अत्यंत कुशल एवं व्यावहारिक व्यक्तित्व उस वक्त पिघल गया जब रोटरी जगत में राजू सुब्रमण्यम के नाम से मशहूर इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष को धन्यवाद देने की बारी आई। ना ही पंड्या और ना ही सुब्रमण्यम अपने आंसुओं को रोक पाए, और माधवी भी इस भावुक क्षण में स्वयं को रोक ना सकीं।

इंस्टिट्यूट के अंतिम दिन रात्रिभोज और दोपहर के भोजन पर हुई चर्चाओं से, यह स्पष्ट हो गया कि कायर्क्रम का व्यवस्थापन, शहर का चुनाव, विभिन्न सत्र और विशेषरूप से पेश किए गए भोजन ने दर्शकों का दिल जीत लिया। ''भरत और माधवी दोनों ने जो विनीत भाव दिखाया वह अतुलनीय था; माधवी ने दरअसल हम में से प्रत्येक को व्यक्तिगत रूप से एक छोटा सा उपहार दिया; मेरे दिल को यह भाव सच में छू गया,'' एक सहयोगी ने कहा।

एनर्जी बेनर्जी

इंदौर इंस्टिट्यूट में शेखर मेहता का अभिनन्दन करते हुए, PRIP कल्याण बेनर्जी ने कहा यद्यपि ''हम सभी जानते थे कि एक दिन हमारा शेखर रो ई का अध्यक्ष जरूर बनेगा, लेकिन हम में से किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था कि वह पहले ही प्रयास में ऐसा कर दिखाएगा। वह हमेशा जल्दी में होता है, हमेशा व्यस्त; जब वह कुछ करना चाहता है तो वह बस जाता है और उस कर देता है। और जहाँ भी वह जाता है राशी हमेशा उसके साथ होती है, उसे संतुलन प्रदान करती है और रात के दो बजे तक कार्य करने, तीन घंटे सोने और फिर अगली सुबह 6 बजे की फ्लाइट पकड़ने की हिम्मत प्रदान करती है। वहाँ वह लोगों से

बाएं से: *विद्या सुब्रमण्यम, केंद्रीय कपड़ा मंत्री और महिला बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी और RIPN शेखर मेहता। चित्र में PRID अशोक महाजन, नयनतारा, PRID वाई पी दास, मंजु और RIDN ए एस वेंकटेश की पत्नी विनीता।*

बाएं सेः माधवी, RID भरत पांड्या, PDG टी एन सुब्रमण्यम और विद्या।

मिलता है, दिनभर बैठकों को संबोधित करता है, बीच में थोड़ा बहुत पिज्जा और पानी पुरी खाता है और फिर रात के 2 बजे तक काम करता है। जब मैंने 10 वर्ष पूर्व शुरुआत की थी, तो मुझे 'एनर्जी बेनर्जी' कहा जाता था, लेकिन शेखर अपने अलग ही दर्जे पर है।'' और वह दूसरों को भी उनके हिसाब से आगे बढ़ने देता है; ''वह वास्तव में एक अद्भुत प्रेरक है। उसे अपने जीवन का उत्साह कहाँ से प्राप्त होता है मुझे नहीं पता लेकिन वह जानता है कि जब नए RIPN के रूप में उसके नाम की घोषणा की गई, तो सभी रोटेरियनों को ऐसा लगा कि वे सभी स्वयं अध्यक्ष बन गए है।''

बेनर्जी ने आगे कहा: वे ''कहते है कल एक नया सवेरा आएगा लेकिन जब वह खुद को रोई अध्यक्ष की भूमिका में डुबो देने के लिए तैयार करते है, तो हमें अपने सीट बेल्ट कसकर एक यात्रा पर जाने हेतु तैयार रहने की जरूरत होती है। यह कोई जाकर-आने वाली यात्रा नहीं होती, बल्कि केवल ऊंचा, ऊंचा और ऊंचा उठने वाली होती है।''

मलोनी का मेहता से एक वादा

अपनी अद्वितीय शैली में रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी ने इंस्टिट्यूट में हल्की-फुलकी बातों के साथ अपना उद्घाटन भाषण शुरू किया। RIPN शेखर मेहता और राशी को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि इवेंस्टन में, रो ई के पास दो निवास है, एक अध्यक्ष के लिए और एक अध्यक्ष मनोनीत के लिए... आप किसी एक निवास में आ जाइए और दो वर्षों तक रहिए। वहाँ पर अध्यक्ष और अध्यक्ष-मनोनीत के लिए कोई निवास नहीं है। इसलिए शेखर और राशी 14वीं मंजिल पर स्थित मेरे और गे के निवास में जाएँगे; होल्गर (नेक) और सुज़ैन 13वीं मंजिल पर निवास करते है। इसलिए आगामी जुलाई में, शेखर और राशी हमारे निवास में जाएँगे और गे और मैंने वादा किया है हम उस निवास को गन्दा नहीं करेंगे जहाँ वे रहने आएंगे।''

एक बेहद लंबी यात्रा

अध्यक्ष मलोनी ने बताया कि यह हमारी 30 दिवसीय यात्रा का 21वाँ दिन था। ''यह हमारी अध्यक्षीय यात्राओं की अब तक की सबसे लंबी यात्रा है और शायद आगे होने वाली यात्राओं में भी यही सबसे लंबी रहेगी। जैसा कि आप देख सकते है मैं कुछ समय से अपने नाई के पास नहीं गया। मैं परिचय वीडियो की तस्वीरें देख रहा था और सोचा कि यह कितना सुन्दर व्यक्ति है और फिर मैंने स्वयं को साक्षात देखा और सोचा: 'ज़रा रुको, यह संश्यी व्यक्ति कौन है?' खैर, यह रो ई अध्यक्ष बनने की चुनौतियों में से एक है।''

इस यात्रा में, उन्होंने आगे कहा, वे दुनिया का चक्कर लगा रहे थे। ''गे और मैं अलग-अलग निकले थे; गे अलबामा, और मैं इवेंस्टन से। हमें लोंस एंजिल्स में मिलना था और फिर जापान में कोबे की यात्रा करनी थी लेकिन गे को फ्लाइट की कुछ परेशानी थी और मैं उसे दोबारा तब तक नहीं देख पाया जब तक हम कोबे में जापान इंस्टिट्यूट में नहीं मिले।''

इसके बाद, वे फिर से पैसिफ़िक को पार करते हुए पनामा इंस्टिट्यूट पहुँचे और फिर से तीसरी बार पैसिफिक को पार करके कोरिया इंस्टिट्यूट गए, ''वियतनाम की यात्रा की, और इंदौर आ गए और घर जाने के पूर्व हम तुर्की के तीन मंडलों का दौरा करेंगे। ऐसा लग रहा था कि गे और मैं दुनियाभर में मौजूद प्रत्येक व्यावसायिक एयरलाइन में उड़ने का प्रयास कर रहे है।''

आसपास बहुत सारी राज-नीतिक सलाह दी जा रही है

इंदौर इंस्टिट्यूट में, केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी सबसे लोकप्रिय वक्ताओं में से एक थी और अपने तीखे उत्तरों एवं परिहास युक्त प्रत्युत्तरों से उन्होंने दर्शकों को प्रभावित किया। दर्शकों के बीच बैठे DRR गण की सहमति भरी गर्जना के बीच ईरानी ने खुलासा किया कि वह भी एक रोटरेक्टर थी। जब उनसे युवाओं को एक सलाह देने के लिए कहा गया, उन्होंने कहा सलाह देने के लिए, वह

पहले ही 43 वर्ष की हो चुकी है और उन्हें नहीं पता कि वह ऐसा करने के लिए पर्याप्त युवा है या नहीं (''हालाँकि उम्र केवल मानसिकता का खेल है, और मुझे यकीन है कि दर्शकों में बैठे बहुत से सफ़ेद-बालों वाले लोग मेरी इस बात से सहमत होंगे''), और वैसे भी आसपास राजनेताओं द्वारा बहुत सारी सलाह दी जा रही है, लेकिन ''मैं एक विनती करना चाहूंगी। हम अगली औद्योगिक क्रांति में नेतृत्व करने के लिए तैयार है। लेकिन क्या हम केवल तकनीक के उपभोक्ता बनना चाहते है या उसके मालिक? भारत में कितनी तकनीकी कंपनियाँ है जिन्हें महिलाएं संचालित कर रही है?''

साथ ही, विज्ञान और गणित में अधिक महिलाओं को आने की जरूरत है। ''ग्रामीण भारत के युवाओं की बात करें तो, आइये उनके मन में नवप्रवर्तन के भाव जगाएं; ऐसे बहुत से लोग होंगे जो पहले से ही नई खोज कर रहे है लेकिन वे नहीं जानते कि उसे एक उद्यम में कैसे बदलना है। यदि आप उनके विचारों का वाणिज्यीकरण करने में उनकी मदद कर सकते है, तो यह एक कदम आगे बढ़ाने जैसा होगा। यह केवल एक विनती है सलाह नहीं!''

होनोलुलु कन्वेंशन की घोषना करते हुए (बाएं से) रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी, गे, PRID पी टी प्रभाकर और RID भरत पांड्या।

होनोलुलु में कुछ पूर्ण बैठकें

होनोलुलु के सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत के रोटेरियनों को आमंत्रित करते हुए, अध्यक्ष मलोनी ने कहा यह होनोलुलु का दूसरा रोई सम्मेलन होगा, पहला 1969 में आयोजित किया गया था, और हवाई का आनंद उठाने के लिए अधिक लचीलेपन के साथ एक नई समय-सारणी तैयार होगी। ''हम मूर्ख नहीं है। हम जानते है कि लोग सम्मेलन केंद्र के अंदर होने के बजाए समुद्र तट पर होना चाहेंगे। इसलिए वहाँ पर पूर्ण सम्मेलन कम होंगे और ब्रेकआउट सत्र भी दिन की शुरुआत में समाप्त हो जाएंगे ताकि आप होनोलुलु और हवाई का पूर्ण आनंद उठा सकें।''

बाएं से: *PRID मनोज दिसाई, PDG गण हितेश जारीवाला, शरत जैन, PRIP कल्याण बेनर्जी और बिनोटशा।*

बचाना... और देना

इंस्टिट्यूट के दौरान टीआरएफ रात्रिभोज पर, जहाँ पीडीजी जे बी कामदार और मर्लीन को एक उच्च स्तर पर AKS सदस्यों के रूप में शामिल किया गया (500,000 डॉलर के योगदान के साथ अध्यक्ष के स्तर पर), कामदार ने कहा मर्लीन और वह कई मायनों में धन्य थे। मामूली साधनों वाले परिवारों में जन्म लेने के बाद भी, ''हम एक ऐसे माहौल में बड़े हुए जहाँ हमारे बड़े-बुजुर्गों के कारण हमेशा दिल की समृद्धि और हमारे पास जो कुछ भी है उसे साझा करने की धारणा मौजूद थी। हमने बचाना और उस बचे हुए को दूसरों के साथ साझा करना सीखा।''

उन्होंने इस प्रवर्तन पर भी कुछ पैसे बचाए थे, उन्होंने आगे कहा। टीआरएफ न्यासी गुलाम वाहनवटी ने ''हमें इवेंस्टन या फिर यहाँ पर शामिल होने का विकल्प दिया। हम दोनों के लिए इवेंसटन तक बिज़नेस क्लास में उड़ान भरने की लागत करीब ₹10 लाख आएगी। हमने उस पैसे को बचाया... शायद गुलाम इसे वार्षिक कार्यक्रमों के लिए इकट्ठा करेंगे।''

बचाने का एक अन्य अनोख तरीका, कामदार ने आगे कहा, ''जिन्हें महंगे समुद्री पर्यटन और घड़ियों का शौक है, वहीं मर्लीन को आभूषणों का शौक है, यह निर्णय लेना था कि मैं टीआरएफ को अपना पैसा दे दूंगा और वह अपने पैसों से मेरे लिए महँगी घड़ियाँ खरीदेगी।''

चित्र: रशीदा भगत

पॉल हैरिस के घर को बचाने की एक अपील

रशीदा भगत

रोटरी के संस्थापक पॉल हैरिस और उनकी पत्नी जीन के शिकागो स्थित घर कोमली बैंक, ''जहां वे 1945 में पॉल की मृत्यु तक रहे, और जहां रोटरी का जन्म हुआ और उसकी बहुत सी शुरुआती बोर्ड बैठकें सम्पन्न हुई, 20वीं सदी की शुरुआत में बना होने के कारण, बर्बाद हो रहा था, और स्थानीय निकाय द्वारा उसे ढहाया जाने वाला था। उस समय, कुछ 15 वर्ष पूर्व, कुछ समर्पित रोटेरियनों ने इसे सुधार कर और इसे पुनर्जीवित करके इसे हमारे संस्थापक का अंतिम स्मारक एवं एक रोटरी विरासत बनाया,'' PRIP कल्याण बेनर्जी ने इंदौर सम्मेलन में कहा।

उस घर को बचाने एवं उसका नवीनीकरण करने के लिए दी पॉल हैरिस होम फ़ाउंडेशन नामक एक विशेष ट्रस्ट का सृजन किया गया जिसकी अध्यक्षता अब पीडीजी रोबर्ट न्यूफर करते है, जिन्होनें मंडल में सेवा दी थी और जो रोटरी वन, रोटरी क्लब शिकागो, के एक सदस्य थे।

न्यास आज दुनियाभर के रोटेरियनों एवं रोटरी क्लबों की ओर ''मदद के लिए आगे आने एवं 10 मिलियन डॉलर से अधिक इकठ्ठा करने के लिए देख रहा है ताकि कोमली बैंक की मरम्मत और उसके नवीनीकरण के लिए आवश्यक राशि जुटाई जा सकें, और साथ ही भविष्य में नगर करों एवं रखरखाव खर्चों के लिए भी पर्याप्त राशि बच सकें। जापान द्वारा 1 मिलियन डॉलर से अधिक की राशि देने के वचन के साथ ही योगदान मिलना शुरू हो गए है।'' रो ई क्लब इस निर्णय का समर्थन करता है और अध्यक्ष मार्क मलोनी मंडल के सदस्यों को शिकागो स्थित हैरिस होम दिखाने के लिए ले गए थे। लेकिन रोई इसके नवीनीकरण पर पैसा खर्च नहीं कर सकता क्योंकि प्रशासन के लिए सदस्यों की देय राशि की आवश्यकता होती है। ''इसलिए, हमें अलग से योगदान करने की आवश्यकता है; इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप कितना देंगे, लेकिन जितना भी आप देंगे, वह मददगार होगा। भवन के विभिन्न कमरों एवं क्षेत्रों के नामकरण के अवसर भी है और व्यक्तियों, क्लबों एवं मंडलों से दान सहर्ष स्वीकार किये जा रहे है,'' बेनर्जी ने आगे कहा।

योगदान सीधे पी एच होम फाउंडेशन (*www.paulharrishome.org* पर) को या टीआरएफ में पॉल हैरिस होम डोनर एडवाइज्ड फंड को भी दिए जा सकते है। उनके उदार योगदानों के लिए अपील करते हुए बेनर्जी ने कहा, ''यदि हम एक स्मारक को संरक्षित करना चाहते है जो हमेशा हमारे संस्थापक पॉल की यादों को सुरक्षित रखेगा, और रोटेरियनों की भावी पीढ़ी के लिए हमेशा एक रोटरी यादगार बनकर खड़ा रहेगा, तो कृपया आगे आइये और जितना आप कर सकते है उतना कीजिए।''

अधिक जानकारी के लिए रोटेरियन PRID सी भास्कर, रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्डस के पूर्व अध्यक्ष डी रविशंकर या स्वयं बैनर्जी से संपर्क कर सकते है, उन्होंने आगे कहा। ■

PRIP कल्याण बेनर्जी, PRID सी भास्कर और RID भरत पांड्या।

रशीदा भगत

मैं दक्षिण भारत में रोटरी का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं: शेखर मेहता

रशीदा भगत

रोटरी मंडल 3211 द्वारा की जा रही परियोजनाओं की गुणवत्ता और भव्यता पर अपनी प्रशंसा और आश्चर्य व्यक्त किया, रोटरी इंडिया के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में उन में से कुछ का उद्घाटन/अनावरण करते हुए RIPN शेखर मेहता ने कहा, रोटरी द्वारा अन्य भागों में किए गए कार्यों को मैं कम नहीं आंक रहा, पर शुरू से ही दक्षिण भारत में ''रोटरी का बड़ा भारी प्रशंसक रहा हूं। मैंने पाया कि दक्षिण में रोटरी वास्तव में समृद्ध है; दक्षिण की सदस्यता में हुई भारी वृद्धि पर नज़र डालें।''

रोटरी क्लब ऑफ पाला की चर्चा करते हुए - जो अकेले ही सरकारी अस्पतालों को ₹11.5 करोड़ की दवाइयां देने की परियोजना कर रहा है, उन्होंने कहा: ''यह अद्भुत है। केरल में बाढ़ पीड़ितों के लिए आपके द्वारा बनाए जा रहे 1,000 घर (जिनमें से 300 इस वर्ष बना दिए जाएंगे), पीडीजी जॉन डैनियल द्वारा संचालित - वाई डैनियल फाउंडेशन द्वारा दान की गई ₹1.75 करोड़ लागत की मोबाइल मैमोग्राफी वैन और स्वास्थ्य देखभाल, साक्षरता, आदि क्षेत्र में कई अन्य परियोज नाओं के साथ ही ये फाउंडेशन अतिरिक्त घरों का निर्माण भी कर रहा है, आप अत्यंत उत्कृष्ट सेवा के कार्य कर रहे हैं।''

उन्होंने रो क्लब पाला के आगामी अध्यक्ष, श्रीनिवास वाचापरम्पिल को मंच पर बुला कर सम्मानित किया, वे ₹11.5 करोड़ की दवा परियोजना के सूत्रधार हैं।

पुनः यह दोहराते हुए कि ''भारत में रोटरी रोटरी इंटरनेशनल के ताज में कोहिनूर के समान है,'' दुनिया में कहीं भी इतने बड़े पैमाने की सेवा परियोजनाएं ना तो चल रही हैं ना ही सदस्यता में इतनी अधिक वृद्धि की सूचना कहीं से मिली थी, मेहता ने रोटेरियनों से अपनी सेवा परियोजनाओं के साथ-साथ सदस्यता लक्ष्यों में वृद्धि करने का आग्रह किया। 4,000 सदस्यों वाले हर मंडल को 5,000 की संख्या पर जाना चाहिए, और फिर विकास को गति देने के लिए उस का विभाजन कर देना चाहिए। उन्होंने बांग्लादेश का उदाहरण दिया जिसमें एक समय केवल 3,000 सदस्य थे, ''लेकिन वे विभाजित हुए और पाँच वर्षों में ही 10,000 सदस्य हो गए। विभाजन के बाद रो ई मंडल 3230 का सच भी यही है। विभाजन से दिल तो टूटता है लेकिन ये विकास के हित में है।''

मेहता ने रो ई मंडल 3211 के पीडीजी एम रामास्वामी अय्यर को सर्विस अबॉव सेल्फ पुरस्कार से सम्मानित किया और गत वर्ष मंडल द्वारा पीडीजी ई के ल्यूक के नेतृत्व में बाढ़ पीड़ितों के लिए बनाये गए घरों और पीडीजी जॉन डैनियल की अपने वाई

RIPN शेखर मेहता और राशी (बाएं से) DG गण शेख सलीम (मंडल 3212), शिरीष केशवन (मंडल 3211) और PDG जॉन डैनियल।

PDG जॉन डैनियल और मीरा रोटरी के लिए एक मैमोबस, RIPN मेहता और राशी को सौंपते हुए। चित्र में DG शिरीष केशवन भी शामिल हैं।

डैनियल फाउंडेशन के माध्यम से की जा रही सेवा परियोजना के लिए उन की सराहना की। पीडीजी डैनियल ने मेहता को अपने फाउडेशन से ₹1.75 करोड़ की लागत वाली रोटरी मैमो वन सौंपी और बाढ़ पीड़ितों के अतिरिक्त घरों के निर्माण के लिए ₹25 लाख का चेक दिया।

रो ई मंडल 3211 की ओर से, डीजी सिरीश केसवन ने मेहता को 100 शैल्टर किट के लिए ₹6 लाख का चेक सुपुर्द किया।

मंडल द्वारा नियोजित व निष्पादित अन्य परियोजनाओं में शामिल हैं – ट्रॉमा देखभाल हेतु एक एम्बुलेंस, एक स्कूल बस, जरूरतमंदों के लिए डायलिसिस सेवा, एक ब्लड बैंक, वायनाड जिले में बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए नि: शुल्क दवाएँ, मानसिक रूप से विकलांगों के लिए एक भवन और 200 सिलाई मशीनें उपलब्ध कराने के लिए एक वैश्विक अनुदान (ग्लोबल ग्रांट)।

डीजी शिशिर केसवन और शेख सलीम (रो ई मंडल 3212) सहित कई पीडीजी द्वारा किये गए अभिनंदन और सम्मान के जवाब में मेहता ने कहा कि विभिन्न सम्मान समारोह में रोटरियनों द्वारा व्यक्त किये गए स्वाभाविक प्रेम और स्नेह से वह और राशी ''भाव विह्वल थे।'' रोटरी में चौथे भारतीय के शीर्ष पर पहुंचने में प्रत्येक रोटेरियन को जो खुशी मिली है वे उसे महसूस कर सकते थे। इसी वजह से जब रोटेरियन हमारे साथ तस्वीरें लेना चाहते हैं तो मैं

कोलकाता का सम्बन्ध – रो ई अध्यक्षों और नोबेल पुरस्कार विजेताओं से

RIPN शेखर मेहता ने अपनी इस धारणा को एक बार फिर से दुहराया कि रोटरी को, जो पोलियो को जड़ से उखाड़ फेंकने के कगार पर खड़ी है, नोबेल पुरस्कार मिलना ही चाहिए। ''जो कार्य हमने कर दिखाया है, उसके लिए हम पुरस्कार के अधिकारी हैं। आखिरकार, पिछले 2,000 वर्षों में आखिरकार, 2,000 वर्षों में दुनिया से केवल एक वैक्सीन-रोकथाम योग्य बीमारी का उन्मूलन किया गया है और पोलियो दूसरी बीमारी होगी। जब ऐसा होगा, तो हमें ज़बरदस्त प्रचार मिलेगा; हमें अपने बारे में बताने के लिए किसी के पास नहीं जाना पड़ेगा!''

रो ई अध्यक्ष पद की ओर रुख करने वाले सभी चार भारतीयों का कोलकाता से सम्बन्ध रहा है, जिस की अक्सर चर्चा होती है, इस का ज़िक्र करते हुए मेहता ने बताया कि सिटी ऑफ जॉय का सम्बन्ध ''उन भारतीयों से भी है जिन्होंने सर्वाधिक नोबेल पुरस्कार जीते हैं। एक बार फिर कोलकाता के अभिजीत बनर्जी को नोबेल पुरस्कार मिला है। वह मेरे ही स्कूल से पढ़े है और मुझसे दो साल जूनियर थे। कोलकाता से जिन अन्य भारतीयों को नोबेल मिला है उनमें रवींद्रनाथ टैगोर, मदर टेरेसा और अमर्त्य सेन के अलावा बनर्जी भी शामिल हैं। कौन जाने कब कोलकाता से ही अगला भारतीय फिर से इसे ग्रहण करे? मुझे विशेष श्रेय नहीं लेना, पर दुनिया में 1.2 मिलियन की ओर से किसी ना किसी को तो ये सम्मान प्राप्त करना ही होगा!'' तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उन्होंने कहा।

लेकिन, मेहता ने कहा, वर्षों से रोटरी की सदस्य संख्या 1.2 मिलियन सुन-सुन कर वह थक गए थे। ''आओ, इसे 1.3 मिलियन तक पहुंचाते हैं ... इन तीन वर्षों में यदि आप में से प्रत्येक ने एक सदस्य भी बनाया तो 2022 में जब मैं अपना कार्यालय पूरा करूंगा उस दिन भारत की सदस्यता हम 2.5 लाख पहुंचा सकते हैं।''

RIPN मेहता और राशी केरल पुनःनिर्माण में जिन आर्किटेक्टों ने रोटरी घर निर्मित किये उन्हें सम्मानित किया। चित्र में (बाएं बैठे हुए) DG सलीम, PDG ई के ल्यूक, DG केशवन और PDG जॉन डैनियल भी शामिल हैं।

खुशी-खुशी खिंचवाता हूं, क्योंकि 30 साल पहले, जब कोई रो ई अध्यक्ष मेरे क्लब या मंडल में आता था, तो मैं भी यही करता था!

शताब्दी व सम्मान समारोह कार्यक्रम के अध्यक्ष पीडीजी जॉन डैनियल की तारीफ करते हुए, RIPN ने कहा कि, 1200 लोगों को समारोह में आमंत्रित करना एक तरह से 5 समारोह एक साथ आयोजित करने के समान है! मंडल की सेवा परियोजनाओं, विशेष रूप से बाढ़ पीड़ितों के घर का निर्माण करने के लिए रो ई मंडल 3211 के डीजी सिरिश केसवन की प्रशंसा करते हुए, उन्होंने कहा, ''मुझे मालूम है कि एक घर बनाना कितना मुश्किल है; उन घरों का निर्माण कोई आसान काम नहीं है। आपदा में लोगों की मदद करने से बड़ा कोई और धर्मार्थ कार्य नहीं हो सकता। हम उसकी कल्पना भी नहीं कर सकते वे जिस कष्ट और विपत्ति से गुजरते हैं, और वे उन लोगों को हमेशा याद रखेंगे, जिन्होंने ऐन मुसीबत के वक़्त उनकी मदद की थी।''

रोटरी में 50 साल पूरे करने के लिए RIPN मेहता ने किया पीडीजी एम रामास्वामी अय्यर को सम्मानित।

अपने नामांकन पर, मेहता ने कहा कि उन्होंने इसकी कोई पूर्व योजना नहीं बनाई थी। दुर्भाग्य वश जब PRID सुशील गुप्ता ने अस्वस्थता के कारण मई में अध्यक्ष पद से अपना नाम वापस ले लिया, तो उन्होंने जून में अपना नाम प्रस्तावित करने का फैसला किया था। लेकिन इन दो महीने में ही सब कुछ घटित हो गया। कभी-कभी लोगों को कई साल लग जाते हैं। ''मेरे पिता बहुत बीमार हैं और आईसीयू जैसी नाज़ुक स्थिति में हैं; मेरा अनुमान था कि मैं अपना नाम दूंगा और फिर कुछ वर्षों तक कतार में रहूंगा ... मुझे नहीं मालूम था कि वे मुझे कतार में आगे धकेल देंगे।''

मेहता ने वहां एकत्रित रोटरियनों से एक अन्य लक्ष्य के लिए काम करने का भी आग्रह किया - दुनिया में रोटरी को शीर्ष सेवा संगठन का दर्जा दिलाना। यह सिर्फ तभी संभव होगा जब सम्पूर्ण विश्व में की जा रही रोटरी सेवा परियोजनाओं के मूल्य और परिमाण का डेटा संकलित किया जाए, विशेष रूप से भारत में, जहां ग़ज़ब के काम हो रहे हैं।

मिसाल के तौर पर, 29 दिसंबर को, ''कोलकाता में हम ₹25 करोड़ की लागत से 1000 बच्चों के लिए आवासीय स्कूल की परियोजना शुरू करने

आइये हम निर्माण के लिए, सेवा में पीडीजीयों को शामिल करें

मंडल के नेता RIPN मेहता और राशी का सत्कार करते हुए।

RIPN ने साक्षरता परियोजना को स्वास्थ्य निवारक, जल और स्वच्छता और आपदा प्रबंधन की संरचना में दोहराने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रत्येक क्षेत्र के लिए समन्वयक बनाए जा सकते हैं। ''अगर हम इन तीनों क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक संरचित नेटवर्क का निर्माण कर सके, तो लगभग 500 पीडीजी इस काम में शामिल हो जाऐंगे और यह भारत में किये जाने वाले धर्मार्थ कार्य की मूल प्रकृति, तरीके और उस का स्वरूप बदल देगा।''

इसके परिणाम स्वरुप ''राजनीति या चुनाव में अपेक्षाकृत कम पीडीजी शामिल होंगे क्योंकि खाली दिमाग शैतान का घर होता है। कई पूर्व मंडल अध्यक्ष शामिल होना चाहते हैं और सेवा करने की मंशा रखते हैं लेकिन उन्हें अवसर नहीं मिल रहा है। वे केवल रणजी ट्रॉफी मैचों में ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर खेलना चाहते हैं।''

उन्होंने अनुरोध किया कि जो पीडीजी और अन्य रोटेरियन स्वास्थ्य, जल या आपदा प्रबंधन में काम करना चाहते हैं, मुझसे संपर्क करें। ''हम निश्चित रूप से आपके लिए एक भूमिका ढूंढ लेंगे। आइए भारत में, हम सब मिल कर रोटरी के काम करने के तौर - तरीके बदलें। हम पहले से ही उत्कृष्ट काम कर रहे हैं और आज एक स्प्रिंगबोर्ड पर खड़े हैं; आइए हम यहां से एक लम्बी छलांग लगाएं।''

जा रहे हैं;'' जिसकी नींव उसी दिन रखी जाएगी। इसके पश्चात, 14-16 फरवरी से शताब्दी समारोह के दौरान, ₹50 करोड़ की लागत से 400-बिस्तर वाले अस्पताल की एक और परियोजना का शिलान्यास किया जाएगा।

वर्तमान मंडल अध्यक्षों ने इस शताब्दी वर्ष में ₹2,400 करोड़ की लागत वाली महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का संकल्प लिया था। इंदौर इंस्टिट्यूट में मेहता ने पूछा ''रोटरी की दुनिया में आप इतने बड़े स्तर की सेवा परियोजनाएं कहाँ देख पाते हैं?'' और बताया कि हम एक वेबसाइट शुरू करने जा रहे हैं, जिसमें हर क्लब अध्यक्ष अपने क्लब की परियोजनाओं का मूल्य अपडेट कर सकेगा। जिसके फलस्वरूप ''बहुत जल्द हम डेटा एकत्र करेंगे और उसे संकलित करेंगे और ऐसा करने वाले हम दुनिया के एकमात्र देश होंगे। रो इ अध्यक्षों को इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि हमने कितने अस्पताल या स्कूलों का निर्माण किया है या कितने चला रहे हैं। हमने कितनी बेंच और पुस्तकालय बनवाये हैं ... हम इसमें परिवर्तन करने जा रहे हैं।''

चित्र: रशीदा भगत

इंदौर के स्ट्रीट फ़ूड का मज़ा लेना

रशीदा भगत

जब आपको पत्रिका के लिए रोटरी ज़ोन इंस्टिट्यूट की कार्यवाही को कवर करना होता है, तो फिर चाहे सम्मेलन किसी भी शानदार शहर में क्यों ना आयोजित हो रहा हो, आप उस शहर को वास्तव में देखने या उसका अनुभव करने को हर तरह से अलविदा कह सकते है। जब तक कि आप आधी-रात को घूमने का शौक ना रखते हो, जो मुझे नहीं है!

तो जब रोई निदेशक भरत पंड्या के ज़ोन इंस्टिट्यूट की घोषणा इंदौर में की गई, तो पहली चीज़ जो हर किसी के दिमाग में आती है वह है इंदौर का मुँह में पानी ला देने वाला स्ट्रीट फ़ूड। जब बात स्ट्रीट फ़ूड की हो तो इंदौर का सराफा बाज़ार इसके लिए बहुत प्रसिद्द है। पहली, और एकमात्र, खाली शाम को हाथ से जाने नहीं देना था। शाम को एयरपोर्ट पर उतरते ही, अपने साथी

मुत्तु, जिसे शायद ही कोई खाने का शौक़ीन कह सकता है, क्योंकि वह पूरे वर्ष एक सादी सी सब्जी के साथ खुशी-खुशी थायिर सदाम (कढ़ी चावल) खा सकता है, के साथ जल्दी से चेक-इन करने के बाद, मैं अपने साथियों जयश्री और पीडीजी श्यामश्री सेन - दोनों ही पक्के स्ट्रीट फ़ूड प्रेमी - को साथ लेकर सराफा स्ट्रीट की तरफ चल पड़ी। मुत्तु हमारे साथ... एक उपभोक्ता से अधिक एक फोटोग्राफर, और खाने को लेकर हमारी होड़ के समीक्षक के रूप में था!

हमें चेतावनी दी गई थी कि इंदौर का स्ट्रीट फ़ूड केवल रात को 9 बजे के बाद ही मिलता है और हमने सराफ़ा बाज़ार, दिन में आभूषणों का बाज़ार, पर ठीक रात के 9 बजे के बाद यह जानने के लिए धावा बोल दिया कि वहाँ पर क्या-क्या मिल रहा है। पहली चीज़ जो आपको इस सड़क पर आकर्षित करती है वह है गुलाब जामुन से लेकर रबड़ी/फिरनी से लेकर जलेबी जैसे प्रलोभक मीठे पकवानों से भरे हुए बड़े-बड़े थाल

भुट्टे का कीस।

राबड़ी प्रस्ताव पर।

(संयोग से इंदौर में ही, मैंने नाश्ते की टेबल पर पीडीजी राजू सुब्रमण्यम से जलेबी और इमरती के बीच के अंतर को जाना)। और बेशक वहाँ पर... गाजर के हलवे से लेकर मूंग के हलवे के साथ ही गरमागरम मालपुए भी थे! मेरा यकीन मानिए, सराफे का आनंद उठाने के लिए एक पेट काफी नहीं है!

हम सबसे पहले सराफे में सबसे अनुशंसित चीज़ - गराडू - के लिए गए जो कंद से बना, तला हुआ और चटपटे मसाले के पाउडर से सुसज्जित होता है। वह ठीक था; इसने वास्तव में मेरी स्वाद कलिकाओं को उतना आनंदित नहीं किया। जिस चीज़ ने किया वह आलू के लच्छे थे, पतले कटे हुए लच्छेदार आलू जिनके ऊपर पनीर और चाट मसाला डालकर उसे स्वादिष्ट सुनहरे-भूरे रंग का होने तक तला गया था। यह कुरकुरेपन और नरम, और मसाले का आदर्श मिश्रण था।

खुशकिस्मती से, अगले स्टॉल पर नारियल का फ़ालूदा की पेशकश थी, जो

गर्म मालपुआ।

जब तक कि हमारी नज़रे पानी-पुरी वाले पर नहीं पड़ी। पानी की उतनी विविधता उपलब्ध नहीं थी जितनी की आपको अहमदाबाद में देखने को मिलती है, लेकिन पानी पुरी बहुत ही स्वादिष्ट थी और हमने बड़े ही चाव से उसे तब तक खाया जब तक हम खा सकते थे। और ये सब खाने में हमारे मुश्किल से 500 खर्च हुए होंगे, जिसमें नारियल के फ़ालूदे पर 250 के आसपास का खर्च शामिल नहीं है।

पूरी तरह से पेट भरने के कारण, हम पाव-भाजी, मोमोस, चाट और अन्य स्वादिष्ट पकवान बेचने वालों को केवल डाह भरी

थोड़ा निराशाजनक ढंग से, केवल नारियल पानी के साथ परोसा जाने वाला नर्म नारियल था, जो किसी को एक दक्षिण भारतीय स्वादिष्ट पकवान येलानीर पयासम (नरम नारियल पयासम) के लिए तरसा सकता है। इसके इतना आकर्षक ना होने के कारण, हमारा अगला स्टॉप जलेबीवाले का था जिसने हमें एक ताज़ा घान निकालकर देने की पेशकश की। उसके प्रस्ताव को स्वीकारा गया और उस प्यारी ठण्डी सर्दभरी शाम को वह गरमागरम स्वादिष्ट पकवान बड़े चाव से खाया गया।

चूंकि मुत्तु ने विनम्रतापूर्वक लगभग सभी चीज़ों को खाने से अस्वीकार कर दिया, और केवल अधिक परिचित नारियल पानी को ही चाव से पिया, और वह बस फोटो खींचने में ही खुश था, हम तीनों ने अधिक व्यंजनों की अपनी खोज जारी रखी और, भुट्टे का किस खाने के लिए रुके, जो काम चलाऊ था,

अलग स्वाद के पान।

मुंह में पानी लाने वाला गुलाब जामुन।

निगाहों से देखते हुए छोड़ते जा रहे थे, जब तक कि हम दिल्ली कुल्फी स्टाल पर ना आ गए। तब तक आधी रात हो चुकी थी, और हमने सर्वसम्मति से निष्कर्ष निकाला - हम चारों ने - कि एक स्वादिष्ट कुल्फी के बिना सर्द रात का मजा ही क्या आएगा? हमने दो आम और दो सीताफल की कुल्फी ली, और वह मुँह में जाते ही घुल गई। पूरी तरह से तृप्त, खुश और गुनगुनाते हुए आगे बढ़ने पर, हमारी मुलाक़ात झाल-मोरी का आनंद लेते हुए नेपाल के डीजी किरणलाल श्रेष्ठ से हुई। जल्द ही हमारी नज़रे विविध प्रकार के पान बेचने वाले स्टॉलों पर पड़ी। सुप्रसिद्ध धुएं वाला पान... जो आपके मुँह में आग लगा देता है और केवल बहादुर लोग ही इसे खाने की हिम्मत दिखाते है... बेशक वहाँ उपलब्ध था, लेकिन इसके साथ उतने ही आकर्षक अन्य पान भी मौजूद थी... जैसे चेरी पान, स्ट्रॉबेरी पान, चॉकलेट, आम, बटरस्कॉच, लीची पान... आप बस

फल का नाम लेते है और वह पान आपके सामने पेश हो जाता है।

नहीं, हमने पान नहीं खाए थे; आखिरकार इंदौर के सराफा में लौटने का कोई तो बहाना होना चाहिए।

अगर आप ध्यान दें, तो प्रत्येक दुकान पर झ़ूीा ठ कोड को स्कैन करके भुगतान करने की सुविधा थी, जिससे भुगतान करना बहुत आसान हो गया। कुछ विक्रेता जैसे कि सुशीला जिसने हमने भुट्टे का किस खिलाया था, यहाँ पर 15 सालों से है। उनमें से अधिकतर लोग जगह देने के बदले दुकान के मालिकों को 8,000 से 10,000 के बीच किराया देते है। लेकिन व्यापार अच्छा है, और जब आप उनकी रोज़ाना की कमाई के बारे में पूछते है, तो आपको केवल एक बड़ी सी मुस्कराहट मिलती है आंकड़े नहीं!

PDG श्यामाश्री सेन ने स्पैरल आलू का आनंद लिया।

जलेबी - ताजा और गर्म।

हालाँकि भोजन बहुत ही लाजवाब था, पर उससे भी अधिक खास बात यह थी कि सराफा जैसी जगह जहाँ पर रोज़ हर शाम हज़ारों लोग आते है, ने उचित रूप से सफाई बनाए रखी थी। जब आप कोई हाथ से खाने वाला पकवान खाते है, तो आपकी उँगलियों को पोछे जाने या धोए जाने की आवश्यकता होती है। लेकिन अधिकतर दुकानें पेपर नैपकिनों की पेशकश नहीं करती... महेश, युवा जलेबीवाला ने यह स्पष्टीकरण दिया: मेम, पेपर नैपकिन प्रदान करने में कोई समस्या नहीं है; समस्या यह है कि यहाँ पर आने वाले अधिकतर लोग पर्यटक होते है, और वह अपने हाथों को पोछकर सड़क पर नैपकिनों को फेंक देते है, और फिर नगर पालिका द्वारा हम पर जुर्माना लगाया जाता है।

यह एक अच्छा कारण है कि इंदौर का नाम कुछ वर्षों से भारत के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में सामने आ रहा है!

हमें बताया गया कि जब रात को 2 बजे इस बाज़ार का समापन हो जाता है, तो नगर निगम के सफाई कर्मचारी 15 मिनट के अंदर यहाँ आते है और अगली सुबह दुकानदार एक बढ़िया साफ़-सुथरे बाज़ार में आकर अपनी दुकानें खोलते है।

चित्र: रशीदा भगत और वी. मुत्तुकुमारण

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

अंतिम मील में एक साथ काम करें।

नी हाओ, रोटेरियन!

अक्टूबर में विएना में कुछ अद्भुत हुआ। केनियाई धावक एलिउड किपचोगे दो घंटे से भी कम समय में मैराथन दूरी - 26.2 मील - तय करने वाले इतिहास के पहले व्यक्ति बने।

अनेक वर्षों तक, विशेषज्ञों का मानना था कि यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि मानव शरीर में इस उपलब्धि को हासिल करने की क्षमता नहीं है। लेकिन किपचोगे सफल हुये क्योंकि एक असाधारण दल उनके साथ काम कर रहा था। उनके पास पेसर थे जो हर कदम उनके साथ चल रहे थे, और वे लोग थे जिन्होंने इस बात को सुनिश्चित किया कि वे ऊर्जावान एवं हायड्रेटेड बने रहे। हर कुछ मीलों की दूरी पर, नए धावक उनकी गति को बरकरार रखने और उनके लक्ष्य को हासिल करने में उनकी मदद करने के लिए भेजे गए। एलिउड किपचोगे की तरह, दुनिया को पोलियो मुक्त करने की रोटरी की मैराथन यात्रा में इसके अंतिम मील तक पहुँचने के लिए इसके पास एक बढ़िया सहायक दल है। कई सारे अद्भुत रोटेरियनों ने हमें अपने लक्ष्य के करीब लाने के लिए उनके समय एवं ऊर्जा का दान करके इस प्रयास को गति देने में मदद की है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने खतरनाक टाइप 3 पोलियो वाइरस को उन्मूलित प्रमाणित कर दिया है। यह बड़ी खबर है! अफ्रीका में खतरनाक पोलियोवाइरस तीन वर्षों से सामने नहीं आया है। इसे शीघ्र ही पोलियो-मुक्त प्रमाणित किया जा सकता है।

हमारी यात्रा का अंतिम मील बहुत कठिन है। पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान हमारे लिए बड़ी चुनौतियाँ है - लेकिन हमने पहले भी बहुत सी बड़ी चुनौतियों को पार किया है। जब कभी ऐसा लगा कि कोई लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता है, रोटेरियनों ने साथ मिलकर इसे हासिल किया है।

यह समय हमारा ध्यान खोने या यह सोचने का नहीं है कि दौड़ खत्म हो गई है। कल्पना कीजिये कि क्या होता यदि एलिउड किपचोगे के सभी पेसर्स अंतिम 2 मील के दौरान घर चले जाते? वह कभी भी इस लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाते। किसी कठिन काम को उसके अंजाम तक पहुँचाने के लिए एक विशेष योग्यता लगती है। कुछ ऐसे समय आते है जब हमें एक दूसरे की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। ताओ ते चिंग में, लाओजी ने लिखा है कि 1,000 मील की यात्रा एक कदम के साथ शुरू होती है। लेकिन यह खत्म भी एक कदम के साथ होती है। और उन अंतिम कदमों को उठाने में उतनी ही हिम्मत लगती है जितनी पहला कदम उठाने में लगती है।

आइये इतिहास बनाए, रोटरी - अंतिम रेखा पहुँच में है!

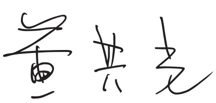

गेरी सी के हुआंग
फाउंडेशन ट्रस्टी अध्यक्ष

आइये और खरीददारी कीजिये

हैंक सार्टिन

6-10 जून तक होने वाले रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए होनोलुलु के आपके दौरे की स्मारिकाओं की जब बात आती है, तो हवाई के कारीगरों एवं शिल्पकारों ने आपका यह काम कर दिया है।

हवाई सम्मेलन केंद्र से दो ब्लॉक की दूरी पर स्थित आला मोआना सेंटर (ऊपर) एक खुली छत का शॉपिंग मॉल है, जिसमें एक अलग हवाई का गुण है। दोपहर 1 बजे होने वाले दैनिक हूला प्रदर्शनों में नृत्य की पारंपरिक एवं आधुनिक शैलियों दोनों को प्रदर्शित किया जाता है। और कोच एवं गुची जैसे खुदरा विक्रेताओं के अलावा, आपको माऊ डाइवर्स जूलरी पर मूंगे के गहने और आना क्विल्ट्स पर हस्तनिर्मित वस्त्र जैसी सुन्दर स्थानीय निर्मित चीज़ें देखने को मिलेगी।

यदि आप मोल-भाव करते हुए जबर्दस्त शॉपिंग का अनुभव करने के मूड में है, तो अलोहा स्टेडियम स्वैप मीट एंड मार्केटप्लेस के लिए समय निकालिए, जहां 400 से अधिक स्थानीय व्यापारी उनके सामानों का प्रदर्शन करते है, जिनमें हस्तनिर्मित चीज़ें एवं कलाकृतियाँ शामिल होती है। स्वैप मीट एंड मार्केटप्लेस बुधवार, शनिवार और रविवार को खुलता है। वहाँ पर मिलने वाले स्थानीय नाश्ते को करना ना भूले: आप पाएंगे कि मोलभाव करते हुए उष्णकटिबंधीय सूरज में स्वयं को ठंडा रखने का शेव आइस एक उत्तम तरीका है। - हैंक सार्टिन

होनोलुलु में होने वाले 2020 रोटरी सम्मेलन से मत चूकिए। स्थान सुरक्षित करने के लिए 31 मार्च तक ीळलेपींशपींळेप.ीस पर पंजीकरण कीजिये।

HONOLULU
HAWAII 2020

2020 होनोलुलु कन्वेंशन में भाग लेने के लिए 31 मार्च से पहल *riconvention.org* पर पंजीकरण करें।

© *The Rotarian*

पूरे भारत में हैपी स्कूल्स का निर्माण करता है WinS

वी. मुत्तुकुमारण

बाएं सेः इनर व्हील (322) की अध्यक्ष नलिनी ओलिवण्णन, PDG रमेश अग्रवाल, वैश्विक WinS अध्यक्ष PRID पी टी प्रभाकर, PDG नटराजन नागोजी, DG जी चन्द्रमोहन मंडल WinS अध्यक्ष जयनाथन रोटरी WinS एम्बेसडर हनीफा ज़ारा।

आरआईपीई होलकर कनैक और आरआईपीएन शेखर मेहता दोनों ने 2025 तक भारत भर में 100,000 WinS परियोजनाओं का लक्ष्य रखा है। WinS ग्लोबल चेयर पीआरआईडी पी टी प्रभाकर ने कहा कि, टीआरएफ शताब्दी को चिह्नित करने हेतु अब तक, पेयजल, स्वच्छता और सफाई सुविधाओं की शुरूआत करने के उद्देश्य से, 2017 में इसे लॉन्च करने के बाद 40,000 स्कूलों को कवर किया गया है।

उन्होंने रो ई मंडल 3232 क्लबों के लिए चेन्नई में WinS टारगेट चैलेंज सेमिनार में कहा, "हम हर साल कम से कम 10,000 स्कूलों तक पहुंच रहे हैं और इस नए लक्ष्य को आसानी से हासिल किया जा सकता है। भारतीय स्कूलों में हैंडवॉशिंग प्रथा के प्रचलन में न होने के कारण बच्चों में लगभग 44 प्रतिशत रुग्णता की समस्या होती है। वैश्विक रूप से, 4.8 करोड़ बच्चे, विकास दर से पीड़ित हैं, जिनमें से 33 प्रतिशत भारत में हैं। और दुनिया भर में खुले में शौच करने वाले 40-करोड़ लोगों में से एक-तिहाई (13 करोड़) भारत में हैं।"

यूनिसेफ और विशेषज्ञ एनजीओ वर्ल्ड विजन ने हार्डवेयर घटकों (जैसे शौचालय, हैंडवाश स्टेशन) को स्थापित करने और शिक्षकों, छात्रों तथा हितधारकों (सॉफ्टवेयर घटक) के बीच व्यवहार में परिवर्तन लाने हेतु रोटरी क्लबों के साथ भागीदारी की है।

सेमिनार का मुख्य आकर्षण कक्षा 3 की छात्रा हनीफा ज़ारा थी, ग्लोबल विन चेयर द्वारा WinS का ब्रांड एंबेसडर चुना गया था। ज़ारा पिछले साल तब सुर्खियों में आई थी जब उन्होंने अपने घर पर शौचालय नहीं बनाने पर अपने पिता के खिलाफ स्थानीय पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया था।

यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, और एक दिन के भीतर, अंबूर नगर पालिका ने उनके घर पर शौचालय का निर्माण किया। और, उनकी इस पहल की वजह से 100 से अधिक परिवारों को उनके घरों पर स्थानीय निकाय द्वारा निर्मित शौचालय प्राप्त हुए। व्यापक कवरेज के बाद, ज़ारा को वेल्लोर जिले के लिए स्वच्छ भारत का एंबेसडर चुना गया।

स्टार की पहचान

रो ई मंडल 3012 पीडीजी और थळपड समिति के सदस्य रमेश अग्रवाल ने कहा कि, टीआरएफ की पायलट योजना टारगेट चैलेंज के जून 2020 में पूरा हो जाने के बाद, इसे वैश्विक स्तर पर भी रोल आउट किया जाएगा, क्योंकि आरआईपीएन शेखर मेहता बेसिक शिक्षा और साक्षरता के साथ थळपड को अगले स्तर पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि WinS इंडिया रिकॉग्निशन कमेटी उन स्कूलों को स्टार-रेटिंग दे रही है, जिन्हें वॉश प्रोजेक्ट्स के तहत क्लबों द्वारा अपनाया गया है। अब तक लगभग 40,000 स्कूलों को रेटिंग मिल चुकी है, वर्ल्ड विजन इस प्रयास में रोटरी के साथ साझेदारी कर रहा है। रोटरी वर्ष में एक-स्टार रेटिंग के लिए 600 स्कूलों को कवर करने पर सहमति व्यक्त की है। अग्रवाल ने कहा कि, "यूनिसेफ और अन्य हितधारकों के समर्थन के साथ, हम बच्चों की स्वच्छता और सफाई की आदतों में परिवर्तन को बनाए रखने हेतु स्कूल के

पाठ्यक्रम में डब्ल्यूएएस पाठ को एकीकृत करने में सक्षम हैं।''

WinS परियोजना को पूरा करने के बाद, क्लब को इन प्रतिष्ठानों के नियमित रखरखाव का कार्य स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) को सौंपने से पहले दो साल के लिए स्वच्छता सुविधाओं को बनाए रखना पड़ता है।

डीजी जी चंद्रमोहन ने कहा, रोटरी द्वारा किया गया पहला प्रोजेक्ट 1907 में शिकागो में टॉयलेट की स्थापना था और रो ई मंडल 3232 द्वारा किया गया नवीनतम प्रोजेक्ट तंजावुर (दक्षिणी तमिलनाडु) में तीन टॉयलेट ब्लॉक स्थापित करना था। उन्होंने कहा, कोयंबटूर के पास एक सरकारी स्कूल में, सरकारी अधिकारियों द्वारा निरीक्षण तक शौचालयों को साफ रखा गया था। इसके बाद उन्होंने नव-स्थापित स्वच्छता सुविधाओं को रसोई में बदल दिया और छात्रों ने खुले में शौच करना फिर से शुरू कर दिया। ''यह केवल दिखाता है कि बच्चों और शिक्षकों की मानसिकता को बदलना कितना मुश्किल है।''

उन्होंने प्रत्येक विद्यालय में दो शौचालय और एक हैंडवॉश स्टेशन स्थापित करने के लिए ₹15 लाख से 21 क्लबों को जिला अनुदान आवंटन पत्र सौंपे। प्रभाकर ने क्लबों से अधिक से अधिक स्कूलों तक पहुंचने के लिए समान मात्रा में सहयोग करने का आग्रह किया।

WinS सेमिनार में हैंडवैश डेमो देते हुए स्कूली छात्र।

डॉ मीनाक्षी भरत, रो ई मंडल 3190, जिन्होंने स्कूलों में एमएचएम पर सत्र आयोजित करने में इनर व्हील क्लबों का उल्लेख किया था, ने कहा कि, हमें लड़कियों में अपने पीरियड को लेकर गर्व की भावना पैदा करनी होगी। लेकिन एकल उपयोग, डिस्पोजेबल पैड इसके लिए पर्याप्त नहीं, यहां तक कि इससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है, उन्होंने आगे कहा कि, पुन: इस्तेमाल होने वाले कपड़े के पैड एक बेहतर विकल्प है क्योंकि इसमें कम खर्च होता हैं, धोने में आसान होते हैं और उन्हें प्राकृतिक धूप में सुखाया जा सकता है। उन्होंने रोटेरियन से आह्वान किया कि वे अपने परिवार की महिलाओं के बीच कपड़े के पैड और मासिक धर्म के कप को सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से निपटने के संदेश को फैलाएं।

रो ई मंडल 323 इनर व्हील की चेयरमैन नलिनी ओलिवनन ने कहा कि इनर व्हील एमएचएम को अगले स्तर तक ले जाने हेतु रोटरी क्लबों के साथ साझेदारी करने के लिए तैयार है।

जिला WinS चेयरमैन पी जयनाथन ने कहा कि, हम राज्य भर में बस टर्मिनलों पर स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए भोजन कक्ष स्थापित करने हेतु सरकार की अनुमति का इंतजार कर रहे हैं। इस तरह का पहला केबिन तिरुनेलवेली में 2010 में स्थापित किया गया था।''

चित्र: वी मुत्तुकुमारण

ए एस वेंकटेश को रो ई निदेशक का नॉमिनी चुना गया

पीडीजी ए एस वेंकटेश, रो ई मंडल 3232, को जोन 5 के लिए 2021-23 हेतु रो ई निदेशक चुना गया है। वह होनोलूलू, हवाई में 2020 रो ई कन्वेंशन में चुने जाएंगे।

वेंकटेश, जो वेंकी के नाम से लोकप्रिय हैं, रोटरी क्लब चेन्नई ममबालम के सदस्य हैं और 2007-08 के दौरान जिला गवर्नर के रूप में कार्य कर चुके हैं। उन्हें 2017 इंटरनेशनल असेंबली में आने वाले जिले के नेताओं को प्रशिक्षित करने हेतु रो ई द्वारा मुख्य सूत्रधार के रूप में नियुक्त किया गया था, जो इस पद पर नियुक्त होने वाले पहले भारतीय थे। ■

रो ई मंडल 3181 को सम्मान

रो ई जिला 3181 को हाल ही में अपने 'कोडागु पुनर्निर्माण' कार्यक्रम के माध्यम से 2018 बाढ़ के पीड़ितों के लिए घर उपलब्ध कराने हेतु 'लीडरशिप बिल्डर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रोजेक्ट चेयरमैन और पीडीजी डॉ के रवि अप्पाजी को मुंबई में राजश्री बिड़ला, चेयरपर्सन, एडवाइजरी बोर्ड ऑफ हैबिटेट फॉर ह्यूमैनिटी इंडिया से पुरस्कार प्राप्त हुआ। ■

मंडल गति

रोटरी क्लब चिदंबरम सेंट्रल - रो ई मंडल 2981

क्लब ने मिश्रिमल महावीर चंद ट्रस्ट के साथ मिलकर बस अड्डे पर 1,000 लाभार्थियों को डेंगू से बचाव की गोलियां वितरित की। डेंगू विरोधी अभियान क्लब की नियमित गतिविधियों में से एक है।

रोटरी क्लब सेलम साउथ - रो ई मंडल 2982

अपनी अमुधा सुरभि परियोजना के अंतर्गत, क्लब ने एक ट्रांसजेंडर द्वारा चलाये जाने वाले थाई माड़ी ट्रस्ट को 500 किलो चावल दान किये। हर महीने 100 से अधिक लोग इस कार्यक्रम से लाभान्वित होते है।

रोटरी क्लब रेवारी मेन - रो ई मंडल 3011

एक सरकारी हाई स्कूल के विद्यार्थियों को स्वेटरें और किताबें दान की गई। विद्यार्थियों के लिए एक चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

रोटरी क्लब मदुरई नार्थ - रो ई मंडल 3000

स्वलीन बच्चों के इलाज के लिए संवेदी एकता थैरेपी उपकरण का एक सेट सरकारी राजाजी अस्पताल के बाल चिकित्सा विभाग को दान किया गया। डीजी डॉक्टर ए ज़मीर पाशा ने अस्पताल प्राधिकरण को उपकरण सौंपे।

विधियाँ

रोटरी क्लब स्मार्ट सिटी चंद्रपुर - रो ई मंडल 3030

डीजी राजेंद्र भामरे ने क्लब द्वारा नागपुर रोड पर निर्मित एक बस शेल्टर का उद्घाटन किया। सभी मौसमों के दौरान यह सुविधा यात्रियों को आश्रय प्रदान करेगा।

रोटरी क्लब इंदौर मेघदूत - रो ई मंडल 3040

विश्व मधुमेह दिवस पर एक चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया जिसमें ब्लड शुगर, बीपी और बीएमआई जैसे विभिन्न बीमारियों के लिए 75 रोगियों की जांच की गई। रो ई निदेशक भरत पांड्या ने एनसीडी, के अनुसार जाँच की दिशा-निर्देश दी थी।

रोटरी क्लब सेनोरस जामनगर - रो ई मंडल 3060

विश्व मधुमेह दिवस को चिन्हित करने के लिए एक जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 100 लोगों की रक्त शर्करा स्तर की जांच की गई। शिविर का आयोजन जामनगर महानगर पालिका के साथ साझेदारी में लकोटा लेक ग्राउंड पर किया गया था।

रोटरी क्लब अमृतसर नार्थ - रो ई मंडल 3070

शहर के मोहकमपुरा इलाके में बिमला नंदा रोटरी कम्युनिटी सेंटर के छात्रों को स्वेटर और मोज़े वितरित किये गए। इस कार्य के लिए लाभार्थियों ने क्लब का धन्यवाद दिया क्योंकि कपड़े ठंड के महीनों में उन्हें गरम रखेंगे।

रोटरी क्लब अलवर - रो ई मंडल 3053

रोटेरियनों ने सर्दियों के दौरान गरम रखने के लिए फुटपाथ पर रहने वालों को गर्म कपड़े, शॉल, स्वेटर और कम्बल वितरित किये। इस कार्य से रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि हुई।

मंडल गति

रोटरी क्लब पनवेल एलिट - रो ई मंडल 3131

सिन्धल्वी वादी और पेन तालुक के आसपास के क्षेत्रों के आदिवासी गाँवों के 25 विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित की गई।

रोटरी क्लब मुंबई कांदिवली वेस्ट - रोई मंडल 3141

पीडीजी प्रफुल शर्मा ने ध्यानेश्वर स्कूल में तीन नवीनीकृत कक्षाओं का उद्घाटन किया। ₹2.75 लाख की परियोजना 200 से अधिक विद्यार्थियों को लाभान्वित करेगी।

रोटरी क्लब पंडारीपुरम - रो ई मंडल 3150

डीजी पी शिवनारायण राव ने क्लब द्वारा आयोजित की गई एक प्लास्टिक विरोधी मुहिम में हिस्सा लिया। लोगों को कपड़े के थैले वितरित किये गए और क्लब सदस्यों ने प्लास्टिक से पर्यावरण को होने वाले नुकसान के बारे में लोगों को शिक्षित किया।

रोटरी क्लब मेंगलुरु सेंट्रल - रो ई मंडल 3181

केनरा हाई स्कूल में मंडल के 10 अलग-अलग अनाथालयों के 600 से अधिक विद्यार्थियों के लिए रोटरी ओर्फनज ओलंपिक्स का आयोजन किया गया। यह अनाथों के लिए मस्ती-भरे खेलों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दिन था। विधायक वेदव्यास कामथ ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

रोटरी क्लब तिरुपति - रो ई मंडल 3190

क्लब ने एसवीआरआर सरकारी अस्पताल को लगभग 100 स्टैनलेस स्टील के स्टूल दान किये ताकि मरीज़ों के परिवारजन आराम से बैठ सके। डीजी समीर हरियानी ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

विधियाँ

रोटरी क्लब रामनाद रॉयल्स - रो ई मंडल 3212

विनएस परियोजना के तहत ₹2 लाख की लागत वाले एक नवीनीकृत शौचालय खंड का उद्घाटन पीडीजी डॉक्टर चिन्नदुरई अब्दुल्लाह द्वारा मंडल के वनिंगुलम गाँव के सरकारी हाई स्कूल में किया गया। जुड़ी हुई लाइनों के साथ एक हाथों की धुलाई के स्टेशन और 5,000-लीटर पीने योग्य पानी की टंकी भी स्थापित की गई।

रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल - रो ई मंडल 3232

लगभग ₹25 लाख की लागत से आधारभूत संरचनाओं एवं बुनियादी सुविधाओं के उन्नयन के साथ गवर्नमेंट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में एक हैप्पी स्कूल परियोजना पूरी की गई। 4,000 विद्यार्थियों को लाभान्वित करने वाली नई सुविधाओं का उद्घाटन सरकारी अधिकारियों की मौजूदगी में डीजी जी चंद्रमोहन द्वारा किया गया।

रोटरी क्लब दुर्गापुर - रो ई मंडल 3240

एक सप्ताह तक चले शिविर में, जरूरतमंद लोगों को 150 से अधिक कृत्रिम पैर और कैलिपर्स प्रदान किये गए। क्लब ने 750 लोगों को निःशुल्क भोजन भी कराया जिसमें लाभार्थियों के परिचारक भी शामिल थे। इस परियोजना का आयोजन महावीर सेवा सदन, कोलकाता, के सहयोग से किया गया था।

रोटरी क्लब दमोह - रो ई मंडल 3261

स्थानीय अस्पताल में एक नेत्र शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 140 मरीज़ों की जांच रक्त शर्करा स्तर के कारण हुई विभिन्न बीमारियों के लिए की गई। शिविर में पैंतीस मरीज़ों को मुफ्त चश्मे वितरित किये गए और जरूरतमंदों को दवाइयां वितरित की गई।

रोटरी क्लब भद्रक - रो ई मंडल 3262

क्लब की पुरस्कार समिति जरूरतमंद, मेधावी विद्यार्थियों को एवं सेवा गतिविधियों के लिए धन की आवश्यकता वाले संगठनों को छात्रवृत्ति प्रदान कर रही है। ₹50 लाख के कार्पस के साथ, समिति वंचित मरीज़ों को भी वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है।

वी मुत्तुकुमारण द्वारा संकलित

एल गुणाशेकरण द्वारा रुपांकन

Rotary News Subscription Remittances

You can pay the
Rotary News / Rotary Samachar
subscription online

Our Bank details:

Bank : HDFC Bank
SB Account

Branch : Montieth Road
Egmore, Chennai

A/c Name : Rotary News Trust

A/c No. : 50100213133460

IFSC Code : HDFC0003820

E mail us following details:

Name of Club

President/Secretary's name

Amount/Date of transfer/UTR Number

For physical payment by cheque or cash in bank, write **Club Name only** without prefixing "Rotary club of". Eg. Rotary Club of Delhi Central should be written: Delhi Central.

Rotary at a glance

Rotarians	:	1,216,372
Clubs	:	35,825
Districts	:	525
Rotaractors	:	167,530
Clubs	:	10,108
Interactors	:	245,755
Clubs	:	10,685
RCC	:	10,815

As on Dec 12, 2019

*Please note Interact clubs that have not reported Interact Adviser in the past two Rotary years, are placed in "Suspended" status effective Oct 1, 2019.

Membership Summary

As on Dec 2, 2019

RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians	Rotaract Clubs	*Interact Clubs	RCC
2981	113	4,903	246	44	26	220
2982	67	3,199	164	78	55	55
3000	126	5,625	548	185	133	210
3011	88	3,745	939	47	54	25
3012	94	3,746	944	51	46	59
3020	71	4,216	235	53	15	350
3030	91	4,976	661	95	99	286
3040	86	2,055	236	35	44	144
3053	62	2,799	486	16	37	99
3054	119	5,861	1,014	76	116	475
3060	96	4,380	614	53	42	142
3070	106	3,186	448	45	19	58
3080	85	3,552	341	83	51	112
3090	78	1,983	56	36	4	122
3100	80	2,016	125	12	12	146
3110	116	3,839	368	27	7	105
3120	78	3,399	448	38	14	53
3131	135	5,575	1,241	101	126	108
3132	84	3,539	384	34	55	158
3141	103	5,785	1,375	112	94	88
3142	92	3,347	696	77	46	64
3150	93	3,685	388	56	74	116
3160	68	2,448	180	27	3	83
3170	128	5,765	709	66	139	165
3181	81	3,694	369	59	164	115
3182	80	3,137	258	40	39	97
3190	126	5,074	713	130	86	59
3201	145	5,611	435	101	45	50
3202	126	5,142	312	75	66	47
3211	141	4,586	334	8	15	131
3212	100	4,134	328	100	64	145
3231	90	4,043	498	49	58	355
3232	126	5,296	907	125	108	91
3240	89	3,151	423	49	362	190
3250	101	3,961	700	59	34	181
3261	71	2,665	416	14	15	43
3262	97	3,491	432	44	27	77
3291	150	3,822	781	84	69	614
India Total	**3,782**	**151,431**	**19,752**	**2,384**	**2,463**	**5,638**
3220	69	2,033	292	80	79	73
3271	88	1,433	256	60	8	18
3272	147	1,920	315	51	7	43
3281	212	5,926	925	220	33	194
3282	166	5,252	677	139	28	45
3292	121	4,826	748	126	84	115
S Asia Total	**4,585**	**172,821**	**22,965**	**3,060**	**2,702**	**6,126**

Source: RI South Asia Office

ADVT.

Rotary DISTRICT 3110

ROTARY CONNECTS THE WORLD

RIPN Shekhar Mehta - Rashi Mehta
First Lady Sangeeta Katru - DG Kishor Katru
RID 3110

Happy New Year 2020

THE GREATEST FESTIVAL OF ROTARY IN INDIA !
Rotary INDIA
100 YEARS
Rotary India Centennial Summit 2020
14-16 February 2020 I Kolkata
AT VISWABANGLA CONVENTION CENTRE, KOLKATA
GREAT AMBIENCE
ELOQUENT SPEAKERS
EXCELLENT FELLOWSHIP & SUMPTUOUS FOOD COURT
OUTSTANDING ENTERTAINMENTS
VISWABANGLA CONVENTION CENTRE, KOLKATA
Nobel Prize Winners from Kolkata
Ronald Ross
C.V Raman
Rabindranath Tagore
Mother Teresa
Amartya Sen
Abhijith Banerjee
COME TOGETHER FOR THE MOST SPECTACULAR ROTARY EVENT AS NEVER BEFORE IN INDIA
THE WORLD IS MOVING TO THE CULTURAL CAPITAL OF INDIA- KOLKATA
LET US CELEBRATE TOGETHER AT THE BIRTH PLACE OF ROTARY IN INDIA
A RARE OPPORTUNITY TO MEET AND GREET WORLD LEADERS IN ROTARY
Mark Maloney (RI President)
Shekhar Mehta (RI President Nominee)
PRIP K.R Ravindran (TRF Trustee Chair 20-21)
PRIP Raja Saboo
PRIP Kalyan Banerjee
Kamal Sanghvi (RI Director, Convenor- RICS)
Dr Bharat Panndya (RI Director, Co- Convenor- RICS)
Gulam A Vahanvaty (TRF Trustee)
100 YEARS OF ROTARY IN INDIA !
100 YEARS OF SERVICE TO MANKIND!
Register now !
Log on to www.rics2020.org
PDG Dr. John Daniel
Chairman Commercial Booths & Coordinator Regn. Promotion Kerala and Tamil nadu
Don't miss the golden opportunity to book your stall at the commercial booth space. Close to the house of friendship, Lounge and Bar. Few Stalls left...
Cost per stall : 1 Lakh
Complementary advertisement worth Rs. 50000 for each stall in Centennial Souvenir
Contact: +91 9249559999, +91 9447022478.
Places of Attraction
Santhinikethan
Howrah Bridge
Victoria Memorial
Birla Mandir
Indian Museum

इंदौर स्नातक

जोन संस्थान, इंदौर में, आने वाले गवर्नर्स और उनके प्रशिक्षकों के साथ रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी और गे, रो ई निदेशकों भरत पांड्या और माधवी, कमल संघवी और सोनल और टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वाहनवती।

चित्र: रशीदा भगत

Regn. No. TN/CCN/359/2018-2020 | Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹35
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP-421/2018-2020
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on 1st of every month

Log on to **www.rics2020.org** for online registration

Rotary India Centennial Summit 2020

14-16 February 2020 | Kolkata

Don't miss the opportunity

5,000 Rotarians from 40 Countries

REASONS TO ATTEND

- One of the largest events of Rotary in World.
- Be part of the Presidential Dinner with Mark Maloney & President Nominee Lunch with Shekhar Mehta. An unique opportunity to hear them and dine with them up close.
- Past RI Presidents - Raja Saboo, Kalyan Banerjee, Gary Huang, K. R. Ravindran and John Germ would be there and so would be 5,000 Rotarians from across 40 countries.
- Hear some top-notch speakers in the field of service share their life stories and their trials and tribulations.
- Enjoy the warmth of Kolkata, the City of Joy, the land of Netaji, Tagore & Mother Teresa, a city of literature and art, the place where it all started.

"Rotary started in India, in the city of Kolkata on 1st January, 1920 when Rotary Club of Calcutta, one of the longest continuing Rotary Club in Asia with 100 years of uninterrupted service was chartered in what is today RI District 3291.That's one century of Rotarians improving lives and communities across the nation.

That's definitely something worth celebrating!

The Rotary India Centennial Summit 2020 will mark the celebration of last one century of Rotary service in India. It will be the perfect platform to share and discuss the achievements and impressive success stories with the world and also plan for the future."

Purnendu Roychowdhury
President
Rotary Club of Calcutta

Ajay Agarwal
District Governor
RID 3291

Register today!
www.rics2020.org

INDIVIDUAL REGISTRATION
(Rotary & Inner Wheel)
Till 31-01-2020 ₹ **5,100/-**

SPOUSE REGISTRATION
(Rotary & Inner Wheel)
Till 31-01-2020 ₹ **5,100/-**

SPECIAL PRICE FOR ROTARACTORS ₹ 1,500/-

Panel of Advisors

Panduranga Setty
Past RI Director

Ashok Mahajan
Past RI Director

Yash Pal Das
Past RI Director

P T Prabhakar
Past RI Director

Manoj Desai
Past RI Director

C Basker
Past RI Director